देशबन्धु

जबलपुर, सोमवार 24 फरवरी 2025 । वर्ष –69 । अंक –103 पृष्ठ –12+4 । मूल्य – 3.00

■ ट्रंप के खुलासों पर...
■ अमेरिकी अपमान पर... 04
■ हमास के चंगुल से आजाद होते ही आतंकियों...
■ मोदी की बात लोकतंत्र की लिए खतरा कैसे ? 09
■ गेंदा के फूल की खेती और उससे लाभ...
■ भेड़ पालन में बकरी के कारोबार से भी ज्यादा.. 11
■ भारत और रोहित....
■ कोहली ने वनडे 10

दो दिवसीय प्रवास पर मध्य प्रदेश पहुंचे प्रधानमंत्री का गर्मजोश आत्मीय स्वागत

कुछ नेता पर्व-परंपरा को देते हैं गाली : मोदी

मंदिर में कैंसर अस्पताल पूरे देश में नई मिसाल: मुख्यमंत्री

छतरपुर, (देशबन्धु)। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में स्थित बागेश्वर धाम में प्रस्तावित कैंसर अस्पताल का शिलान्यास करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष पर हमला बोले हुए कहा कि नेताओं का एक वर्ग ऐसा है जो हमारे पर्व, परंपराओं और प्रथाओं को गाली देता हैं। उन्होंने आगे कहा कि हिंदू आस्था से नफरत करने वाले यह लोग सदियों से किसी न किसी भेष में रहते हैं। गुलामी की मानसिकता से घिरे हुए ये लोग हमारी मान्यताओं और मंदिरों पर, हमारे संत, संस्कृति और सिद्धांतों पर हमला करते रहते हैं। यह लोग हमारे पर्व, परंपराओं और प्रथाओं को गाली देते हैं।

जो धर्म संस्कृति व स्वभाव से ही प्रगतिशील है, उस पर कीचड़ उछालने की हिम्मत दिखाते हैं। हमारे समाज को बांटना, उसकी एकता को तोड़ना ही इनका एजेंडा है। नेताओं का एक वर्ग ऐसा है जो लोगों को तोड़ने में लगा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 218 करोड़ की लागत से लगभग 11 हेक्टेयर क्षेत्र में बनने वाले साइंस और रिसर्च सेंटर का शिलान्यास किया।

विदेशी ताकतें भी इन लोगों का साथ देती हैं– उन्होंने कहा कि आजकल हम देखते हैं कि नेताओं का एक वर्ग ऐसा है जो धर्म का मखौल उड़ाता है, उपहास उड़ाता है और लोगों को तोड़ने में जुटा है। बहुत बार विदेशी ताकतें भी इन लोगों का साथ देकर देश और धर्म को कमजोर करने की कोशिश करते हुए दिखाई देते हैं। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि धीरेंद्र शास्त्री काफी समय से देश में एकता के मंत्र को लेकर लोगों को जागरूक करते रहते हैं। अब उन्होंने समाज और मानवता के हित में एक निर्णय लिया है, इस कैंसर संस्थान के निर्माण की ठानी है। यानी अब बागेश्वर धाम में भजन, भोजन और निरोगी जीवन तीनों का आशीर्वाद मिलेगा। हमारे मंदिर, मठ, धाम एक ओर पूजन और साधना के केंद्र रहे हैं तो दूसरी ओर विज्ञान और सामाजिक चिंतन, सामाजिक चेतना के भी केंद्र रहे हैं।

बागेश्वर धाम में प्रस्तावित कैंसर अस्पताल का किया शिलान्यास

प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ की चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि महाकुंभ की हर तरफ चर्चा हो रही है। महाकुंभ अब पूर्णता की ओर है, अब तक करोड़ों लोग वहां पहुंच चुके हैं। करोड़ों लोगों ने आस्था की डुबकी लगाई है, संतों के दर्शन किए हैं। अगर इस महाकुंभ की तरफ नजर करें तो सहज ही अहसास हो जाता है कि यह एकता का महाकुंभ है। यह 144 साल बाद हुआ। यह महाकुंभ एकता के महाकुंभ के रूप में प्रेरणा देता रहेगा।

8वां इन्वेस्ट मध्यप्रदेश - ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट 2025

मोदी आज करेंगे का शुभारंभ

- 24 - 25 फरवरी को भोपाल होगा इंडस्ट्री लीडर्स का महामंच
- एमपी में निवेश की अनंत संभावनाओं पर फोकस

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश निवेशकों, व्यवसायियों और उद्योगों के लिए अनंत संभावनाओं के उद्देश्य से बहुप्रतीक्षित इन्वेस्ट मध्यप्रदेश – ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट–2025 की मेजबानी करने के लिए तैयार है।

24–25 फरवरी, 2025 को भोपाल में पहली बार आयोजित होने वाली समिट मध्यप्रदेश के लिए ऐतिहासिक है। समिट के आयोजन से प्रदेश की राजधानी भोपाल, देश के सबसे बड़े निवेश सम्मेलन का केंद्र बन गई है और म.प्र. उद्योग हब बनकर उभर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 24 फरवरी को 2 दिवसीय ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट का आज शुभारंभ करेंगे। भोपाल के राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में होने वाली इस समिट में प्रधानमंत्री श्री मोदी मध्यप्रदेश की औद्योगिक नीतियों का शुभारंभ करेंगे और देश–विदेश से आए निवेशकों, उद्योगपतियों, प्रवासी भारतीयों और स्टार्ट–अप्स को संबोधित करेंगे और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में राज्य की 18 से अधिक नई नीतियों का अनावरण करेंगे। इसमें औद्योगिक, खाद्य, निर्यात, एमएसएमई, स्टार्ट–अप्स, जीसीसी, सेमी–कंडक्टर, ड्रोन, पर्यटन, फिल्म निर्माण नीति शामिल है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के संबोधन से पहले राज्य की औद्योगिक और निवेश क्षमता को प्रदर्शित करने वाला 5 मिनट की वीडियो फिल्म प्रदर्शित की जाएगी।

समिट में सहभागिता के लिए 25 हजार से अधिक पंजीकरण प्राप्त हुए हैं। इनमें 50 से अधिक देशों के 100 से अधिक विदेशी प्रतिनिधि भोपाल आ रहे है। इसमें राजदूत, उच्चायुक्त और महावाणिज्य दूत शामिल हैं। समिट में व्यापक पैमाने पर भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि मध्यप्रदेश ने देश–दुनिया के निवेशकों को आकर्षित किया है।

गृह मंत्री शाह करेंगे 25 को जीआईएस का समापन

जीआईएस के दूसरे दिन, 25 फरवरी को समापन में मुख्य सचिव अनुराग जैन राज्य के विकास के संदर्भ में भविष्य की रूपरेखा पर प्रकाश डालेंगे। इसके बाद मध्यप्रदेश–अनंत संभावनाएं नामक वीडियो की प्रस्तुति होगी, जिसमें राज्य की विशाल क्षमता और अवसरों को प्रदर्शित किया जाएगा। प्रमुख उद्योगपति सभा को संबोधित कर अपना विजन और अनुभव साझा करेंगे। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह का मुख्य संबोधन होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव भी संबोधित करेंगे।

यूएसएड फंडिंग विवाद पर कांग्रेस का आरोप

भारत का अपमान करने के बावजूद चुप्पी क्यों : जयराम रमेश

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय विकास के लिए अमेरिकी एजेंसी (यूएसएड) के अनुदान को लेकर जारी विवाद के बीच कांग्रेस ने रविवार को भाजपा पर अमेरिका से फर्जी खबरें फैलाकर राष्ट्र विरोधी कार्य करने का आरोप लगाया। विपक्षी दल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर को भी जवाब देना होगा कि जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अरबपति एलन मस्क बार–बार भारत का अपमान कर रहे हैं, तो सरकार चुप क्यों है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि भाजपा झूठों और अनपढ़ों की बारात है। जिस 2.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर पर भाजपाई और चरणचुंबक उछल रहे थे, वो खबर तो फर्जी निकली। वर्ष 2022 में 2.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर, भारत में 'मतदान प्रतिशत बढ़ाने' के लिए नहीं, बल्कि बांग्लादेश के लिए थे।'' रमेश ने कहा कि एलन मस्क ने फर्जी दावा किया, ट्रंप को ढाका और दिल्ली के बीच गलतफहमी हुई, अमित मालवीय ने झूठ आगे फैलाया, फिर भाजपा के चरणचुंबकों ने उसे लपक लिया।'' जयराम रमेश ने कहा कि

मोदी व विदेश मंत्री एस.जयशंकर से मांगा जवाब

जबसे ट्रंप प्रशासन के सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) ने 16 फरवरी को कहा कि यूएसएड ने 'भारत में मतदान' के लिए 2.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर का अनुदान रद्द कर दिया है, तब से भाजपा कांग्रेस पर मनगढ़ंत आरोप लगा रही है। लेकिन अब पता चल रहा है कि यह पूरी खबर तो फर्जी है। जब पैसा भारत आया ही नहीं, तो (अनुदान) रद्द कैसे होगा। कांग्रेस नेता ने कहा कि असल में सारा विवाद 'डीओजीई' की सूची में दो यूएसएड अनुदान को लेकर है, जिन्हें वाशिंगटन स्थित चुनाव एवं राजनीतिक प्रक्रिया सुदृढ़ीकरण समूह के माध्यम से दिया गया था। रमेश ने कहा कि सीईपीपीएस को यूएसएड से कुल 48.6 करोड़ अमेरिकी डॉलर मिलने थे।

उन्होंने कहा कि अमेरिकी विभाग के अनुसार, इस कोष में मोल्दोवा के लिए 2.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर और ''भारत में मतदान प्रतिशत बढ़ाने'' के लिए 2.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर शामिल थे। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि यूएसएड ने मोल्दोवा के लिए सीईपीपीएस को पहला कोष 2016 में दिया था, जिसका आईडी 'एड117एलए1600001' है। लेकिन भारत के लिए डीओजीई द्वारा चिह्नित यूएसएड का 2.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर का अनुदान बिल्कुल फर्जी है, क्योंकि यह बांग्लादेश के लिए था, भारत के लिए नहीं।''

टीम इंडिया की पाकिस्तान पर धमाकेदार जीत

कोहली का नाबाद शतक

दुबई। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 में 23 फरवरी भारतीय टीम ने पाकिस्तान पर धमकेदार जीत दर्ज की है। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारत ने पाकिस्तान को 6 विकेट से हरा दिया। भारत की जीत के हीरो विराट कोहली रहे, जिन्होंने नाबाद शतक जड़ा. कोहली ने खुशदिल शाह की गेंद पर चौका जड़कर अपना शतक पूरा किया।

साथ ही भारत को भी जीत दिलाई। कोहली 111 गेंदों पर नााबाद 100 रन बनाए, जिसमें सात चौके शामिल रहे। पकिस्तान ने टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया और 50 ओवर में 241 रन बनाकर जीत के लिए 242 रनों का टारगेट दिया। टारगेट का पीछा करते हुए भारतीय टीम को पहला झटका पांचवें ही ओवर में लग गया, जब कप्तान रोहित शर्मा को शाहीन आफरीदी ने एक बेहतरीन गेंद पर बोल्ड कर दिया।

अधिवक्ता संशोधन बिल वापस

कानून मंत्री बोले हर मुद्दे की करेंगे जांच , बीसीआई समेत अधिकतर राज्यों के वकील विरोध में थे

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। एडवोकेट अमेंडमेंट बिल 2025 को लेकर देशभर में वकीलों के विरोध के बाद केंद्र सरकार ने बिल में बदलाव करने का फैसला किया है। कानून मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि सरकार ने वकीलों की आपत्तियों के मद्देनजर बिल में बदलाव का फैसला लिया है। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने आश्वासन दिया कि बिल को अंतिम रूप देने से पहले सरकार सभी मुद्दों की अच्छी तरह से जांच करेगी और जरूरी कदम उठाएगी।

उन्होंने कहा कि सरकार ऐसा कोई प्रावधान नहीं करेगी जिससे कानूनी पेशे की आजादी और गरिमा कमजोर हो।केंद्र सरकार 1961 के एडवोकेट एक्ट में बदलाव करने के लिए अमेंडमेंट बिल लाने की तैयारी में है। लोगों के सुझाव के लिए बिल का फाइनल ड्राफ्ट सामने आने पर देशभर के वकील बिल के विरोध में आ गए थे। बार काउंसिल ऑफ इंडिया समेत देश के अधिकांश बार काउंसिल ने केंद्र सरकार से बिल वापस लेने की मांग की थी। ऐसा न करने पर देशभर में हड़ताल की बात कही थी। नए बिल की धारा 35 'ए' वकील या वकीलों के संगठन को कोर्ट का बहिष्कार करने, हड़ताल करने या वर्क सस्पेंड करने से रोकती है। इसका उल्लंघन वकालत के पेशे का मिसकंडक्ट माना जाएगा और इसके लिए अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकेगी। मौजूदा व्यवस्था में हड़ताल करने पर रोक नहीं, प्रोफेशनल मिसकंडक्ट माना जाता है।

प्रोफेशनल मिसकंडक्ट की वजह से किसी का नुकसान होता है तो बिल की धारा 45 बी के तहत प्रोफेशनल मिसकंडक्ट के कारण वकील के खिलाफ कार्रवाई के लिए बीसीआई में शिकायत दर्ज कराई जा सकेगी।

हादसा — तेलंगाना में निर्माणधीन सुरंग में भरा पानी

अधिकारी बोले,8 मजूदरों के बाहर आने की उम्मीद कम

हैदराबाद,(एजेंसियां)। तेलंगाना के नागरकुर्नूल जिले में निर्माणाधीन श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल टनल का एक हिस्सा 22 फरवरी को ढह गया। सुरंग में ग्यारह किलोमीटर में पानी भरने से मुसीबत पैदा हो गई है। एसडीआरएफ–एसडीआरएफ रेस्क्यू ऑपरेशन चला रह है। सुरंग में आठ कर्मचारी फंस गए। राज्य सरकार के हक वाली कोयला खनन कंपनी सिंगरेनी कोलियरीज भी रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी है।

कंपनी के जनरल मैनेजर श्रीनिवास रेड्डी ने रविवार को कहा कि सुरंग में कर्मचारियों के बाहर आने की उम्मीद कम है। नागरकुर्नूल डीएम बी संतोष ने कहा कि रेस्क्यू टीमें सुरंग में वहां तक पहुंच गई हैं जहां बोरिंग मशीन काम कर रही थी। लेकिन अंदर फंसे कर्मचारियों से संपर्क नहीं सका। कीचड़ के कारण आगे बढ़ने में परेशानी आ रही है। एसडीआरएफ के अधिकारी के मुताबिक, सुरंग के अंदर जाने का कोई रास्ता नहीं है। घुटनों तक कीचड़ है। सुरंग के अंदर ऑक्सीजन भेजी जा रही है। पानी निकालने के लिए 100 हॉर्स पॉवर का पंप मंगवाया गया है। तेलंगाना में धंसी सुरंग में फंसे श्री निवास चंदौली जिले के सदर कोतवाली क्षेत्र के माटीगांव के रहने वाले हैं। श्री निवास साल 2008 से हैदराबाद मे जेपी कंपनी में जूनियर इंजीनियर पद पर कार्यरत हैं। इसके अलावा उन्नाव के रहने वाले मनोज कुमार भी इसी कंपनी में बतौर इंजीनियर काम कर रहे हैं। वे बेहटा थाना के मटकुरी गांव के रहने वाले अर्जुन प्रसाद के बेटे हैं। पंजाब के तरनतारन के रहने वाले गुरप्रीत सिंह भी टनल में फंसे हैं। उनके घर में मां, पत्नी और 2 बेटियां हैं। बड़ी बेटी की उम्र 16 और छोटी की 13 साल है।

सुरंग के अंदर भेजी जा रही ऑक्सीजन

पिता का देहांत हो चुका है। गुरप्रीत 10वीं तक पढ़ा है। 20 दिन पहले ही घर से काम पर लौटा था। परिवार के पास 2 एकड़ से कम जमीन है। इससे पहले अगस्त, 2024 में तेलंगाना में नागार्जुनसागर बांध के पास सुनकीशाला में रिटेनिंग वॉल गिर गई थी। भारत राष्ट्र समिति ने इसके लिए कांग्रेस सरकार को जिम्मेदार ठहराया था और न्यायिक जांच की मांग की थी।

सार संक्षेप

हिमाचल प्रदेश में भूकंप के तेज झटके, मंडी में कांपी धरती

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं, मंडी में धरती कांपी है। इस भूकंप की तीव्रता 3.7 मापी गई है। कुछ दिन पहले दिल्ली–एनसीआर में भी भूकंप के तेज झटके महसूस हुए थे, तब तो लोग डरकर घर से बाहर निकल गए थे।

एनसीएस ने इस भूकंप को लेकर अहम जानकारी दी है। उन्होंने बताया है कि इस भूकंप की तीव्रता 3.7 थी, यह 23 फरवरी को सुबह 8:42 मिनट पर आया था। इस भूकंप के सबसे ज्यादा झटका मंडी में महसूस किए गए और इसकी गहराई 7 किलोमीटर थी। बड़ी बात यह है कि इससे ठीक पहले रात 2:00 बजे भी बंगाल की खाड़ी में भूकंप आया था, उसकी तीव्रता 4 मापी गई थी। पिछले कुछ दिनों से लगातार ऐसे ही भारत में भूकंप के कई झटके महसूस किए गए हैं।

कैमूर सड़क हादसे में तीन श्रद्धालुओं की मौत

भभुआ। बिहार में कैमूर जिले के कुदरा थाना क्षेत्र में रविवार की सुबह सड़क दुर्घटना में तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई तथा चार अन्य घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि स्कार्पियो पर सवार लोग प्रयागराज के महाकुंभ में स्नान करने के बाद लौट रहे थे। इस दौरान चिलबिली ओवरब्रिज के समीप स्कॉर्पियो की सड़क किनारे खड़े ट्रक से टक्कर हो गई। इस घटना में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूत्रों ने बताया कि मृतकों की पहचान नहीं की जा सकी है। घायलों को भभुआ सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

देश के 15 राज्यों में बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। देश के पूर्वी राज्यों में बारिश का दौर बना हुआ है। मौसम विभाग ने 15 राज्यों में बारिश की संभावना जताई है। यह लगातार तीसरा दिन है जब 10 से ज्यादा पूर्वी राज्यों में बारिश का सिलसिला जारी है। इसके अलावा पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड के इलाकों में 30 से 60 किमी. प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं भी चल सकती हैं। जम्मू–कश्मीर में बर्फबारी के बाद पर्यटकों का आना जारी है। दो दिन हुई बर्फबारी ने डोडा, भद्रवाह, राजौरी समेत तमाम ऊंचे पहाड़ी इलाकों को व्हाइट वंडर में बदल दिया है। 24 फरवरी की रात एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होने की संभावना है। इससे जम्मू–कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश में एक बार फिर से बारिश और बर्फबारी का दौर शुरू हो सकता है।

जनरल द्विवेदी फ्रांस की यात्रा पर रवाना

नई दिल्ली। भारत–फ्रांस रक्षा सहयोग को बढ़ावा देने के प्रयासों के तहत थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी रविवार को चार दिन फ्रांस की आधिकारिक यात्रा पर रवाना हो गए।

सूचना

सुधि पाठकों के लिए देशबन्धु अखबार का ई—पेपर epaperÐdeshbandhumpÐ-com वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

बिरादरी की बात

चूहा-सुनती हो-अब अमेरिका से मतदान बढ़ाने के नाम पर आये पैसे को लेकर पक्ष-विपक्ष आमने-सामने हैं।

चुहिया- हां प्रिये- ट्रंप ने सत्ता सम्हालते ही पैंतरा दिखाया है और ठहरे हुए पानी में हिलोरें शुरू हो गयी।

Excellence in Education, Excellence in Life
A.P.N. C.B.S.E.
SENIOR SECONDARY SCHOOL
(C.B.S.E. Affiliated Reg. No. 1031302)
ADMISSION OPEN FOR SESSION 2025-26
Class Nursery to XII Science I Commerce I Humanities
Special Discount in Admission fee & School fee for the State and National Players for all the Games
राष्ट्र स्तरीय एवं प्रदेश स्तरीय सभी खेलों के खिलाड़ियों के लिये प्रवेश शुल्क एवं मासिक शुल्क में विशेष छूट
Ph.: 0761-2676360, 8349593500, 9826587200

औद्योगिक परिवर्तन की नई लहर, तकनीकी विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा

मध्य प्रदेश: भारत के औद्योगिक विकास का नया इंजन

मध्य प्रदेश एक नए औद्योगिक युग की ओर अग्रसर है। अपनी रणनीतिक भौगोलिक स्थिति, निवेश-समर्थक नीतियों और मजबूत बुनियादी ढांचे के बल पर राज्य वैश्विक औद्योगिक केंद्र के रूप में उभर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में 'मध्य प्रदेश में निवेश' की पहल के तहत बड़े पैमाने पर औद्योगिक परिवर्तन की नींव रखी गई है। क्षेत्रीय निवेश सम्मेलनों ने उद्योग दृष्टा निवेशकों और नीति-निर्माताओं को संवाद और सहयोग का मंच प्रदान कर औद्योगिक विस्तार, तकनीकी विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा दिया है।

क्षेत्रीय निवेश सम्मेलनों की सफलता

इन सम्मेलनों ने राज्य की औद्योगिक क्षमता को वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत कर निवेशकों के लिए आकर्षक संभावनाओं का द्वार खोला।

उज्जैन निवेश सम्मेलन : 12,170 करोड़ निवेश, 283 नई इकाइयाँ, 20,000+ नौकरियाँ, 2,100+ B2B मीटिंग्स, 1,00,000 करोड़ कुल निवेश प्रस्ताव।

जबलपुर निवेश सम्मेलन : 1,530 करोड़ निवेश, 67 नई इकाइयाँ, 4,560 नौकरियाँ, 700+ B2B मीटिंग्स, कुल निवेश प्रस्ताव 13,375 करोड़।

ग्वालियर निवेश सम्मेलन: 8,000 करोड़ निवेश, 47 नई इकाइयाँ, 35,000+ नौकरियाँ।

शहडोल निवेश सम्मेलन : 32,000 करोड़ निवेश, 102 नई इकाइयाँ, 31,000 नौकरियाँ, 402 हेक्टेयर औद्योगिक भूमि, 30 नई परियोजनाएँ।

रीवा निवेश सम्मेलन
4,000+ निवेशक, 2,680 करोड़ कुल निवेश प्रस्ताव।

नर्मदापुरम निवेश सम्मेलन
31,400 करोड़ निवेश, 40,000+ नौकरियाँ।

सागर निवेश सम्मेलन: 1,560 करोड़ निवेश, 5,900 नौकरियाँ।

विविध औद्योगिक क्षेत्र | मध्य प्रदेश औद्योगिक गतिविधियों के अलावा पर्यटन, टेक्सटाइल, ऑटोमोबाइल, आईटी/आईटीईएस और रक्षा व एयरोस्पेस क्षेत्रों में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में शीर्ष रैंकिंग, स्वच्छता में इंदौर की मिसाल और डिजिटल बुनियादी ढांचे की उपलब्धता इसे एक भरोसेमंद और स्थायी भागीदार बनाती है। मध्य प्रदेश निवेशकों को सिर्फ अवसर ही नहीं देता, बल्कि सफलता के लिए एक ठोस आधारशिला उपलब्ध कराता है।

मध्य प्रदेश का वैश्विक निवेश नेटवर्क

मध्य प्रदेश ने अपने रोड शो के माध्यम से दुनिया भर में अपनी उपस्थिति मजबूत की। मुंबई रोड शो से 75,000 करोड़, दुबई से 60,000 करोड़, और अन्य प्रमुख केंद्रों—कोयंबटूर, बेंगलुरु, कोलकाता व जर्मनी—से कुल 1,78,700 करोड़ का निवेश आकर्षित हुआ, जिससे 1,25,250 से अधिक नौकरियाँ बनीं। ये साझेदारियां राज्य के निवेश पोर्टफोलियो में विविधता लाने के साथ ही इसे वैश्विक औद्योगिक ताकत के रूप में स्थापित कर रही हैं।

औद्योगिक कायाकल्प: 'मध्य प्रदेशमें निवेश' पहल के तहत राज्य भारत के सबसे तेजी से उभरते औद्योगिक केंद्रों में से एक बन गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में व्यवसाय-अनुकूल नीतियों, क्षेत्रीय सम्मेलनों और वैश्विक निवेशकों की सहभागिता ने राज्य के औद्योगिक विकास को नया आयाम दिया है।

अनंत संभावनाएँ
इन्वेस्ट मध्य प्रदेश
ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट
२४ व २५ फ़रवरी २०२५, भोपाल

अंतरराष्ट्रीय निवेश के केंद्र के रूप में उभरता मध्य प्रदेश

ब्रिटेन, जर्मनी, दुबई, मुंबई और अन्य प्रमुख व्यावसायिक केंद्रों में आयोजित रोड शो में निवेशकों ने 1.78 लाख करोड़ से अधिक की प्रतिबद्धताएँ जताईं। व्यापक लॉजिस्टिक्स योजनाएँ, उद्योग-विशेष क्लस्टर, स्मार्ट सिटी परियोजनाएँ और त्वरित अनुमति प्रक्रियाएँ इसे निवेशकों के लिए आदर्श गंतव्य बना रही हैं। मध्य प्रदेश केवल निवेश आकर्षित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि समावेशी, सशक्त और सतत औद्योगिक भविष्य की नींव रख रहा है। यह औद्योगिक विस्तार और नवाचार का नया दौर है, जहाँ राज्य अपनी अर्थव्यवस्था, रोज़गार और बुनियादी ढांचे को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप विकसित कर रहा है।

निवेश के अवसरों का महाकुंभ

मध्य प्रदेश न केवल सांस्कृतिक धरोहर के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि निवेश के विश्वसनीय केंद्र के रूप में उभर रहा है। व्यापार-अनुकूल नीतियाँ, मजबूत बुनियादी ढाँचा और असीमित प्राकृतिक संसाधन इसे वैश्विक निवेशकों के लिए आकर्षक बनाते हैं। राज्य सरकार की दूरदर्शी नीतियों ने इसे व्यापार और उद्योगों के लिए एक समर्पित पारिस्थिति की तंत्र में बदल दिया है। 5 लाख किलोमीटर सड़क नेटवर्क, 6 कॉमर्शियल हवाई अड्डे और औद्योगिक गलियारे यहाँ की सुदृढ़ लॉजिस्टिक्स क्षमता दर्शाते हैं। कृषि, खनन, आईटी, ऑटोमोबाइल और फार्मास्यूटिकल जैसे विविध क्षेत्रों में निवेश के अवसर इसे भारत के सबसे आकर्षक निवेश गंतव्यों में से एक बनाते हैं। यह केवल निवेश का केंद्र नहीं, बल्कि आर्थिक समृद्धि, नवाचार और दीर्घकालिक विकास का प्रवेश द्वार है। मध्य प्रदेश की विशेष प्रोत्साहन योजनाएँ, एकल-खिड़की अनुमोदन प्रणाली और श्रम सुधार व्यापारिक सपनों को साकार करने में सहायक हैं।

यह अवसरों का कुंभ है, जहां निवेश की हर बूंद समृद्धि में बदलती है

निवेश और संसाधन

भौगोलिक स्थिति और लॉजिस्टिक्स | 308,252 वर्ग किमी, भारत का दूसरा सबसे बड़ा राज्य 5000+ किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग | 550+ दैनिक ट्रेनें 6 वाणिज्यिक हवाई अड्डे | 6 अंतर्देशीय कंटेनर डिपो (240 लाख मीट्रिक टन भंडारण)

औद्योगिक गलियारे | दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारा, चंबल प्रोग्रेस-वे, नर्मदा एक्सप्रेस-वे भोपाल-इंदौर, जबलपुर-कटनी-सतना, ग्वालियर-शिवपुरी निवेश गलियारे

औद्योगिक आधारभूत संरचना | 73,015 हेक्टेयर औद्योगिक भूमि बैंक (19,011 हेक्टेयर विकसित) 322 औद्योगिक क्षेत्र, 14 ग्रीनफील्ड औद्योगिक क्षेत्र, 7 स्मार्ट सिटी परियोजनाएँ

प्राकृतिक संसाधन और खनिज भंडार | भारत का सबसे बड़ा वन क्षेत्र (94,690 वर्ग किमी) कोयला, हीरा, तांबा, लौह अयस्क, मैंगनीज, ग्रेफाइट, भारत का अग्रणी जैविक कृषि उत्पादक (27 प्रतिशत योगदान)

विशेष औद्योगिक क्षेत्र | 6 फूड पार्क, 8 एकीकृत विकास केंद्र 4 आईटी एसईजेड, 1 परिधान पार्क, 1 बहुउद्देश्यीय एसईजेड

ऊर्जा और जल आपूर्ति
31 गीगावाट बिजली उत्पादन | 20 प्रतिशत से अधिक नवीकरणीय ऊर्जा 1000 मिलियन क्यूबिक मीटर औद्योगिक जल उपलब्ध, 900 मिलियन क्यूबिक मीटर नर्मदा जल आरक्षित

श्रम और नीतिगत सुधार
महिलाओं को सभी शिफ्टों (24x7) में काम करने की अनुमति, ओवरटाइम सीमा 75 से बढ़ाकर 125 घंटे प्रति तिमाही, 61 रजिस्टर घटाकर 1 किया गया, छोटे अपराधों का गैर अपराधीकरण

स्वच्छता और पर्यटन क्षमता | भारत का सबसे स्वच्छ राज्य, इंदौर लगातार सबसे साफ शहर, उज्जैन, भोपाल, ग्वालियर, खजुराहो, सांची प्रमुख पर्यटन स्थल

युवा उद्यमिता : नए अवसर | मध्य प्रदेश में मध्यम उद्योगों और युवा उद्यमियों के लिए अवसर, मध्य प्रदेश का औद्योगिक विकास बड़े निवेशों तक सीमित नहीं है, बल्कि छोटे और मध्यम उद्यमों (MSME) को सशक्त करने पर भी ध्यान दिया जा रहा है। सरकार ने अनुकूलित नीतियों और वित्तीय सहायता पैकेज तैयार किए हैं, जिससे स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा मिलने के साथ रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं।

MSME और औद्योगिक विकास | राज्य में 40 प्रतिशत तक औद्योगिक विकास सब्सिडी दी जा रही है, जिससे संयंत्र, मशीनरी और भवन निर्माण की लागत कम हो सके। सरकार रोजगार सृजन, निर्यात प्रोत्साहन और पर्यावरण-अनुकूल उद्योगों को वित्तीय लाभ प्रदान कर रही है। MSME औद्योगिक पार्क, हरित औद्योगिकीकरण और ऊर्जा दक्षता योजनाओं के माध्यम से उद्यमों को मजबूत आधारभूत संरचना और वित्तीय सहायता दी जा रही है।

युवा उद्यमिता और स्टार्टअप समर्थन
मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के तहत 1 लाख से 50 लाख तक के ऋण आसान शर्तों पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं, ताकि युवा नौकरी तलाशने तक सीमित न रहें, बल्कि रोजगार सृजक बनें। स्टार्टअप नीति 2022 के तहत नवाचार-संचालित उद्यमशीलता को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिसमें टैक्स और लाइसेंस शुल्क में छूट, आसान रजिस्ट्रेशन, औद्योगिक भूमि और वित्तीय अनुदान की सुविधा उपलब्ध है।

नवाचार और क्षमता निर्माण | युवाओं के लिए उद्योग-विशेष प्रशिक्षण, टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब और मेंटरशिप प्रोग्राम उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे उन्हें व्यवसाय स्थापित करने का अवसर मिलेगा। इससे न केवल युवा सशक्त होंगे, बल्कि मध्य प्रदेश का MSME और स्टार्टअप इकोसिस्टम भी नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा। यह पहल मध्य प्रदेश को केवल एक औद्योगिक केंद्र नहीं, बल्कि युवा नवाचार और मध्यम उद्योगों के विकास का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में एक मजबूत कदम है।

निवेश और समृद्धि का नया केंद्र | मध्य प्रदेश सिर्फ एक राज्य नहीं, बल्कि संभावनाओं का व्यापक परिदृश्य है। मजबूत बुनियादी ढांचे, रणनीतिक भौगोलिक स्थिति और निवेश-समर्थक नीतियों के कारण यह निवेशकों का पसंदीदा गंतव्य बन चुका है।

औद्योगिक आधारभूत संरचना
राज्य में 73,000 हेक्टेयर से अधिक का औद्योगिक भूमि बैंक, 322 औद्योगिक क्षेत्र, 14 ग्रीनफील्ड औद्योगिक क्षेत्र, मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क और स्मार्ट सिटी परियोजनाएं मौजूद हैं। दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारा, चंबल प्रोग्रेस-वे और नर्मदा एक्सप्रेस-वे इसे व्यापार और लॉजिस्टिक्स के प्रमुख केंद्रों में स्थापित करते हैं।

प्राकृतिक संसाधन और विनिर्माण | खनन और विनिर्माण में असीम अवसर उपलब्ध हैं। मध्य प्रदेश भारत में कोयला, हीरा, लौह अयस्क और मैंगनीज का एक प्रमुख उत्पादक है। कृषि और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में 8 फूड पार्क और 15 मिलियन मीट्रिक टन वेयरहाउसिंग क्षमता इसे प्रमुख खाद्य प्रसंस्करण हब बनाती है।

प्रोत्साहन, पैकेज और सब्सिडी

मेगा और बड़े उद्योगों के लिए विशेष प्रोत्साहन

- **निवेश प्रोत्साहन सहायता**: संयंत्र और मशीनरी में 40% तक पूंजी सब्सिडी।
- **रोजगार-आधारित प्रोत्साहन**: रोजगार सृजन पर 1.5 गुना पूंजी सब्सिडी।
- निर्यात-आधारित इकाइयों को 1.2 गुना पूंजी सब्सिडी।
- **हरित औद्योगीकरण सहायता**: अपशिष्ट प्रबंधन (ETP/STP) के लिए विशेष वित्तीय सहयोग।
- **बिजली दरों में छूट**: प्रति यूनिट 1 की रियायत।
- **इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट सपोर्ट**: सड़क, जल आपूर्ति और अन्य बुनियादी सुविधाओं के लिए अनुदान।

स्टार्टअप्स और युवा उद्यमियों के लिए मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना

- **औद्योगिक विकास सब्सिडी**: संयंत्र, मशीनरी और भवन निर्माण पर 40% तक प्रोत्साहन सहायता।
- MSME इकाइयों को 25 करोड़ तक अनुकूलित वित्तीय पैकेज।
- ऑनलाइन GIS आधारित औद्योगिक भूमि आवंटन प्रणाली।
- **ब्याज सब्सिडी**: नए उद्योगों को कम ब्याज दरों पर वित्त पोषण।
- **एमएसएमई क्लस्टर विकास योजना**: औद्योगिक समूहों के लिए अतिरिक्त समर्थन।

- 1 लाख से 50 लाख तक के बिजनेस लोन पर ब्याज अनुदान।
- स्टार्टअप पॉलिसी 2022 के तहत टैक्स और लाइसेंस शुल्क में छूट।
- नवाचार और तकनीकी स्टार्टअप्स के लिए विशेष फंडिंग समर्थन।
- रजिस्ट्रेशन शुल्क और अन्य प्रशासनिक प्रक्रियाओं में रियायत।

उद्योग-विशेष सब्सिडी और प्रोत्साहन योजनाएं

- **टेक्सटाइल और परिधान**: ब्याज अनुदान, रोजगार सृजन प्रोत्साहन और प्रशिक्षण सहायता।
- **फार्मास्यूटिकल**: सकल आपूर्ति मूल्य (GSV) के आधार पर एक साल की स्टॉक मियाद।
- **खाद्य प्रसंस्करण**: 50% तक अतिरिक्त पूंजी सब्सिडी और पांच साल तक मंडी कर छूट।
- आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स: डेटा सेंटर और IT पार्क के लिए विशेष कर प्रोत्साहन।
- **रक्षा और एयरोस्पेस**: विनिर्माण इकाइयों के लिए भूमि और कर में विशेष रियायतें।

मध्य प्रदेश बना औद्योगिक और आर्थिक क्रांति का केंद्र

नीतियों से सशक्त, निवेश के लिए प्रतिबद्ध

मध्य प्रदेश सिर्फ एक निवेश गंतव्य नहीं, बल्कि व्यवस्थित नीतियों, पारदर्शी प्रक्रियाओं और दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ औद्योगिक विकास का प्रमुख केंद्र बन चुका है। तकनीकी शिक्षा, औद्योगिक संवर्धन, MSME और स्टार्टअप समर्थन, स्वास्थ्य और पर्यटन उद्योग के प्रोत्साहन, तथा अक्षय ऊर्जा में निवेश जैसी योजनाएं व्यवसायों को स्थिरता, प्रतिस्पर्धात्मक लाभ और सतत विकास का आश्वासन देती हैं। 40% तक पूंजीगत सब्सिडी, विशेष टैक्स रियायतें, भूमि और बिजली दरों पर छूट, सिंगल विंडो क्लियरेंस जैसी सुविधाएं उद्योगों को लंबे समय तक लाभदायक बनाए रखने में मदद करती हैं।

स्वास्थ्य सेवा और मेडटेक

- **स्वास्थ्य निवेश प्रोत्साहन नीति** मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों, नर्सिंग संस्थानों को समर्थन।
- **पूंजीगत सब्सिडी**: 20% से 50%तक।
- **भूमि रियायतें और वित्तीय अनुदान** अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के विकास के लिए।

पर्यटन और हॉस्पिटैलिटी

- **पर्यटन नीति** – सतत पर्यटन विकास और सांस्कृतिक धरोहर को बढ़ावा।
- 100 करोड़+ निवेश वाली अल्ट्रा-मेगा परियोजनाओं को विशेष प्रोत्साहन।

अक्षय ऊर्जा

- **अक्षय ऊर्जा नीति 2022** – सौर, पवन, ग्रीन हाइड्रोजन, बैटरी एनर्जी स्टोरेज परियोजनाओं के लिए निवेश प्रोत्साहन।
- भूमि रियायतें, स्टांप ड्यूटी छूट, बिजली शुल्क माफी।

नीतियों का संक्षिप्त अवलोकन

शिक्षा और कौशल विकास

- **तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास नीति**: उद्योग-समर्थित पाठ्यक्रम, डिजिटल शिक्षा और सतत सीख को बढ़ावा।
- **1,350+ प्रशिक्षण संस्थान** वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप कौशल विकास।

औद्योगिक विकास विनिर्माण

- **औद्योगिक संवर्धन नीति** निवेश प्रोत्साहन, निर्यात लाभ, ब्याज सब्सिडी और ग्रीन इंडस्ट्रियल सपोर्ट।
- BIPA (Basic Investment Promotion Assistance) – 40 प्रतिशत तक पूंजीगत सब्सिडी (7 वर्षों में)।
- **प्राथमिकता क्षेत्र**: खाद्य प्रसंस्करण, वस्त्र, लॉजिस्टिक्स, आईटी, फार्मा।

आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स

- **आईटी, आईटीईएस और इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन एवं निर्माण (ESDM) नीति** डिजिटल इनोवेशन को बढ़ावा।
- **125 करोड़ तक का वित्तीय प्रोत्साहन** – डेटा सेंटर, ESDM यूनिट्स, टेक्नोलॉजी पार्क के लिए।
- महिला उद्यमियों के लिए विशेष सब्सिडी और अतिरिक्त अनुदान।

MSME और स्टार्टअप

- **MSME विकास नीति** – संयंत्र, मशीनरी और भवन निर्माण के लिए वित्तीय सहायता।

मध्य प्रदेश में भारत के औद्योगिक भविष्य की नई धारा

मध्य प्रदेश भारत के औद्योगिक परिदृश्य में एक नए युग की शुरुआत कर रहा है। राज्य सरकार की क्षेत्रीय निवेश सम्मेलन श्रृंखला ने यह साबित कर दिया है कि औद्योगिक विकास केवल मेट्रो शहरों तक सीमित नहीं है, बल्कि निवेश को विकेंद्रीकृत कर हर क्षेत्र तक पहुँचाया जा रहा है। उज्जैन, जबलपुर, ग्वालियर, सागर, रीवा, नर्मदापुरम और शहडोल में आयोजित सम्मेलनों से हजारों करोड़ का निवेश आकर्षित हुआ, जिससे लाखों रोजगार सृजित होने की संभावना है। इसके अलावा, मुंबई, दुबई, लंदन, जर्मनी, कोलकाता और बेंगलुरु में रोड शो के माध्यम से राज्य को एक लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले। मध्य प्रदेश में दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारा, चंबल प्रोग्रेस-वे और नर्मदा एक्सप्रेसवे जैसे प्रमुख इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स राज्य को लॉजिस्टिक्स और व्यापार का हब बना रहे हैं। राज्य में 73,000 हेक्टेयर से अधिक औद्योगिक लैन्ड बैंक, 322 औद्योगिक क्षेत्र और 14 ग्रीनफील्ड औद्योगिक क्षेत्र निवेशकों को तुरंत व्यवसाय स्थापित करने का अवसर दे रहे हैं।

यहां निवेश सिर्फ अवसर नहीं, स्थायी समृद्धि है

औद्योगिक संवर्धन नीति के तहत निवेशकों को 40% तक पूंजीगत सब्सिडी, निर्यात प्रोत्साहन, ब्याज सब्सिडी और ग्रीन इंडस्ट्रियल सपोर्ट मिल रहा है। MSME नीति के तहत छोटे और मध्यम उद्योगों को विशेष वित्तीय सहायता दी जा रही है। स्टार्टअप्स को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए 15 लाख तक की वित्तीय सहायता और महिला उद्यमियों को अतिरिक्त 20% प्रोत्साहन दिया जा रहा है। आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में डेटा सेंटर, टेक्नोलॉजी पार्क और इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग इकाइयों को 125 करोड़ तक का प्रोत्साहन दिया जा रहा है। स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों को 50% तक की पूंजीगत सब्सिडी दी जा रही है। अक्षय ऊर्जा नीति के तहत सौर, पवन और ग्रीन हाइड्रोजन परियोजनाओं के लिए टैक्स और निवेश प्रोत्साहन दिए जा रहे हैं, जिससे मध्य प्रदेश भारत का हरित ऊर्जा केंद्र बन रहा है। फरवरी 2025 में आयोजित होने वाला "ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट" मध्य प्रदेश की प्रगति को वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित करने का सबसे बड़ा मंच होगा।

D-19313/24

देश-प्रदेश

उवाच

भारतीय क्रिकेट खिलाड़ियों ने देश को गौरवान्वित किया : मुख्यमंत्री

भोपाल,देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को क्रिकेट चैम्पियंस ट्रॉफी के अंतर्गत दुबई में खेले गए मैच में भारत की पाकिस्तान पर शानदार विजय होने पर पूरी टीम और देशवासियों को हार्दिक बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रोमांचक मुकाबले में हमारे होनहार खिलाड़ियों ने पाकिस्तान को पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि बेहतरीन टीमवर्क और जबरदस्त प्रदर्शन से भारतीय खिलाड़ियों ने देश को गौरवान्वित किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने टीम इंडिया को आगे भी ऐसे ही उत्कृष्ट प्रदर्शन करते रहने के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

महिला दिवस पर मोदी की नई पहल, इंस्पायरिंग वुमेन को सौंपेंगे अपना और इंस्टा अकाउंट

नईदिल्ली,देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात कार्यक्रम को संबोधित किया. यह इस कार्यक्रम का के 119वां एपिसोड था. इस दौरान पीएम मोदी मे इस महिला दिवस पर एक नई पहल की घोषणा की. उन्होंने कहा कि इस बार महिला दिवस पर मैं एक ऐसी पहल करने जा रहा हूं, जो हमारी नारी-शक्ति को समर्पित होगी. इस विशेष अवसर पर मैं अपने सोशल मीडिया अकाउंट जैसे एक्स, इंस्टाग्राम के अकाउंट्स को देश की कुछ इंस्पायरिंग वुमेन को एक दिन के लिए सौंपने जा रहा हूं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसी महिला जिन्होंने अलग अलग क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल की हैं, इनोवेशन किया है, अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी एक अवग पहचान बनाई है. 8 मार्च को महिला दिवस के अवसर पर वो अपने कार्य और अनुभवों को देशवासियों से साथ साझा करेंगी. प्लेटफॉर्म भले ही मेरा होगा लेकिन वहां उनके अनुभव, उनकी चुनौतियां और उकी उपलब्धियों की बात होगी।

'मन की बात'

हमारी संस्कृति में बेटियों का सम्मान सर्वोपरि रहा है। देश की मातृ-शक्ति ने हमारे स्वतंत्रता संग्राम और संविधान के निर्माण में भी बड़ी भूमिका निभाई है।

इस बार महिला दिवस पर मैं एक ऐसी पहल करने जा रहा हूं, जो हमारी नारी-शक्ति को समर्पित होगी। पीएम मोदी ने आगे कहा कि अगर आप चाहती हैं कि ये अवस आपको मिले तो नमो ऐप पर बनाए गए विशेष फोरम के माध्यम से इस प्रयोग का हिस्सा बनें और मेरे एक्स और इंस्टाग्राम अकाउंट से पूरी दुनिया तक अपनी बात पहुंचाएं. हम सब मिलकर अदम नारी शक्ति को सेलिब्रेट करें, सम्मान करें, नमन करें।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले महीने देश इसरो के 100वें रॉकेट लॉन्चिंग का साक्षी बना है. यह केवल एक नंबर नहीं है, बल्कि इससे स्पेस साइंस में नित नई ऊंचाइयों को छूने के हमारे संकल्प का भी पता चलता है. इसरो की सफलताओं का दायरा काफी बड़ा रहा है. बीते 10 वर्षों में ही करीब 460 सैटेलाइट लॉन्च की गई हैं और इसमें दूसरे देशों की भी बहुत सारी सैटेलाइटस शामिल हैं. उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों की एक बड़ी बात ये भी रही है कि स्पेस साइंटिस्ट्स की हमारी टीम में नारी शक्ति की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। पीएम मोदी ने कहा कि एक और क्षेत्र है, जिसमें भारत तेजी से अपनी मजबूत पहचान बना रहा है -ये क्षेत्र है,ढ्ढ यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस. हाल ही में, मैं,ढ्ढ के एक बड़े सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए पेरिस गया था. वहां दुनिया ने इस सेक्टर में भारत की प्रगति की खूब सराहना की।

मोदी ने भोपाल में विधायकों, सांसदों और पार्टी नेताओं के साथ की लंबी बैठक, दी नसीहतें

चाल, चरित्र और चेहरे पर विशेष ध्यान देने कहा

भोपाल,देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मध्य प्रदेश के दो दिवसीय दौरे पर हैं, जहां उन्होंने सुबह बागेश्वर धाम में कैंसर अस्पताल का शिलान्यास किया और शाम को भोपाल में मंत्रियों, विधायकों, सांसदों और पार्टी के चुनिंदा पदाधिकारियों संग अहम बैठक की। करीब तीन घंटे चलई इस बैठक में पीएम ने विधायकों, सांसदों और पार्टी नेताओं के अपने चाल चरित्र पर ध्यान देने को कहा है. साथ ही पीएम ने बैठक में हुई चर्चा के बारे में बाहर कुछ भी ना बताने की हिदायत दी है।

छनकर आई खबरों के मुताबिक उन्होंने एक विधायक से पूछ लिया कि कुशाभाऊ ठाकरे कौन थे? वहीं एक सवाल यह भी किया कि किसके सोशल मीडिया पर एक करोड़ फालोअर्स हैं। कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में पीएम ने सांसदों, विधायकों और पार्टी के नेताओं को संबोधित किया है और इसके बाद सभी से वन-टु-वन बातचीत की. पीएम ने सांसदों, विधायकों और पार्टी पदाधिकारियों से फीडबैक लिया. इस बैठक में किसी भी नेता को मोबाइल-फोन ले जाने की अनुमति नहीं थी।

- वन-टू-वन बात की, फीडबैक भी लिया
- सवाल करने का मौका दिया
- एक विधायक से पूछ लिया -कुशाभाऊ ठाकरे कौन थे?
- निर्देश-बैठक की जानकारी बाहर साझा न की जाये

वरिष्ठ भाजपा नेता ने बताया कि बैठक शाम करीब छह बजे कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में शुरू हुई. उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मंच पर मुख्यमंत्री मोहन यादव, उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला और जगदीश देवड़ा तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा के साथ बैठे और वहीं से उनसे बातचीत की। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में 163 भाजपा विधायकों, 37 लोकसभा और राज्यसभा सदस्यों तथा पार्टी के कुछ शीर्ष नेताओं समेत 200 से अधिक जनप्रतिनिधि शामिल हुए। वहीं, जब बैठक खत्म होने के बाद बाहर आए बीजेपी नेताओं से बैठक के बारे में पूछा गया तो उन्होंने चर्चा के बारे में जानकारी देने से इनकार कर दिया और कहा कि बैठक पीएम ने कई अहम टिप्स दिए. हालांकि, उन्होंने बैठक के बारे में बाहर चर्चा ना करने की भी हिदायत दी। बैठक खत्म होने के बाद बाहर आए पूर्व मंत्री और विधायक युद्ध ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री ने सभी को अपने चाल चरित्र पर ध्यान देने के लिए विशेष बात कही हैं और पीएम ने सभी को जनता के बीच रहकर संवाद करने की सलाह दी है. विधायक शैलेंद्र जैन ने कहा कि हमें अंदर कहा गया है कि बाहर जा कर कुछ नहीं बताना है, हम नहीं बता सकते।

वहीं, अन्य सांसद-विधायकों ने बताया कि पीएम के द्वारा विधायकों के सांसदों के कर्तव्य बताए गए हैं. साथ ही आचरण व्यवहार पर ध्यान देने, जनता के साथ लगातार संवाद और उनके बीच रहने की बात कही हैं. पीएम ने हम लोगों से कई सवाल पूछे, उन्होंने हम भी सवाल करने का मौका दिया. जबकि एक विधायक ने बताया कि ये सामान्य चर्चा थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को भोपाल के राजभवन में रात्रि विश्राम करेंगे. सोमवार सुबह उनका भोपाल में दो दिवसीय एमपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का उद्घाटन करने का कार्यक्रम है।

मध्य प्रदेश : गरीबों के लिए वरदान साबित हो रही आयुष्मान भारत योजना, मुफ्त में हो रहा इलाज

भोपाल, देशबन्धु। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले में गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों के लिए आयुष्मान भारत योजना एक वरदान साबित हुई है। शिवपुरी जिला अस्पताल में भर्ती मरीजों का इस योजना के जरिए मुफ्त में इलाज हो रहा है। योजना से लाभान्वित हो रहे मरीज और उनके परिजनों ने शनिवार को न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए इस योजना की सराहना की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद किया।

डायलिसिस कराने वाले मरीज ने बताया कि आयुष्मान भारत योजना के तहत उसका इलाज हो रहा है, जिससे उसका जीवन काफी आसान हो गया है। शिवपुरी के कमला गंज निवासी हेमंत राठौड़ बताते हैं कि वह पिछले दो साल से डायलिसिस करवा रहे हैं। पहले इसके लिए वह ग्वालियर जाते थे और वहां जाने में काफी खर्च आता था। लेकिन, अब वह आयुष्मान भारत योजना का लाभ उठाते हुए शिवपुरी जिला अस्पताल में इलाज करा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त करते हुए हेमंत ने कहा कि मैं इस योजना के कारण ही अपना डायलिसिस करा पा रहा हूं।

वहीं, आसमा बानो ने बताया कि उनके पति को पहले प्राइवेट अस्पतालों में डायलिसिस कराना महंगा पड़ता था, लेकिन अब आयुष्मान योजना के तहत वह बिना किसी कठिनाई के सप्ताह में तीन बार डायलिसिस करा पा रहे हैं। यह योजना न केवल हमारे परिवार के लिए, बल्कि हर गरीब और जरूरतमंद के लिए एक वरदान है। प्रधानमंत्री मोदी की यह योजना सचमुच बहुत अच्छी है, इसके लिए हम उनका धन्यवाद करते हैं। आसमा की मानें तो आयुष्मान भारत योजना ने न केवल आर्थिक दृष्टि से कमजोर वर्गों को राहत दी है, बल्कि उन्हें उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं भी प्रदान की हैं, जिनका खर्च पहले वह वहन नहीं कर सकते थे। इस प्रकार की योजनाएं समाज के हर वर्ग को स्वस्थ जीवन जीने का अवसर प्रदान कर रही हैं, जिससे उनका जीवन स्तर बेहतर हो रहा है। मोदी सरकार की यह योजना सिद्ध कर रही है कि सरकारी योजनाएं न केवल समाज के कमजोर वर्ग के लिए ही फायदेमंद होती हैं। आयुष्मान भारत योजना का उद्देश्य ही यह है कि हर नागरिक की स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच हो और इसे लेकर शिवपुरी के नागरिकों की संतुष्टि इसे एक सफल पहल बना देती है।

मुख्यमंत्री देर रात पहुंचे राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, समिट की तैयारियों का लिया जायजा

भोपाल में हो रही समिट के मिलेंगे अच्छे परिणाम

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार की देर रात श्यामला हिल्स स्थित राष्ट्रीय मानव संग्रहालय पहुंचकर 24 और 25 फरवरी को हो रही ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट स्थल का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संपूर्ण परिसर का अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आयोजन स्थल के विभिन्न सभा कक्षा देखे। उन्होंने विभिन्न बैठक कक्ष, मीडिया सेंटर, दर्शकों के बैठने की व्यवस्था, मंच और अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त कर अधिकारियों से चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के महत्व पर मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा भी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संपूर्ण परिसर का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आयोजन स्थल के विभिन्न सभा कक्ष देखे। उन्होंने मुख्य कार्यक्रम के मंच, विभिन्न बैठक कक्ष, मीडिया सेंटर, निवेशकों एवं प्रतिभागियों के बैठने की व्यवस्था और अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त कर अधिकारियों को निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री

कार्यालय डॉ. राजेश राजौरा उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट विकास की नई इबारत लिखने का प्रयास है। यह ऐतिहासिक घटना होगी। देशी-विदेशी निवेशकों के लिए मध्यप्रदेश सरकार अनेक नई नीतियों को लागू कर रही है। निवेशकों को आकर्षक प्रस्ताव दिए जा रहे हैं। युवाओं को बड़ी संख्या में रोजगार मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश तेजी से आगे बढ़ने वाले प्रदेश के रूप में सामने आया है। हमारी आर्थिक प्रगति की दर ओर तेज करने के लिए इस तरह के निवेश सम्मेलन आवश्यक हैं। हमने संभाग-संभाग जाकर ऐसी समिट कीं और अब ग्लोबल स्तर पर आए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल में पूर्व में इस तरह का आयोजन नहीं हुआ। उद्योग जगत के लिए भी यह बहुत महत्वपूर्ण है। सभी निवेशकों का राजधानी में स्वागत है। प्रधानमंत्री श्री मोदी विकास के लिए दो दिन का समय दे रहे हैं, यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है। यह दो दिन की समिट बहुत अच्छे परिणाम देगी और मध्यप्रदेश नई छलांग लगाएगा। सभी प्रदेशवासियों के हित में राज्य सरकार सेवा क्षेत्र में, अधोसंरचना विकास के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है। गरीब, युवा, अन्नदाता, नारी सभी के कल्याण के लिए समान रूप से सरकार काम कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि औद्योगिक निवेश का कार्य सबसे महत्वपूर्ण है। आइए, हम सभी प्रदेश को 21वीं सदी के योग्य बनाएं।

आगामी तीन माह पड़ेगी अधिक गर्मी

विश्व मौसम संगठन की रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली,एजेंसियां। आने वाले तीन महीनों मार्च से मई 2025 के दौरान वैश्विक स्तर पर तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। खासकर अरब प्रायद्वीप, उत्तर-पूर्वी एशिया, पश्चिमी तटीय भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया में अधिक गर्मी दर्ज की जा सकती है।

विश्व मौसम संगठन (डब्ल्यूएमओ) के अनुसार, इसके साथ ही, सूखा, लू, भारी बारिश जैसी मौसमी घटनाएं बढ़ सकती हैं, जो बाढ़, बीमारियों और कीटों के हमलों को बढ़ावा देकर फसलों की पैदावार और गुणवत्ता पर असर डाल सकती हैं। पिछले तीन महीनों (नवम्बर 2024 से जनवरी 2025) के मौसम के आंकड़ों के आधार पर यह अनुमान लगाया गया है कि आगामी मौसम में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेंगे, लेकिन गर्मी सामान्य से अधिक बनी रहेगी। दुनिया के जिन इलाकों में तापमान सामान्य से अधिक रहने की आशंका है, उनमें अफ्रीका के बड़े हिस्से, मेडागास्कर, ज्यादातर एशियाई क्षेत्र, दक्षिण अमेरिका के कुछ

बढ़ सकती हैं सूखा, लू, भारी बारिश जैसी मौसमी घटनाएं

भाग, कैरिबियन, मध्य अमेरिका, उत्तरी अमेरिका के दक्षिणी और पूर्वी हिस्से, पश्चिमी प्रशांत और पूरा यूरोप शामिल हैं।

विशेष रूप से अरब प्रायद्वीप, उत्तर-पूर्वी एशिया, पश्चिमी तटीय भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया में तापमान सामान्य से कहीं अधिक हो सकता है।

अल नीनो या ला नीना का प्रभाव नहीं

मार्च से मई 2025 तक प्रशांत महासागर के कुछ हिस्सों में समुद्र की सतह का तापमान सामान्य होने की उम्मीद है, जिससे इस दौरान कोई मजबूत अल नीनो या ला नीना प्रभावी नहीं रहेगा। यह स्थिति अल नीनो-दक्षिणी दोलन (ईएनएसओ) की तटस्थ अवस्था को दर्शाती है। हालांकि, भूमध्यरेखीय अटलांटिक महासागर के उत्तरी और दक्षिणी भागों में तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। डब्ल्यूएमओ की रिपोर्ट बताती है कि नवम्बर 2024 से जनवरी 2025 के बीच ज्यादातर महासागरों में समुद्री सतह का तापमान (एसएसटी) सामान्य से अधिक था।

भारत करेगा महिला शांति सैनिकों के लिए सम्मेलन का आयोजन

नई दिल्ली। भारत 24 एवं 25 फरवरी को ग्लोबल साउथ से संयुक्त राष्ट्र के शांति अभियानों में भाग लेने वाली महिला शांति सैनिकों के लिए सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। विदेश मंत्रालय द्वारा रक्षा मंत्रालय और संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना केंद्र (सीयूएनपीके) के सहयोग से ग्लोबल साउथ की महिला शांति सैनिकों के लिए पहले सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। शांति स्थापना, प्रशिक्षण, क्षेत्रीय सहयोग और क्षेत्र में महत्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान करने में प्रौद्योगिकी की भूमिका विषय पर आधारित इस सम्मेलन का उद्घाटन सोमवार को विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) तन्मय लाल करेंगे जबकि समापन मंगलवार को रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के अभिभाषण के साथ होगा।

तमिलनाडु में रेलवे स्टेशन का हिंदी नाम मिटाया

मद्रास,एजेंसी। केंद्र सरकार और तमिलनाडु सरकार के बीच ट्राई लैंग्वेज वॉर जारी है। रविवार को कोयंबटूर के पोलाची रेलवे स्टेशन के बोर्ड पर स्टेशन के हिंदी नाम को ष्ठरूष्य कार्यकर्ताओं काले रंग से मिटाया। इससे पहले ष्ठरू एमके स्टालिन ने शनिवार को केंद्र सरकार की आलोचना की थी। उन्होंने तमिलनाडु अभिभावक-शिक्षक संघ के कार्यक्रम में कहा कि न्यू एजुकेशन पॉलिसी पर साइन करने के लिए केंद्र सरकार 2 हजार या 10 हजार करोड़ ही क्यों न दे दे, मैं साइन नहीं करूंगा।

उन्होंने कहा था कि अगर राज्य ने 2 हजार करोड़ रुपए के लिए अपने अधिकार छोड़ दिए तो तमिल समाज 2 हजार साल पीछे चला जाएगा। मुथुवेल करुणानिधि स्टालिन कभी ऐसा पाप नहीं करेगा। स्टालिन ने कहा कि द्रविड़ आंदोलन 85 साल से तमिल की रक्षा के लिए लड़ रहा है। पिछले 75 सालों में भारत में 52 भाषाएं खत्म हो गई और अकेले हिंदी पट्टी में 25 भाषाएं विलुप्त हो गई। जिन राज्यों ने हिंदी के वर्चस्व के कारण अपनी मूल भाषाएं खो दी, उन्हें अब सच्चाई का एहसास हो रहा है। स्टालिन ने कहा कि हमारी सरकार शिक्षा और स्वास्थ्य को अपनी दो आंखें मानती है।

इस साल हमने स्कूली शिक्षा विभाग को 44 हजार करोड़ रुपए और उच्च शिक्षा विभाग को 8 हजार 200 करोड़ रुपए बांटे हैं। इससे आप समझ सकते हैं कि हम शिक्षा क्षेत्र को कितना महत्व देते हैं। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में तमिलनाडु भारत में दूसरे स्थान पर है। इस उपलब्धि का कारण स्कूली शिक्षा विभाग द्वारा लागू की गई विभिन्न योजनाएं हैं। केंद्रीय वित्त विभाग द्वारा जारी इकोनोमिकल सर्वे में भी इसे मान्यता दी गई है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने अपनी रिपोर्ट में तमिलनाडु की उपलब्धियों को माना किया है।

CHANGE OF NAME

I, Army No- 15712422W Rank- L/nk Name- Kukadiya Lalitkumar Bhurabhai Unit address 11 Rapid (H) Sig Regt C/O 56 APO Home Address Vill: Lakhachokiya Po:Reshamiya Teh: Chotila Dist: Surendranagar State-Gujarat Pin- 363520. have changed my SON name VANSH to VANSH S L KUKADIYA Vide Affidavit before Notary, Jabalpur M.P.
INCORRECT NAME
VANSH
CORRECT NAME
VANSH S L KUKADIYA

CHANGE OF NAME

I, Army No- 15712422W Rank- L/nk Name- Kukadiya Lalitkumar Bhurabhai Unit address 11 Rapid (H) Sig Regt C/O 56 APO Home Address Vill: Lakhachokiya Po:Reshamiya Teh: Chotila Dist: Surendranagar State-Gujarat Pin- 363520. have changed my DAUGHTER name VANSHIKA to VANSHIKA S L KUKADIYA Vide Affidavit before Notary, Jabalpur M.P.
INCORRECT NAME
VANSHIKA
CORRECT NAME
VANSHIKA S L KUKADIYA

धीरेंद्र शास्त्री की मां से मिले पीएम मोदी ने कहा- "आपकी पर्ची मेरे पास है..."

छतरपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बागेश्वरधाम में जब मंदिर पहुंचे तो उन्होंने बागेश्वर धाम के पंडित कृष्ण धीरेंद्र शास्त्री की मां से मिलने की इच्छा जाहिर की, जिसके बाद दोनों की मुलाकात भी हुई. पीएम ने हंसी मजाक करते हुए धीरेंद्र शास्त्री की मां से कहा, आपके मन में क्या चल रहा है, उसकी पर्ची मेरे पास है।

बेटे की शादी करवाना चाहती हैं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री खुद कई मौकों पर कह चुके हैं कि उनकी मां को उनकी शादी की फिक्र रहती है। उन्होंने कहा था, मेरी मां मेरी शादी को लेकर 3 साल से परेशान हैं. सोसल मीडिया पर भी धीरेंद्र शास्त्री की शादी को लेकर बहस चलती रहती है।

दिल्ली विस के लिए 'आप' का एजेंडा तय

आतिशी होंगी नेता प्रतिपक्ष

-आप विधायक दल ने पूर्व मुख्यमंत्री को चुना
-दिल्ली विधानसभा का पहला सत्र आज से

नई दिल्ली, देशबन्धु। पूर्व मुख्यमंत्री और कालकाजी से विधायक आतिशी विधानसभा में विपक्ष की नेता होंगी। आम आदमी पार्टी की रविवार को हुई विधायक दल की बैठक में उन्हें नेता चुना गया। बैठक में अरविंद केजरीवाल के अलावा पार्टी के सभी 22 विधायक मौजूद थे। 'आप' के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष गोपाल राय ने इसकी घोषणा की।

उन्होंने कहा कि 'आप' के विधायक दल की बैठक हुई जिसमें विधायकों ने सर्वसम्मति से आतिशी को नेता प्रतिपक्ष के रूप में चुना। यह पहली बार है जब दिल्ली विधानसभा में कोई महिला विपक्ष की नेता बनी हैं। विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद आतिशी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नाते आम आदमी पार्टी भाजपा सरकार से सारे वादे पूरे करवाएगी। प्रधानमंत्री द्वारा महिलाओं को 2500 देने का वादा पूरा करवाना हमारी प्राथमिकता होगी।

विधानसभा का सत्र 27 फरवरी तक

दिल्ली विधानसभा का सत्र 24 फरवरी से शुरू हो रहा है। यह 27 फरवरी तक चलेगा। 26 को शिवरात्रि की वजह से छुट्टी रहेगी। पहले दिन प्रोटेम स्पीकर अरविंदर सिंह लवली शपथ लेंगे। उसके बाद वे विधायकों को शपथ दिलाएंगे। इसी सत्र में स्पीकर और डिप्टी स्पीकर चुना जाएगा। रोहिणी से भाजपा विधायक विजेंद्र गुप्ता का स्पीकर बनना लगभग तय है। वहीं मोहन सिंह बिष्ट को डिप्टी स्पीकर बनाया जा सकता है। विजेंद्र गुप्ता ने गत शनिवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से मुलाकात की थी। गुप्ता ने कहा था कि 25 फरवरी को विधानसभा में कैग की सभी 14 पेंडिंग रिपोर्ट पेश होंगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि आप सरकार की गलत शराब नीति से दिल्ली को 2026 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।

वहीं केजरीवाल ने आतिशी को विपक्ष का नेता चुने जाने पर बधाई दी। आतिशी ने नेता प्रतिपक्ष चुने जाने के बाद कहा कि मैं पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और सभी विधायकों का धन्यवाद करती हूं जिन्होंने मुझे नेता प्रतिपक्ष बनाया है। भाजपा ने जो भी वादे किए, विपक्ष के नाते हम उन सभी वादों को पूरा करवाने की जिम्मेदारी निभाएंगे।

कैग की रिपोर्ट में रिकॉर्ड सामने आएंगे : रेखा गुप्ता

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा था कि शपथ लेने के तुरंत बाद पहले दिन हमारी कैबिनेट बैठक हुई और हमने आयुष्मान भारत योजना को मंजूरी दी, जिसे आप ने रोक रखा था। अब हम दिल्ली की चिंता करेंगे और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में दिल्ली को उसका हक मिलेगा। रेखा ने आगे कहा कि उन्हें (विपक्ष) अपनी पार्टी संभालनी चाहिए, बहुत से लोग हैं जो जाना चाहते हैं। उन्हें चिंता है कि जब कैग की रिपोर्ट सदन में पेश होगी, तो बहुत से लोगों के रिकॉर्ड सामने आ जाएंगे।

जबलपुर, सोमवार 24 फरवरी 2025
संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

अमेरिकी अपमान पर प्रधानमंत्री की चुप्पी ठीक नहीं

जो भारतीय जनता पार्टी यूएसएड से मिले 21 मिलियन डॉलर की मदद के नाम पर कांग्रेस को फंसाने का जाल बुन रही थी, अंततः उसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी फंस गये हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यह बयान देकर मोदी को गम्भीर संकट में डाल दिया है कि 'यह राशि उनके मित्र मोदी और भारत को मिली है।' इसे लेकर जहां भाजपा के प्रवक्ताओं, उसके आईटी सेल और ट्रोल आर्मी को सांप सूंघ गया है, वहीं कांग्रेस अब हमलावर है। अब तक ट्रम्प के बयान की न तो भाजपा या केन्द्र सरकार ने पुष्टि की है और न ही खंडन, परन्तु अब गेंद सीधे मोदी के पाले में है। केवल उन्हीं की ओर से इस बाबत कोई बयान आने का महत्व होगा। ट्रम्प का यह बयान मोदी को केवल राशि मिलने तक सीमित न होकर अनेक अर्थ खोलता है। यह मामला कहां तक जायेगा, यह तो आने वाला समय ही बतायेगा, लेकिन इससे मोदी बुरी तरह से घिरते साफ दिखाई देते हैं। इसका पहला संकेत तो यही है कि ट्रम्प के आरोपों का किसी के पास कोई जवाब नहीं है।

इस मामले के कई आयाम हैं। पहला यह कि कांग्रेस एवं विपक्षी दलों के पास मोदी के विरूद्ध बहुत बड़ा मामला हाथ लग गया है। चूंकि मोदी ट्रम्प के साथ अपनी मित्रता का बार-बार दावा करते रहे हैं, इसलिये उनकी पार्टी तथा समर्थक यह आरोप भी नहीं लगा सकते कि उनके या भारत के खिलाफ कतिपय ताकतें काम कर रही हैं, जैसा कि ऐसे मामलों में अक्सर कह दिया जाता है। अमूमन इस तरह के आरोप लगने पर इसे 'विदेशी ताकतों का हाथ बताया जाता है' अथवा 'विपक्ष के इशारे पर रची जाने वाली साजिश'। अब तो उन पर दबाव है कि उन्हें खुद को पाक-साफ साबित करना है। ऐसा करने के लिये उन्हें ट्रम्प को झूठा साबित करना होगा। खुद के अलावा सभी विरोधी नेताओं को भ्रष्टाचारी करार देने वाले मोदी निरूत्तर हैं। भारत सरकार के ही वित्त मंत्रालय ने अपने रिकॉर्ड्स की छानबीन कर कह दिया है कि यूएसएड की मदद से देश में 7 परियोजनाएं तो चल रही हैं परन्तु उनमें वोटर टर्नआउट बढ़ाने को लेकर कोई भी कार्यक्रम नहीं है। इससे यह सवाल भी उठने लगा है कि क्या इस राशि को छिपाया गया है या किसी गलत तरीके से लिया गया है जिससे सीधे मोदी अथवा भाजपा को लाभ मिला है? विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इसे चिंताजनक बतलाते हुए कहा कि 'इसकी जांच हो रही है जिससे सच्चाई सामने आ जायेगी।'

इस राशि का प्रदाय 'वोटर टर्नआउट' बढ़ाने के लिये किया गया है, अतः इसे पिछले दिनों हुए विभिन्न चुनावों में मतदान का प्रतिशत बढ़ने से जोड़ा जा रहा है। उल्लेखनीय है कि अनेक राज्यों के विधानसभा तथा लोकसभा चुनाव में मतदान समाप्त होने के समय जो प्रतिशत होता था, वह अगले तीन-चार घंटों में बड़े पैमाने पर बढ़ जाता था। यह माना जाता है कि इसके कारण अनेक राज्यों में हारती हुई भाजपा को सरकार बनाने में मदद मिली थी। महाराष्ट्र में तो हिमाचल प्रदेश की आबादी के बराबर के मतदाता पांच माह की अल्प अवधि में बढ़ गये। यहां तक कि लोकसभा चुनाव में भी कहा जाता है कि भाजपा ने करीब 80 सीटें मैनेज कीं वरना वह सरकार बनाने की स्थिति में नहीं थी। तो क्या यह 21 मिलियन की राशि इस तरह से 'वोटर टर्नआउट' बढ़ाने के नाम पर खर्च की गयी जिससे भारत के कई चुनाव प्रभावित किये गये? यह प्रश्न भी उठ खड़ा हुआ है।

पिछले कुछ दिनों से मोदी व भारत के बारे में या उन्हें प्रभावित करने वाले बयानों की श्रृंखला में ट्रम्प ने बैलेट पेपर की भी बात छेड़ दी है जिसके बारे में अनुमान है कि उनका इशारा भारत की चुनाव प्रक्रिया की ओर ही है जो पिछले कुछ समय में जबर्दस्त विवादों में है। जिन चुनावों की बात ऊपर की गयी है, उनमें गड़बड़ियां और कथित हेरा-फेरी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों से ही की गयी हैं। देश में इसका जबर्दस्त विरोध हो रहा है जबकि भाजपा, केन्द्र सरकार और उसके इशारे पर केन्द्रीय निर्वाचन आयोग ईवीएम के जरिये ही चुनाव कराता है। कई विरोधी दल और सिविल सोसायटियां इसके खिलाफ़ हैं और बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग कर रही हैं। चुनाव आयोग तो इस पर विपक्ष की बात सुनने के लिये तैयार ही नहीं है, सुप्रीम कोर्ट से भी यह मांग नामंजूर हो चुकी है। दुनिया के ज्यादातर विकसित व लोकतांत्रिक रूप से परिपक्व देश बैलेट पेपर से ही चुनाव कराते हैं। अमेरिका में भी यही प्रणाली अपनाई जाती है। देश में कई लोगों ने कहा है कि ईवीएम को हैक किया जा सकता है लेकिन चुनाव आयोग का विचार इसके ठीक विपरीत है।

अब ट्रम्प ने उद्योगपति एलन मस्क को 'कम्प्यूटरों के मामले में किसी भी व्यक्ति से अधिक जानकार' बतलाते हुए उनके हवाले से कहा कि 'ईवीएम को प्रभावित किया जा सकता है इसलिये बैलेट पेपर के जरिये निर्वाचन पद्धति ही श्रेष्ठ है।' चूंकि फिलहाल इस पर विवाद सिर्फ भारत में ही चल रहा है, साफ है कि ट्रम्प का यह अप्रत्यक्ष आक्रमण मोदी पर ही है। भारत में अमेरिकी सामानों पर ऊंची शुल्क दरों को लेकर वे पहले ही कह चुके हैं कि भारत जितनी ऊंची दर लगायेगा, उनका देश भी भारत की वस्तुओं पर उतना ही टैरिफ रखेगा।

कुल मिलाकर अमेरिकी राष्ट्रपति बार-बार सार्वजनिक तौर पर भारत को अपमानित करने की चेष्टा कर रहे हैं। लेकिन नरेन्द्र मोदी की इस मामले में असाधारण चुप्पी देश को इस समय काफी खल रही है।

ट्रंप के खुलासों पर मोदी की चुप्पी क्यों ?

ट्रंप अच्छी दोस्ती निभा रहे हैं हमारे प्रधानमंत्री मोदीजी से! माय डियर फ्रेंड कह कह कर रोज नए खुलासे कर रहे हैं। अब चौथी बार 18 मिलियन डालर की बात कही।

कहां गया यह पैसा? किसके पास आया यह तो अब सवाल ही नहीं। प्रेसिडेन्ट ट्रंप ने खुद कहा कि माय डियर फ्रेंड मोदी को दिया। मगर मोदी जी ने क्या किया? क्यों लिया? राहुल को बदनाम करने के लिए? राहुल ने खुद कहा कि उन्हें बदनाम करने के लिए भाजपा ने हजारों करोड़ रुपया खर्च किया। कांग्रेस के मीडिया डिपार्टमेंट के चेयरमेन पवन खेड़ा ने कहा कि 2021 से 2024 के बीच अमेरिका से 650 मिलियन डालर (करीब 600 करोड़ रुपया) भारत आया। और राहुल ने जो बात कही कि कितना पैसा उनके खिलाफ इस्तेमाल किया गया है वह इस बीच कही थी। 2022 में। अपनी भारत जोड़ो यात्रा के आखिरी दौर में।

कांग्रेस ने मोदी सरकार से सही मांग की है कि सरकार को व्हाइट पेपर लाना चाहिए। मतलब सारे तथ्य देश के सामने रखना। यह भारत की छवि के लिए भी जरूरी है। प्रधानमंत्री पद के सम्मान और उसकी गरिमा के लिए भी। कोई चाहे वह अमेरिकी राष्ट्रपति ही क्यों न हो कैसे इस तरह की बात कर सकता है?

सवाल बहुत सारे हैं! लेकिन दो दिन से पूरी तरह चुप्पी है। पवन खेड़ा जो इस मामले में रोज नए सवाल कर रहे हैं, ने बहुत कठोर होकर कहा कि संघी पत्रकार अब क्यों नहीं बोल रहे हैं? अपनी मेहनत और निडरता से जनता के बीच लोकप्रिय नेता के तौर पर स्थापित हो गए राहुल गांधी के साहसिक सवालों का असर अब पार्टी में दिख रहा है। सब तो नहीं मगर कई नेता हिम्मत के साथ संघ की सच्चाइयां लोगों के सामने लाते हैं। राहुल पर तो संघ और भाजपा के लोगों ने देश भर में दर्जनों मुकदमे लगा रखे हैं। मगर राहुल उनसे डरने के बदले मामलों के सारे तथ्य सामने लाने की मांग कर रहे हैं। अभी पूना की एक अदालत में सावरकर की मानहानि के मामले में राहुल ने कहा कि सावरकर के मामले में पूरे तथ्य अदालत के सामने आना चाहिए। तथ्य और कानून दोनों के जटिल सवाल हैं। गहन और विस्तृत जिरह की जरूरत है। ऐतिहासिक साक्ष्य हैं। सब सामने लाना है। इसलिए मुकदमे की प्रवृति बदली जाकर इसे समन मामले के रूप में सुना जाए। सावरकर की ऐतिहासिक और अकादमिक जांच हो जाए। संक्षेप में समन मामले में राहुल यह बता सकेंगे कि उन्होंने जो कहा था वह क्यों कहा था। उसके आधार क्या थे। दस्तावेज कौन से हैं। इतिहास, तथ्य क्या कहता है। मतलब राहुल सावरकर के मामले में सारी सच्चाइयां सामने रख कर कह सकते हैं कि मैंने इस आधार पर सावरकर पर बोला था।

यह बहुत साहस का काम है। मुकदमे से डरना नहीं बल्कि उसका सामना करते हुए सारी सच्चाइयां सामने रख देना। यह मौका होगा। मुकदमा करने वाले संघ, भाजपा के लोग भी सावरकर के बारे में तथ्य रखें और राहुल कांग्रेस भी। एक बार अदालत के सामने सावरकर की सारी हकीकत कि कितनी बार उन्होंने अंग्रेजों से माफी मांगी थी। उनके लिए काम करने की इच्छा व्यक्त की थी। इसके बदले पेंशन ली। सब सामने आ जाएगा। यह भी कि जो वीर कहते हैं। वह भी सावरकर खुद ही अपने नाम के साथ लिखते थे।

शकील अख्तर

> राहुल की असली परीक्षा है यह कि वह जिस ताकत से मोदी से लड़ रहे हैं उतनी ही हिम्मत से पार्टी के अंदर के विभीषणों की पहचान करें। सिर्फ अध्यक्ष खरगे जी से कहने से काम नहीं चलेगा कि खरगे जी चाबुक चलाइए। नाम लिखकर दें। फिर देखिए खरगे जो खुद इस समय बहुत साफ-साफ पार्टी, संगठन के बारे में लगातार बोल रहे हैं वह किस तेजी से सफाई करते हैं।

तो राहुल का यह साहस अब पार्टी में दिखने लगा है। अभी कुछ साल पहले तक इसी पार्टी में यह हालत थी कि राहुल विरोधी नेता नेहरू की बात करने पर कह देते थे हम नेहरुवादी नहीं।

कांग्रेस ऐसे ही बरबाद नहीं हुई है। यूएसएड के जरिए अमेरिका से आने वाला डालर मनमोहन सिंह सरकार को अस्थिर करने के लिए भी खर्च किया गया था। कांग्रेस यह तो कहती है कि वह पैसा अन्ना हजारे, संघ, भाजपा केनेताओं, केजरीवाल को मिला।

मगर इस सवाल का जवाब उसके पास क्या है कि सरकार तो उसकी थी। पैसा आया कैसे? बंटा कैसे? उसकी सरकार और नेता क्या कर रहे थे? क्या राहुल विरोध उस समय से शुरू नहीं हो गया था? क्या कुछ राहुल विरोधी कांग्रेस के बड़े नेता भी अंदर से अन्ना हजारे के आंदोलन के समर्थक थे? इन सवालों से कांग्रेस को घबराना नहीं चाहिए। अगर नई कांग्रेस बनाना है तो उन नामों की निशानदेही करना होगी जिन्होंने कांग्रेस और यूपीए सरकार में रहकर मनमोहन सिंह सरकार को कमजोर किया।

राहुल की असली परीक्षा है यह कि वह जिस ताकत से मोदी से लड़ रहे हैं उतनी ही हिम्मत से पार्टी के अंदर के विभीषणों की पहचान करें। सिर्फ अध्यक्ष खरगे जी से कहने से काम नहीं चलेगा कि खरगे जी चाबुक चलाइए। नाम लिखकर दें। फिर देखिए खरगे जो खुद इस समय बहुत साफ-साफ पार्टी, संगठन के बारे में लगातार बोल रहे हैं वह किस तेजी से सफाई करते हैं।

यह ऐतिहासिक मौका है। इस समय भी अगर राहुल और खरगे ने ऊपर-ऊपर ही काम किया तो पार्टी इससे मजबूत नहीं होगी। दोनों काम साथ करना होंगें। पार्टी को नुकसान पहुंचाने वालों को दरवाजे के बाहर तक ले जाकर छोड़ना होगा। और मजबूत विचारधारा के मौका न पाए नेता कार्यकर्ताओं को ढूंढकर संगठन में लाना होगा। इतना पिटने के बाद भी आज कांग्रेसी गांव-गांव मोहल्ले-मोहल्ले में है। वह नहीं डरता। नेहरू-गांधी की विचारधारा से जुड़ा है। और इस गांधी-नेहरू परिवार से। यही कांग्रेस की ताकत है और कोई पार्टी होती तो अभी तक खत्म हो जाती। बड़े नेताओं ने तो कोई कसर छोड़ी नहीं। अभी भी शशि थरूर जैसे लोग जिन्हें पार्टी ने सब कुछ दिया। मनमोहन सिंह सरकार में मंत्री बनाया। जहां वे खर्च कम करने के लिए मंत्रियों को जहाज के सामान्य क्लास में बैठने की बात की ऐसी प्रतिक्रिया देते हैं कि यह सामान्य क्लास तो कैटल क्लास (ढोरों का बाड़ा) है। केरल से पार्टी जिताती है। जो केरल की राजनीति नहीं जानते उनके लिए कि वहां कोई अपनी हैसियत से नहीं जीत सकता। पार्टी का संगठन ही उस पढ़े-लिखे राज्य में महत्वपूर्ण है। मेट्रो मेन कहलाने वाले श्रीधरन वहां हार गए थे। क्योंकि जिस पार्टी से लड़े थे भाजपा से उसकी जमीन नहीं है। थरूर को पार्टी जिताती है।

तो थरूर जैसे नेता जो ज्यादा उड़ते हैं चाहे जब मोदी की तारीफ करने लगते है उनसे कांग्रेस को डरना छोड़ना पड़ेगा। अमेरिका से आए डालर पर कांग्रेस सही सवाल उठा रही है। हर बात पर मोदी का बचाव करने आ जाते मीडिया वालों के पास ट्रंप के खुलासों का कोई जवाब नहीं है। रास्ता बस एक ही कि ट्रंप से लड़ जाएं! मगर इतनी हिम्मत न मीडिया में और न मोदी में है। यह तो इन्दिरा गांधी में थी। और उस समय की स्वतंत्र प्रेस में थी। तब के राष्ट्रपति निक्सन घबरा गए थे। कुंठित होकर गालियां बड़बड़ाने लगे थे। कांग्रेस के कुछ लोग इस समय सही ट्रेक पर हैं। कहा कि जेपी आंदोलन के जरिए इन्दिरा को हटाने की साजिश इसीलिए अमेरिका ने की थी। इन्दिरा गांधी से बांग्लादेश बनाने का बदला लेने के लिए। कांग्रेस में जेपी आन्दोलन के समर्थक भी लोग हैं। लोहिया के भी जो हिन्दू महासभा की तरह अलग थलग पड़ी जनसंघ (भाजपा का पुराना नाम) को मुख्यधारा में लाए। केवल अपने अंध नेहरू विरोध के कारण।

डालर का मामला और ऐसे कई मामले अभी आते रहेंगे। कांग्रेस अगर मजबूत है तो जनता में इनका असर होगा। मैसेज जाएगा। नरेटिव (कहानी) बदलेगा।

कांग्रेस को दोनों मोर्चों पर साथ लड़ना होगा। मोदी वाले पर तो राहुल खरगे और कुछ दूसरे कांग्रेसी मजबूती से डटे हुए हैं। अंदर वाले पर कमजोरी है। अंदर के विभीषणों को कोई बाहर नहीं कर पा रहा है। वह बहुत जरूरी है। राहुल-खरगे की असली परीक्षा वही है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

दिल्ली में भाजपा सरकार के सामने हैं अनेक मुश्किल काम

■ डॉ. ज्ञान पाठक

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में अब भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार सत्ता में है, जिसके सामने अनेक चुनौतियां हैं। चुनाव अभियान के दौरान भाजपा ने बहुत से चुनावी वायदे दे रखे हैं जिन्हें पूरा करना एक बहुत ही कठिन कार्य है, और विपक्ष बहुत ही सतर्क और मजबूत है। यह बात मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली सरकार, जिसने 20 फरवरी को आधिकारिक रूप से कार्यभार संभाला, के पहले कैबिनेट फैसले और उस पर विपक्षी आप नेता और पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी की प्रतिक्रिया से ही स्पष्ट हो गयी।

अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि उनके मंत्रिमंडल ने अपनी पहली बैठक में आयुष्मान भारत योजना को लागू करने और पहली दिल्ली विधानसभा में नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी) की 14 लंबित रिपोर्टों को पेश करने का फैसला किया है। चुनाव प्रचार में महिलाओं को 2500 रुपये प्रतिमाह देने के वायदे के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि इस पर कैबिनेट बैठक में चर्चा हुई थी, लेकिन पाया गया कि लाभ पाने के लिए महिलाओं की श्रेणी तय करने के लिए और अधिक चर्चा की आवश्यकता है।

चुनाव प्रचार के दौरान मतदाताओं से बहुत सारे वायदे करके भाजपा सत्ता में आई है, जिनमें से सबसे प्रमुख वायदा दिल्ली की हर महिला को 2500 रुपये देने का था। दिये गये वायदों को पूरा करना मुश्किल ही नहीं, बल्कि बहुत ही मुश्किल है, जैसा कि सरकार के पहले कैबिनेट फैसले में झलकता है।

> 'विकसित दिल्ली' के मिशन का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पहले ही कहा था, 'हम इस दिशा में काम करते रहेंगे। हम एक दिन भी इंतजार नहीं करेंगे। और हम अपने हर वादे को पूरा करेंगे।' इससे पता चलता है कि दिल्ली की भाजपा सरकार को आने वाले महीनों में विधानसभा और उसके बाहर सार्वजनिक राजनीतिक क्षेत्र में आप के मजबूत विपक्ष का सामना करना पड़ेगा।

आप नेता और पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने सीएम रेखा गुप्ता की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद भाजपा के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार पर 'वायदा तोड़ने' का आरोप लगाया, जो आप नेतृत्व की सतर्कता को दर्शाता है। यह ध्यान देने योग्य है कि आप दिल्ली चुनाव में भाजपा से केवल 1.99 प्रतिशत वोटों के अंतर से हारी थी, और इसलिए आप एक निराश पार्टी नहीं बन पाई है। हार ने उन्हें राजनीतिक रूप से अति सक्रिय बना दिया है, जो कैबिनेट के फैसले के तुरंत बाद आतिशी की त्वरित टिप्पणी में झलकता है। भाजपा ने दिल्ली के लोगों को 'धोखा' देने का मन बना लिया है, आतिशी ने आरोप लगाया।

याद रहे कि हार के बाद आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने कहा था, 'हम विनम्रता के साथ जनादेश स्वीकार करते हैं...और उम्मीद करते हैं कि भाजपा दिल्ली के लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरेगी।' उन्होंने कहा कि आप एक रचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभायेगी और दिल्ली के लोगों के लिए उपलब्ध रहेगी। केजरीवाल ने अपने विधायकों से अपने निर्वाचन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने और भाजपा को उनके चुनावी वायदों के लिए जवाबदेह बनाने को कहा है, जैसे कि 8 मार्च तक दिल्ली में महिलाओं को 2500 रुपये देना, मुफ्त बिजली जारी रखना, गुणवत्तापूर्ण सरकारी स्कूल बनाये रखना और मोहल्ला क्लीनिक और सरकारी अस्पतालों में मुफ्त इलाज। पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने भी कहा है कि आप सुनिश्चित करेगी कि भाजपा इन प्रतिबद्धताओं को पूरा करे और आप शासन के दौरान पिछले 10 वर्षों में किये गये कार्यों को जारी रखे। नयी भाजपा सरकार की पहली कैबिनेट समिति की बैठक के नतीजों पर आतिशी के तीखे हमले को इसी पृष्ठभूमि में देखा जाना चाहिए।

शुक्रवार को सीएम रेखा गुप्ता ने भी आरोपों का जवाब देते हुए कहा, 'कांग्रेस ने 15 साल और आप ने 13 साल राज किया। उन्होंने जो किया, उसे देखने के बजाय वे हमारे एक दिन पर सवाल कैसे उठा सकते हैं?... हमने शपथ लेने के तुरंत बाद पहले दिन कैबिनेट मीटिंग की और हमने आयुष्मान भारत योजना को मंजूरी दी, जिसे आप ने रोक रखा था। हमने पहले दिन दिल्ली के लोगों को 10 लाख रुपये का लाभ दिया।' देश में केवल दो राज्य थे जिन्होंने पीएम-एबीवाई (आयुष्मान भारत योजना) को लागू करने से इनकार कर दिया था और उनमें से एक आप के नेतृत्व वाली दिल्ली थी, इस आधार पर कि दिल्ली 1 करोड़ रुपये की चिकित्सा सुविधा दे रही थी, जबकि पीएम-एबीवाई केवल 5 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा दे रही थी। आयुष्मान भारत को मंजूरी देने वाली दिल्ली कैबिनेट के दो घटक होंगे - 5 लाख रुपये केंद्र द्वारा और 5 लाख रुपये दिल्ली द्वारा, यानी कुल 10 लाख रुपये। दिल्ली विधानसभा के पहले सत्र में सीएजी रिपोर्ट पेश किये जाने के मामले में सीएम रेखा गुप्ता ने आप पर हमला करते हुए कहा कि 'उन्हें चिंता है कि जब सीएजी रिपोर्ट सदन में पेश की जायेगी, तो बहुत से लोगों के रिकॉर्ड उजागर हो जाएंगे।'

'विकसित दिल्ली' के मिशन का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पहले ही कहा था, 'हम इस दिशा में काम करते रहेंगे। हम एक दिन भी इंतजार नहीं करेंगे। और हम अपने हर वादे को पूरा करेंगे।' इससे पता चलता है कि दिल्ली की भाजपा सरकार को आने वाले महीनों में विधानसभा और उसके बाहर सार्वजनिक राजनीतिक क्षेत्र में आप के मजबूत विपक्ष का सामना करना पड़ेगा।

भाजपा नेतृत्व के पास आगे बहुत व्यस्त समय होगा। फिर भी, भाजपा के पास कुछ ऐसे फायदे हैं जो आप सरकार के पास नहीं थे। उदाहरण के लिए, दिल्ली सरकार के अधिकारी आप के मंत्रियों की भी नहीं सुनते थे, क्योंकि वे सीधे उपराज्यपाल के अधीन थे, अप्रत्यक्ष रूप से भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के अधीन। इसके कारण आप के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार का कामकाज बाधित हो रहा था। बदले हुए परिदृश्य में, जब दिल्ली और केंद्र दोनों जगह भाजपा की सरकार है, उपराज्यपाल और उच्च सरकारी अधिकारी बहुत सक्रिय हो गये हैं, और अब दिल्ली के लिए काम कर रहे हैं, जबकि पहले वे आप सरकार के सामने बाधाएं खड़ी कर रहे थे।

सरकार और उनकी योजनाओं के बारे में भी यही कहा जा सकता है। उदाहरण के लिए, दिल्ली में भाजपा सरकार के आने से पहले ही उपराज्यपाल ने यमुना की सफाई का काम शुरू कर दिया है। वही उपराज्यपाल आप सरकार के खिलाफ़ एक विपक्षी पार्टी की तरह काम कर रहे थे - न केवल यमुना की सफाई के मुद्दे पर बल्कि यमुना से पीने योग्य पानी के मुद्दे पर भी, जो दिल्ली में चुनाव प्रचार के दौरान प्रमुख राजनीतिक मुद्दे बन गये थे।

इसका एक और उदाहरण दिल्ली के अधिकारियों की मुस्तैदी है, जो पहले भी आप सरकार और उसके मंत्रियों के सामने अवरोध पैदा करते रहे थे। भाजपा के शपथ लेने से दस दिन पहले ही दिल्ली के मुख्य सचिव ने 10 फरवरी को सभी विभागों से भाजपा के घोषणापत्र के आधार पर जहाँ भी ज़रूरत हो, वहाँ कैबिनेट नोट का मसौदा तैयार करने को कहा है। उन्होंने सभी विभागों से च्च100 दिन की कार्ययोजनाज्ज तैयार करने को भी कहा है।

इन लाभों के बावजूद, भाजपा के लिए आगे का समय कठिन होगा क्योंकि पार्टी के पास अपने करीबी राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी आप को दबाये रखने के लिए बहुत सारे वायदे पूरे करने हैं, बहुत सारे विकास कार्य करने हैं और सामाजिक कल्याण योजनाओं को लागू करना है। दूसरी ओर, आप ने भाजपा सरकार के पहले दिन ही दिखा दिया है कि वे भाजपा सरकार को उसके वायदों और शासन के प्रति जवाबदेह बनाने के लिए बहुत सक्रिय होंगे।

आपके पत्र

योजनाबद्ध कार्य किया जाना जरूरी

दिल्ली की नई मुख्यमंत्री रेखा जी के जमुना तट पर आरती करने के बाद लोगों में नई उम्मीदें जगी हैं। लोगों को उम्मीद है कि अब दिल्ली के दुर्दिन खत्म होंगे और यमुना साफ होगी। इसके अलावा, शहर की अन्य समस्याओं का भी समाधान होगा।

इसके लिए रणनीतियों की आवश्यकता है। इसमें मजबूत बुनियादी ढांचे में निवेश करना, टिकाऊ शहरी योजना को लागू करना, सार्वजनिक परिवहन, अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों को बढ़ाना और सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देना शामिल है। इसके अतिरिक्त, स्मार्ट सिटी पहल के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने से कुशल संसाधान प्रबंधन और जीवन की गुणवत्ता में सुधार में योगदान मिल सकता है। वर्तमान सरकार में इसमें बदलाव की उम्मीद है। अब शहरी निवासियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए योजनाबद्ध कार्य किया जाना जरूरी है। दिल्ली की तरह ही, देश के लगभग सभी बड़े और मध्यम शहर कई समस्याओं से ग्रस्त हैं। कहीं सड़कें खराब हैं, तो कहीं अतिक्रमण व्याप्त है। इन समस्याओं का समाधान करने के लिए, केंद्र सरकार को राज्यों और स्थानीय निकायों के साथ मिलकर एक कार्यबद्ध योजना तैयार करनी चाहिए। इस योजना में सड़कों के निर्माण और मरम्मत, अतिक्रमण को हटाने और शहर की अन्य समस्याओं का समाधान करने के लिए कदम उठाने चाहिए। इसके अलावा शहर के विकास के लिए एक दूरदर्शी योजना बनानी चाहिए जिसमें शहर की जरूरतों को ध्यान में रखा जाए। शहरों में जलजमाव की समस्या भी एक बड़ा मुद्दा है। इस समस्या का समाधान करने के लिए, हमें वर्षा जल संचयन और सीवर लाइनों के निर्माण पर ध्यान देना होगा. शहरों के विकास के लिए हमें एक दूरदर्शी योजना बनानी होगी जिसमें शहर की जरूरतों को ध्यान में रखा जाए। इसके अलावा, हमें सड़कों की स्थिति, जलजमाव की समस्या, और शहर की अन्य समस्याओं का समाधान करने के लिए कदम उठाने होंगे।

सुभाष बुडावन वाला
रतलाम, मप्र

ललित सुरजन की कलम से

एक हाथ से ताली नहीं बजती

'किसी भी देश के विकास में उद्योगों का अपना महत्व है। उनके बिना आर्थिक तरक्की की कल्पना नहीं की जा सकती, लेकिन हर देश में कुछ नियम कानून भी होते हैं, जिनका पालन अनिवार्य रूप से करना होता है। अमेरिका में एनरॉन कंपनी ने कानून तोड़े तो कंपनी तो बंद हुई ही, उसके प्रवर्तकों को जेल भी जाना पड़ा। अमेरिका के अलावा अन्य पूंजीवादी देशों में भी कानून तोड़ने वाले उद्योगों के खिलाफ यथासमय कार्रवाई होती है, फिर भारत को ही इसका अपवाद क्यों बनाया जाए? हम तो समझते हैं कि फिक्की, एसोचेम, सीआईआई जैसे व्यापारिक संघों की यह जिम्मेदारी बनती है कि वे अपने सदस्य प्रतिष्ठानों को देश के कानूनों का पालन करने प्रेरित करें और वे अगर कानून तोड़ें तो उनकी सदस्यता खत्म कर दें। हम यह न भूलें कि सरकार जब नियम और नीतियां बनाती हैं तो बहुत कुछ तो उद्योग-जगत से पूछकर ही तय किया जाता है।'' आज जब कारपोरेट भारत कुमार मंगलम बिड़ला पर संभावित कार्रवाई को लेकर इतना चिंतित है तब उसे यह भी याद रखना चाहिए कि अपने चैनलों और अखबारों के माध्यम से उसने कांग्रेस व यूपीए नेताओं पर राजनैतिक ही नहीं, व्यक्तिगत तौर पर भी कितने बेबुनियाद आरोप लगाए हैं और राजनेताओं की छवि धूमिल करने का उपक्रम किया है। प्रधानमंत्री ने तो बिड़ला प्रकरण में अपने ऊपर जिम्मेदारी ले ली है और एक तरह से श्री बिड़ला को आरोप से बरी कर दिया है। क्या कारपोरेट इंडिया में यह साहस है कि वह प्रधानमंत्री से कहे कि आपके ऊपर हमने जो निराधार आरोप लगाए वे हम वापिस लेते हैं?'

(देशबन्धु में 24 अक्टूबर 2013 को प्रकाशित)

गुरवाणी विचार

ऐसी बुद्धि करो मेरे साई सदा सदा तुध धिआई

जिनी ऐसा हरि नाम न चेतियो सो काहे जग आये राम राजे।
ऐह मानस जनम दुर्लभ है- नाम बिना बिरथा सब जाए।
हुनि वतै हरि नाम न बीजियो-अंगै भुखा किआ खाये मनमुखा नूं फिर जनम है- नानक हरि भाये।

आसा दीवार की शब्द की इन पंक्तियों द्वारा चौथे नानक गुरु रामदास जी मानव मन को समझाइश देते हुए फरमा रहे हैं कि हमें यह मानव जीवन हमारे पूर्व जन्म के किसी अच्छे कर्म के कारण प्राप्त हुआ है अतएव हमें इस मानव जीवन को व्यर्थ में ही सांसारिक विषय विकारों में फंस कर ही नहीं बिता देना है बल्कि इस मानव देही पाने का भरपूर लाभ उठाते हुए प्रभु में मन लगाकर पूर्ण रूप से उपयोगर करना है ताकि हमें फिर चौरासी लाख योनियों में पड़ने से छुटकारा मिल सके। हर वक्त सुखों की प्राप्ति होती रहेगी बल्कि परलोक में भी प्रभु की साची दरगाह में स्थान मिल सकेगा। जहां हर वक्त हमें परमानंद की प्राप्ति होती रहेगी। इसलिए गुरबाणी में हर जगह इसी बात की समझाइश दे रहे हैं-

हलति सुख पलति सुख सिमरनो सदा नाम हरि का लीजै।।

इस वाणी के आरंभ की पंक्तियों में हमें समझाइश दी गई है कि अगर हमने मानव जीवन पाकर भी प्रभु सिमरन बंदगी में मन नहीं लगाया तो फिर हमारा इस संसार में आना मानव जीवन पाना ही व्यर्थ है। ऐसे मानव को तो संसार में आना ही नहीं चाहिए। जो मानव जीवन पाकर भी प्रभु बंदगी में मन नहीं रमाता। फिर आप समझा रहे हैं कि समय रहते किसान अगर खेत में बीज नहीं बोता तो फिर वह फसल पाने की उम्मीद कैसे कर सकता है। बीज समय पर न बोने पर उसे कुछ भी मिलने वाला नहीं है। बबूल का पेड़ लगाकर आम की उम्मीद करेगा तो उसे आम खाने नहीं मिलेगा। सांसारिक मोह माया में मैं मेरी के चक्कर में पड़ा रहे तो फिर उसे प्रभु के सांचे दरबार में जगह नहीं मिलेगी। इसलिए समय रहते प्रभु बंदगी में मन लगाया तो मुक्ति मिलेगी। नहीं तो पीछे पछताने से क्या फायदा जब चिड़िया चुग गई खेत। इसलिए सच्चे सुख की प्राप्ति होते रहे रहे इसके लिए प्रभु बंदगी में अपना मन लगाए रखना है। हाथ पांव से काम कर चित्त निरंजन नाल। अपना और अपने परिवार का उदर पोषण करते हुए मन सदा निरंकार की ओर लगे रहना चाहिए। परंतु यह तभी संभव है जब प्रभु परमात्मा की हम पर नजरें इनायत होने पर ही हम पर पभु की दृष्टि हो जाए। हमें धर्मराज की कचहरी में यमदूतों की मार से भी छुटकारा मिल सकता है अतएव हम हर वक्त प्रभु परामत्मा से प्रार्थना करते रहेंगे।

तुम करो दया मेरे साईं ऐसी बुद्धि करो
प्रगासा सदा सदा तुध धिआई।।

अतएव हमें मानव देही पाने का भरपूर लाभ उठाना चाहिए। प्रभु बंदगी में हमेशा मन लगाए रखना है तभी प्रभु के दरबार में उजले मुख से जा पाएंगे।

-इंदर सिंहआहुजा

'जबलपुर नगर निगम बना, जनता के पैसों की प्रयोगशाला'

जबलपुर, देशबन्धु। शहर की जनता के पैसों की होली, निगम के अधिकारी और चुने हुए जनप्रतिधि मिलकर आए दिन खेल रहे हैं, बात सफाई के नाम पर प्लास्टिक डस्टबिन रखने कीद्य हो, या प्लास्टिक के स्पीड ब्रेकर लगाने की हो, और फागिंग मशीन का खेल तो जगजाहिर है, फागिंग मशीन के छिड़काव के बाद भी ना तो डेंगू मलेरिया के मरीजों की संख्या मे कमी आई, और ना ही अन्य मच्छर जनित रोगों मे , यही हाल फुटपाथ के पेवर ब्लॉक बदलने का है। अच्छे खासे पेवर ब्लॉक आए दिन बदल दिए जाते हैं।

शास्त्री ब्रिज के पास बनाए गए फुट ओवर ब्रिज को महज़ दो साल मे खुद नगरनिगम ने तुड़वा दिया, दलील ये दी गई कि असमाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता था , और विडंबना देखिए कि इसके बाद हैक्सी साइकिल किराए से शहर मे जगह जगह रख दीं गई, इसका भी नतीज़ा ढाक के तीन पात महज़ दो साल मे ये प्रोजेक्ट भी बंद हो गया।

कितनी ही सायकिल चोरी हो गई , क्या बंदरबांट हुई कुछ पता नहीं। और जबलपुर रानीताल के वेलोड्रम की कहानी तो सब जानते ही हैं,एक समय जबलपुर का वेलोड्रम प्रदेश का सबसे बड़ा वेलोड्रम था, दावा तो ये तक किया जा रहा था, कि ये प्रदेश ही नहीं देश का दूसरा सबसे बड़ा वेलोड्रम है, और उस समय इसकी लागत लगभग ढाई करोड़ आई थी, और विडंबना देखिए कि इस वेलोड्रम मे आज तक कोई टूर्नामेंट आयोजित ही नहीं हुए, मेंटेनेस ना होने के कारण इसमें दरारें आ गईं हैं , और क्षतिग्रस्त होने के कारण अब उपयोग मे नहीं है।

नगर निगम कुछ समय अंतराल मे इस तरह के प्रोजेक्ट जिसमे जनता के पैसों की बंदरबांट हो , क्यों करता रहता है ,इस तरह के प्रयोग जिसमे जनता की गाढ़ी कमाई स्वाहा हो रही है। बजाए इसके नगर निगम अपने हॉस्पिटल (जो नगर निगम द्वारा संचालित है) जिनमे पूरा स्टाफ भी नही है, और दवाएं भी लगभग नदारद ही रहती हैं , और स्कूल जो कि जर्जर हो चुके हैं।ऐसे में नगर निगम अपने स्कूलों और हॉस्पिटल को अपग्रेड क्यों नहीं करता । जिससे जनता को सीधे सीधे फ़ायदा मिलता है। और ये नगर निगम की प्राथमिक ज़िम्मेदारी भी है,।

नगर निगम द्वारा संचालित अस्पताल बेहतर तरीके से काम करें, इसके लिए इन हॉस्पिटल मे मेयर और चुने हुए जनप्रतिनिधियों को समय समय पर बी पी, आदि की जांच कराने हेतु जाना चाहिए, जिससे उनको वहां की कमियां मालूम हो, तथा जनसामान्य का भी उन पर भरोसा मजबूत हो। इसका एक फ़ायदा ये होगा कि बड़े अस्पतालों पर दबाव तो कम होगा ही, साथ ही जनसामान्य को छोटी छोटी बीमारियों का इलाज घर के पास ही मिल सकेगा , नगर निगम कुछ पुख्ता जनउपयोगी कार्य करे, और जनता के पैसों को प्रयोगशाला बनाना बंद करें।

60 फीट चौड़ी सड़क पर भी चलने के लिए जगह नहीं

सड़कों पर बेतरतीब रखे वाहनों से ट्रेफिक व्यवस्था बिगड़ी

जबलपुर, देशबन्धु। महानगर की तर्ज पर विकसित होते जबलपुर शहर में वर्तमान की सबसे बड़ी समस्या सड़क के फुटपाथों पर अवैध कब्जे हैं। इस समस्या को और भी अधिक बढ़ाने में फुटपाथों और सड़कों पर बेतरतीब ढग से रखे जाने वाले दोपहिया और चौपहिया वाहन बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। बड़ी आश्चर्यजनक बात ये है कि दिन में जिन सड़कों पर यातायात के लिए बमुश्किल 10 फीट की जगह बचती है। रात गहराने के बाद उसकी चौड़ाई 60 से लेकर 80 फीट तक हो जाती है।

जबलपुर शहर के ट्रेफिक को अस्त-व्यस्त करने में जहां निगम के भ्रष्ट कारिंदों की बड़ी भूमिका है वहीं बाजारों में दुकानों के बाहर सड़क पर आगे बढ़ाकर अपने माल की नुमाईश करने वाले दुकानदार भी इसके लिए कम जिम्मेदार नहीं हैं। इस कारण शहर में यातायात व्यवस्था में पिछले लंबे समय से कोई सुधार नहीं हो पा रहा है। त्यौहारों अथवा धार्मिक आयोजनों के समय सड़क पर पैदल चलना भी दूभर हो जाता है।

सड़कों पर फैले रहते हैं वाहन- शहर की सड़कों पर दिन में लाखों वाहन रखे होते हैं, जिससे ये अनेक सड़कों पर कार, मोटरसाईकिल सहित अन्य वाहन फैलाकर रख दिए जाते हैं। जिससे आम राहगीरों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

रात 10 बजे तक लगा रहता है जाम- शहर के कुछ क्षेत्रों की सड़कों पर दिन में 12 बजे से लेकर रात में 10 बजे तक लगातार जाम के हालात बने रहते हैं। इनमें गंजीपुरा, लार्डगंज, घमंडीचौक, अंधेरदेव, बड़ी ओमती, गुरंदी, गलगला, मुकादमगंज, बड़ा फुहारा, कमानिया, सराफाचौक, कोतवाली थाना के सामने, दमोहनाका चौक, गढ़ाफाटक आदि क्षेत्र की सड़कें प्रमुख रूप से शामिल हैं।

फुटपाथ से लेकर बीच सड़क तक रेहड़ी और दुकानदारों का कब्जा

सड़कों पर अतिक्रमण कर होता है लाखों का धंधा- जबलपुर शहर अभी कस्बाई मानसिकता से उबर नहीं पाया है, लोगों को जहां थोड़ा भी मौका मिला नहीं कि सड़क किनारे दुकान रखकर धंधा शुरू कर देते हैं। इससे आने-जाने वालों को यदि परेशानी होती है तो उनकी बला से,एक अनुमान के अनुसार शहर की प्रमुख सड़कों पर रोज सुबह से लेकर रात 10 बजे तक लाखों का धंधा किया जाता है।

होती है दिखावे की कार्यवाही- नगर निगम के अन्याक्रांति विभाग द्वारा यदा-कदा दिखावे की कार्यवाही कर अपने कर्त्तव्य की इतिश्री कर ली जाती है। अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही के दौरान देखा जाता है कि जहां के अतिक्रमण हटाए जाते हैं वहां चंद घंटों के बाद ही फिर से अतिक्रमण जम जाते हैं। इस कारण समस्या जस की तस बनी रहती है, जरुरत है लगातार फालोअप करने की जो कि किया ही नहीं जाता है।

प्राथमिक शिक्षक घनश्याम ठाकुर हुए निलंबित

जबलपुर, देशबन्धु। जिला शिक्षा अधिकारी घनश्युाम सोनी ने विकासखंड शहपुरा शासकीय प्राथमिक शाला ब्रम्हकुंड के प्राथमिक शिक्षक घनश्याम ठाकुर को पाक्सो एक्ट विभिन्नस धाराओं में गिरफ्तार होने पर निलंबित कर दिया है। ज्ञात हो कि उक्तम शिक्षक के विरुद्ध थाना बेलखेड़ा मे अपराध क्र. 49/2025 दर्ज होने के कारण से म.प्र. सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 9 के अंतर्गत उन्हें गिरफ्तार होने के 22 फरवरी से नियमानुसार निलंबित किया गया है।

10 एवं 11 मार्च को आयोजित होगा संभागीय मिलेट्स फैस्टीवल सह कृषि मेला

जबलपुर, देशबन्धु। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग एवं जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर के संयुक्त आयोजन में 10 एवं 11 मार्च को संभागीय मिलेट्स फैस्टीवल सह कृषि मेला-2025 का आयोजन खेल परिसर जेएनकेव्हीहव्ही में किया जा रहा है।

संयुक्तक संचालक कृषि श्री कुमार नेताम ने बताया कि उक्तम मेला में लघु धान्य फसलों के क्षेत्र विस्तार, विपणन, प्रसंस्करण, आधारभूत संरचनाओं को मजबूत करने और विक्रेता, क्रेता को सीधा संपर्क में लाने का प्रयास किया जायेगा। दो दिवसीय मेले में प्रतिदिन लगभग 5 हजार कृषक भाग लेने की संभावना है एवं शासकीय, अर्धशासकीय, निजी, एफ.पी.ओ., एन.जी. ओ., बीज समितियों के उत्पाद आदि के लगभग 300 स्टाल लगाये जायेंगे। संभाग के सभी जिलों के कृषि विज्ञान केन्द्र, एक जिला एक उत्पाद, लघु धान्य फसलों के मूल्य संवर्धित उत्पाद, कृषि यंत्रों का प्रदर्शन, सभी कृषि संबंधित जैसे- उर्वरक, बीज एवं कीटनाशक कंपनियों के स्टाल, प्राकृतिक खेती, जैविक खेती के मॉडल, सभी बीज समितियां, एफ.पी.ओ., एग्री बिजनेस स्टार्टअप के स्टाल, एग्रो फारेस्ट्री एवं औषधि पौधों का प्रदर्शन एवं विक्रय के साथ कृषि संबंधी वैज्ञानिक परिचर्चा भी होगी। मेले में विभिन्न जिलों से आए कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का रंगारंग प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मेले में मिलेट्स से निर्मित विभिन्न स्वादिष्ट एवं पौष्टिक व्यंजनों के स्वाद का लुफ्त उठाने को मिलेगा।

भारतीय किसान संघ की अखिल भारतीय कार्यकारिणी घोषित

जबलपुर, देशबन्धु। भारतीय किसान संघ के तीन दिवसीय 14वें अखिल भारतीय अधिवेशन के दूसरे दिन भारतीय किसान संघ के अखिल भारतीय अध्यक्ष व महामंत्री का निर्वाचन किया गया। देश भर से आये प्रतिनिधियों ने निर्वाचन अधिकारी अखिल भारतीय संगठन मंत्री दिनेश कुलकर्णी की उपस्थिति में के. साई रेड्डी तेलंगाना को अखिल भारतीय अध्यक्ष व उड़ीसा के मोहिनी मोहन मिश्रा को अखिल भारतीय महामंत्री घोषित किया गया। अध्यक्ष व महामंत्री द्वारा घोषित कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष टी पेरूमल, राम भरोस वासोतिया, विशाल चंद्राकर, सुशीला विशनोई को चुना गया। अखिल भारतीय मंत्री बाबू भाई पटेल, डॉ सोमदेव शर्मा, भानु थापा, वीणा सतीश कोषाध्यक्ष युगलकिशोर मिश्र, संगठन मंत्री दिनेश कुलकर्णी, सह संगठन मंत्री गजेंद्र सिंह, जैविक प्रमुख नाना आखरे, महिला संयोजिका मंजू दीक्षित, कार्यालय प्रमुख चंद्रशेखर जी, अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख राघवेंद्र सिंह पटैल को घोषित किया गया।

कार्यकारिणी सदस्य के रूप में बद्रीनारायण चौधरी, आई एन बसवेगौड़ा, हुकुमचंद पाटीदार, धर्मपाल सिंह ठाकुर, ई नारायण कुट्टी, रतन लाल डागा, प्रमोद चौधरी, कुमार स्वामी, मणिलाल लबाना, भगतराम पटियाल, भवन विक्रम डबराल, कुरूसार तिमुंग, इंदूभूषण जी, हरपाल सिंह डागर, डॉ मकरंद करकरे, सर्वजीत सिंह, कैलाश गिंदौलिया, पूरनचंद, प्रशांत खाखा, केदार मिश्र, कल्याण कुमार मंडल, श्रीधर रेड्डी, सुरेश चंद्रवंशी, दादा लाड, तकाली तामुल, कपिला मुठे, चंद्रकला चौहान, चंद्रकात गौर, खेलन सहारे, प्रकाशनारायण तिवारी नियुक्त किये गये।

किसान संघ के अधिवेशन में ''जैविक खेती एक जिम्मेदारी'', ''समग्र ग्रामीण की दिशा में कृषि मनुष्य बल का उचित प्रबंधन'' दो प्रस्ताव पास किये गये। जिसमें देश भर के सभी किसानों से जैविक खेती अपनाने का आहवान किया गया। दूसरे प्रस्ताव में नीतियों में सुधार व बदलाव करते हुये कृषि उत्पादन, मूल्य संवर्धन, प्रसंस्करण, भंडारण, विपणन वाणिज्य, लघु कुटीर, ग्राम उद्योग, हस्तकला के आयामों, ग्राम स्वावलंबन के विचार को मजबूत करने की बात कही गई है। जिससे देश के गांव समृद्धशाली जीवन खड़ा कर सके।

प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को महानगर के 967 बूथों में सुना गया

जबलपुर, देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात के 119वें संस्करण को जबलपुर महानगर के सभी 967 बूथों में सुना गया। भारतीय जनता पार्टी द्वारा सभी बूथों में मन की बात सुनने का आग्रह किया गया था और स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं ने अपने अपने बूथों में क्षेत्रीय जनों के साथ कार्यक्रम को सुना।

भाजपा नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने पूर्व विधानसभा के सुभाषचंद्र बोस मंडल के सुभाष वार्ड के बूथ क्र. 42 में कार्यकर्ताओ और क्षेत्रीय जनों के साथ मन की बात सुनी।

प्रधानमंत्री ने बोर्ड परीक्षा देने वाले छात्रों को शुभकामनाएँ दीं और उन्हें बिना किसी चिंता और डर के अपना सर्वश्रेष्ठ देने के प्रयास करने की सलाह दी।

भाजपा द्वारा महानगर के बूथों के आयोजित कार्यक्रम में नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर के साथ मंडल प्रभारी महामंत्री पंकज दुबे, रजनीश यादव, राजेश मिश्रा, अभय सिंह ठाकुर, जय सचदेवा, रोहित जैन, अंजु भार्गव, तृष्णा चटर्जी, रंजीत पटेल, प्रणीत वर्मा, कुंडल राव, प्रशांत केसरवानी, श्रीकान्त साहू, शरद ताम्रकार, सिद्धार्थ शुक्ला, चित्रकांत शर्मा, मंडल अध्यक्ष संतोष यादव, प्रणय गुप्ता, प्रशांत दुबे, शैलेंद्र विश्वकर्मा, नरेश पटेल, राहुल रजक, पुष्पराज पांडे, सपन यादव, योगेश बिलोहा, जागृति शुक्ला, गुड्डा केवट, पुष्पराज सेंगर, सौरभ गोयल, योगेश लोखंडे, अमित राय, ऋषि सोनकर, अकील अहमद के साथ बूथ अध्यक्ष, शक्ति केंद्र संयोजक, पार्षद आदि शामिल हुए।

भोपाल के दूसरी पारी में 3 विकेट पर 117 रन

जबलपुर, देशबन्धु। मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वाधान में नीमखेड़ा मैदान पर खेली जा रही परमानंद भाई पटेल अंडर 22 ट्रॉफी में आज दूसरे दिन भोपाल की टीम ने जबलपुर के विरुद्ध अपने कल के स्कोर 104 रनों से आगे खेलना शुरू किया और 133 रन बनाकर आउट हो गई, इस प्रकार जबलपुर को पहली पारी में 118 रन की बढ़त प्राप्त हुई। भोपाल की ओर से केवल विकास शर्मा ही एकमात्र बल्लेबाज थे जिन्होंने 40 रन बनाए।

जबलपुर के मध्यम तेज गेंदबाजों मयंकेश सिंह (पांच विकेट) और मंगेश यादव (चार विकेट) के साथ सबसे सफल गेंदबाज रहे।

118 रनों की बढ़त के साथ अपनी दूसरी पारी खेलते हुए जबलपुर के मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने बहुत ही खराब बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया।

तनय ठाकुर को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज टिक कर बल्लेबाजी नहीं कर सका और पूरी टीम भोपाल के शिवांग की शानदार गेंदबाजी के सामने दूसरी पारी में मात्र 123 रन बनाकर आउट हो गई।

केवल तनय ठाकुर ने नाबाद 64 रनों की जिम्मेदारी भरी पारी खेली।भोपाल के शिवांग ने 6 विकेट प्राप्त किये।

दूसरी पारी में भोपाल को मैच जीतने के लिए 242 रनों का लक्ष्य प्राप्त हुआ एवं दूसरे दिन खेल समाप्ति तक उसने परभ मिश्रा के 48 नाबाद रनों के साथ 117 रनों पर अपने तीन विकेट गंवा दिए हैं। विकास मिश्रा 30 रन बनाकर आउट हुए।

जबलपुर की ओर से वामहस्त स्पिन गेंदबाज अमित राजपूत ने तीन विकेट लिए हैं। कल मैच के तीसरे दिन खेल सुबह 9.30 पर प्रारंभ होगा।

नेपाल से गोल्ड जीतकर लौटे कार्तिक

जबलपुर, देशबन्धु। इंडिया और नेपाल के बीच पड़ोसी देश नेपाल में आयोजित इंटरनेशनल युवा सीरीज में जबलपुर शहर के सर्वोदय नगर निवासी कार्तिक चौधरी सुपुत्र तिरुपति चौधरी के द्वारा कुश्ती प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल हासिल किया गया। समाज सेवी जी. स्टेनली सुकुमार ने बताया कि नेपाल में एस .कार्तिक द्वारा गोल्ड मेडल हासिल करने के बाद प्रथम नगर आगमन पर सर्वोदय नगर के लोगों ने अत्यंत हर्ष व्यक्त कर उनका भव्य स्वागत कर उन्हें बधाई दी। इस दौरान समाज सेवी जी. स्टेनली सुकुमार, के. बर्नाबास, सी. एच. योहान, के. डेविड, पी. येबु डेविड, पी. डेनियल, ममतल सालोमन, जी. सामियल, एम. ईसाक, प्रताप एवं क्षेत्रीय जन उपस्थित रहे।

13 साल के दिव्यांग विनय साहू की इलाज के दौरान मौत

जबलपुर, देशबन्धु। मिशनरी आश्रम में रहने वाले एक 13 साल के दिव्यांग बच्चे विनय साहू की इलाज के दौरान मौत हो गई। जब वह सिर्फ 6 माह का था तभी उसके माता-पिता ने उसे भोपाल से लाकर आश्रम में छोड़ दिया था। 3 दिन पहले अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई। आश्रम प्रबंधन ने इलाज के लिए पास के ही एक अस्पताल में भर्ती करवाया था। लेकिन, 21 फरवरी की रात को उसकी मौत हो गई।

गरीब नवाज कमेटी ने किया अंतिम संस्कार- विनय साहू की मौत के बाद मदर टेरेसा संस्था ने गरीब नवाज कमेटी से अंतिम संस्कार के लिए संपर्क किया। मिशनरी आश्रम प्रबंधन का कहना था कि बच्चा करीब साढ़े 12 साल से यहां पर रह रहा था। उसे यहां 6 माह की उम्र में लाया गया था। वह शारीरिक रूप से दिव्यांग था। मदर टेरेसा संस्था के आग्रह पर गरीब नवाज कमेटी के इनायत अली और उनके साथियों ने विनय का हिन्दू रीति-रिवाज से तिलवारा के पास स्थित श्मशानघाट में अंतिम संस्कार किया।

13 साल का था पर शरीर तीन साल के बच्चे जैसा- गरीब नवाज कमेटी के इनायत अली ने बताया कि शनिवार को सुबह सूचना मिली कि घमापुर स्थित मदर टेरेसा आश्रम में एक बच्चे की मौत हो गई है। जाकर देखा तो बच्चा दिव्यांग था। उसकी उम्र तो 13 साल थी लेकिन शरीर 3 साल के बच्चे जैसा था। आश्रम में अधिकतर महिलाएं थी, वे बच्चे का अंतिम संस्कार करने में असमर्थता जता रही थी। ऐसे में उनके आग्रह पर गरीब नवाज कमेटी ने अंतिम संस्कार किया है।

कुर्मी क्षत्रिय समाज का युवक- युवती परिचय सम्मेलन आयोजित

जबलपुर, देशबन्धु। जिला कुर्मी क्षत्रिय समाज जबलपुर, महिला संगठन एवं युवा संगठन, विधि प्रकोष्ठ जबलपुर के संयुक्त तत्वाधान में 19वां युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन 23 फरवरी दिन रविवार को मानस भवन जबलपुर में 11 बजे से 5 बजे तक संपन्न हुआ। जिला अध्यक्ष इंजी. कुर्मी विवेक चौधरी ने बताया कि परिचय सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में मप्र कुर्मी क्षत्रिय समाज प्रदेश अध्यक्ष, पूर्व मंत्री मध्य प्रदेश शासन राम खेलावन पटेल, राष्ट्रीय महासचिव कुर्मी क्षत्रिय सभा लखनऊ हरीश वर्मा, विशिष्ट अतिथि के रूप में क्रमशः नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, भाजपा नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश पटेल, नारायण पटेल, राजेश पटेल, अटल पटेल थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष कुर्मी इंजी. विवेक चौधरी ने की। कार्यक्रम में सर्वप्रथम समाज के आदर्श सरदार वल्लभ भाई पटेल, वीर शिवाजी एवं शहीद गुलाब सिंह के चित्रों पर माल्यार्पण के बाद सामाजिक गान किया गया। तत्पश्चात अतिथियों के स्वागत के बाद समाज की एक पत्रिका का विमोचन भी अतिथियों द्वारा किया गया। जिसमें समाज के विवाह योग्य लगभग 600 युवक-युवतियों के बायोडाटा उनकी फोटो के साथ उपलब्ध हैं। परिचय सम्मेलन में लगभग सभी युवक-युवतियां शामिल हुए और उन्होंने मंच पर अपना परिचय दिया । कार्यक्रम में गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश एवं प्रदेश के विभिन्न जिलों से भी समाज के सैकड़ों लोग सम्मेलन में शामिल हुए।

बीमा हॉस्पिटल कांचघर में लगा स्वास्थ शिविर

जबलपुर, देशबन्धु। पूर्व विधानसभा क्षेत्र के सात दिवसीय मानव सेवा का संकल्प स्वास्थ्य शिविर का चौथा दिन रविवार को बीमा हॉस्पिटल कॉचघर में प्रातः 10 बजे से प्रारंभ हुआ जो शाम 5 बजे तक जारी रहा। महिला एवं पुरूष ने भारी तादाद में अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया। चौथे दिन में लगभग 2980 हितग्राहियों ने अपना परीक्षण कराया जिसमें 1010 हितग्राहियों का चश्मे के लिए पंजीयन किया गया। 104 हितग्राहियों के मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए पंजीयन किये गये। 1560 हितग्राहियों को दवाईयों का वितरण किया गया।

पूर्व केबिनेट मंत्री, विधायक लखन घनघोरिया ने कहा कि स्वास्थ्य शिविर में चिहिन्त हितग्राहियों के निःशुल्क ऑपरेशन के लिए विशेष सुविधाएं प्रदान की जायेगी। जिन मरीजों कों आँखों के ऑपरेशन की आवश्यकता हैं। उनके लिये भी निःशुल्क ऑपरेशन डॉक्टरों द्वारा कराया जायेगा।

इस शिविर में संजय साहू, राकेश पांडे, उमेश लोधी, मुरलीधरराव, विश्वजीत मुखर्जी, पियूष सिंह चीनू, सुरजीत यादव, रंजीत चौहान, आलोक ठाकुर, पिंकू गोटिया, श्रीमति सुधा जायसवाल, तारा चौधरी, अनीता बिरहा, आदि कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे। सिंधी धर्मशाला गोपाल होटल में आज सोमवार को स्वास्थ्य शिविर का आयोजन है।

मनोहारी वेदी पर विराजमान भगवान महावीर स्वामी का महामस्तकाभिषेक

जबलपुर, देशबन्धु। संस्कारधानी में श्री वीतराग विज्ञान मंडल एवं जैन युवा फेडरेशन के जिनशासन सेवकों ने वर्ष 2000 में बड़ा फुहारा स्थित पायल वाला मार्केट में श्री महावीर स्वामी दिगंबर जिनालय का निर्माण कर ऐतिहासिक पंचकल्याणक महोत्सव किया गया जिसमें पूरे देश से हजारों की संख्या में जैन बंधुओं ने जबलपुर पधार कर संस्कारधानी का गौरव बढ़ाया। फेडरेशन के मीडिया प्रभारी दीपक राज जैन एवं नितिन जैन ने बताया कि गत दिवस जिनालय के सभी जिनबिंबों की स्थापना भगवान महावीर स्वामी मार्ग गोल बाजार स्थित धर्मायतन में कर फाल्गुन कृष्ण दशमी रविवार 23 फरवरी को 25 वर्ष पूर्व होने की खुशी में रजत जयंती महोत्सव मनाया गया।

इस अवसर पर श्रावकगणों ने मनोहारी वेदी पर विराजमान मूलनायक 1008 तीर्थंकर श्री महावीर स्वामी, श्री मल्लीनाथ भगवान एवं श्री पार्श्वनाथ भगवान का क्रमशः महामस्तकाभिषेक किया। जिसमें प्रथम अभिषेक करने का सौभाग्य संदीप जैन शहपुरा परिवार, हितेश जैन दिनेश जैन शांति किराना परिवार एवं नरेन्द्र जैन परिवार के साथ उन सभी परिवार द्वारा किया गया जिनके द्वारा 25 वर्ष पूर्व श्रीजी को विराजमान किया गया था । जिनके साथ अशोक जैन दिगम्बर परिवार, प्रंशन जैन परिवार, रुपालीवाला परिवार द्वारा भक्ति भाव पूर्वक श्रीजी का प्रथम अभिषेक किया, जिनके साथ क्रम क्रम से मंडल एवं फेडरेशन के पदाधिकारियों सहित सभी सदस्यों द्वारा अभिषेक कर अपने करकलमों को पवित्र किया तदोपरांत सभी जिनबिंबों का परिमार्जन किया गया। इस पावन अवसर पर वर्ष 2000 एवं 2025 के पंचकल्याणक महोत्सव को जन जन तक

पहुंचाने के लिए मंडल एवं फेडरेशन ने सम्माननीय मीडिया सहित सभी राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्रों का धन्यवाद ज्ञापित कर आभार व्यक्त किया।

इनकी रही उपस्थिति - मंगल महोत्सव में नगर गौरव पंडितश्री राजेंद्रकुमार जैन, ब्रह्मचारी श्रेणिक जैन, जिनेन्द्र जैन, डॉ. मनोज जैन, राजेश भैया, विराग शास्त्री, मंगलार्थी अनुभव शास्त्री, अभिनय शास्त्री, स्वतंत्र शास्त्री, डॉ. श्रेयांस शास्त्री सहित मंडल अध्यक्ष अशोक जैन दिगंबर, फेडरेशन अध्यक्ष संजय जैन के साथ विमल जैन, सुनील जैन, रजनीश जैन, योगेश जैन, अनुभव दिगंबर, निशांत जैन, अभिषेक दिगंबर, वैभव जैन, अंकित दिगंबर, शरद जैन, मयंक जैन, हितेश जैन, विशाल जैन सहित बड़ी संख्या में जिनशासन सेवक सम्मिलित हुए।

प्लास्टिक की विदेशी मुद्रा प्रदर्शित

जबलपुर, देशबन्धु। एक ही स्थान पर देशी- विदेशी दुर्लभ मुद्रा, मलेशिया, नेपाल के प्लास्टिक के नोट, पुराने संगीत यंत्र, धर्म-संस्कृति से सम्बन्धित वस्तुएं आकर्षण का केन्द्र रही। पाथेय संस्था द्वारा आयोजित दीपचंद विनोदिया के द्वारा संग्रहित दुर्लभ वस्तुओं की एक दिवसीय प्रदर्शनी ‘दीप-धरोहर’ में और भी महत्वपूर्ण दुर्लभ वस्तुओं को प्रदर्शित किया।

प्रदर्शनी का शुभारंभ शर्मीला मुखर्जी, शोभा सिंह, रंजना गुप्ता, अंजना सक्सेना,राजकुमारी नायक,प्रीति मंडल ने किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि दीपचंद विनोदिया ने अथक परिश्रम करके दुर्लभ सामग्रियों को संग्रहित किया है। राजेश पाठक प्रवीण एवं श्रीमती रेखा विनोदिया ने संग्रह में शामिल विविध सामग्रियों की संक्षिप्त में जानकारी प्रदान की।

श्री पंचमठा मंदिर में एकादशी आज

जबलपुर, देशबन्धु। गढ़ा स्थित पंचमठा मंदिर में लघु काशी, वृंदावन के दर्शन होते हैं। पं. अभिषेक शर्मा के अनुसार 24 फरवरी को विजया एकादशी व्रत रखा जाएगा। फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को विजया एकादशी व्रत रखा जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इस व्रत को रखने से साधक पर विष्णुजी की विशेष कृपा होती है और जीवन के समस्त दुखों से छुटकारा मिलता है। जीवन के हर क्षेत्र में सफलता और सुख-समृद्धि के आगमन के लिए यह व्रत बेगद खास माना जाता है। कहा जाता है कि इससे हर संकट और दुख-बाधा से मुक्ति मिलती है। यह भी मान्यता है कि भगवान राम ने लंकापति रावण को युद्ध में हराने के लिए विजया एकादशी का व्रत रखा था। इस व्रत को सभी पापों से मुक्ति और मोक्ष दिलाने वाला भी माना गया है।

विजया एकादशी के दिन शमी के पौधे का पूजन अवश्य करना चाहिए। इससे विजय का आशीर्वाद मिलता है। विजया एकादशी के दिन श्रीहरि विष्णु का पूजन पीले पुष्पों से करके देसी घी का नैवेद्य लगाना चाहिए। इस दिन विष्णु जी के साथ देवी लक्ष्मी का पूजन अवश्य करना चाहिए इससे धन संपदा प्राप्त होती है।

संत निरंकारी मण्डल जबलपुर ने गौरीघाट में चलाया स्वच्छता अभियान

जबलपुर, देशबन्धु। सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं सत्कार योग्य निरंकारी राजपिता जी की असीम कृपा से संत निरंकारी चेरिटेबिल फाउंडेशन के अंतर्गत रविवार को प्रोजेक्ट अमृत के तृतीय चरण स्वच्छ जल स्वच्छ मन का आयोजन किया गया।

इस परियोजना का उद्धेश्य जल संरक्षण स्वच्छता के प्रति जागरूक करना है, ताकि भावी पीढ़ियों को निर्मल जल और स्वस्थ पर्यावरण का वरदान प्राप्त हो सके। संत निरंकारी मिशन ने बाबा हरदेव सिंह जी महाराज की प्रेरणादायक शिक्षाओं को आत्मसात करते हुए वर्ष 2023 से संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से प्रोजेक्ट अमृत का शुभारंभ किया था इस दिव्य पहल का उद्धेश्य केवल जल स्त्रोतों को स्वच्छता सुनिश्चित करना ही नहीं बल्कि जल संरक्षण को जीवन का अभिन्न अंग बनाने की सोच विकसित करना जिसमें नदियों, झीलों, तालाबों और झरनों जैसे प्राकृतिक जल स्त्रोतों की स्वच्छता एवं संरक्षण का अभियान है।

संस्कारधानी जबलपुर में संत निरंकारी मण्डल की ब्रांच जबलपुर में लगभग 400 भाई-बहिन सेवादार एवं साध संगत ने चार यूनिटों जबलपुर सिटी, अधारताल, लालमाटी व गढ़ा में बंटकर गौरीघाट के उमाघाट नर्मदा जी के उस पार नावों द्वारा जाकर व जिलहरी घाटों पर प्रातः 8 बजे से 10 बजे तक जल से कीचड़ व चोई निकाल कर जल को प्रदूषण मुक्त किया व घाटों पर सेवादारों ने झाड़ू लगाकर साफ सुथरा किया। अभियान में पधारे मुख्य अतिथि नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर का नवनीत नागपाल ने दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया।

पुस्तक मेला एवं आध्यात्मिक प्रदर्शनी 25 से

जबलपुर, देशबन्धु। संस्कारधानी जबलपुर में एक विराट पुस्तक मेला एवं आध्यात्मिक प्रदर्शनी का आयोजन 25 फरवरी से 3 मार्च तक शहीद स्मारक ग्राउण्ड, गोलबाजार, जबलपुर में आयोजित किया जा रहा है, जो प्रतिदिन प्रातः 11 बजे से रात्रि 9 बजे तक रहेगा। इस पुस्तक मेला में युगऋषि, वेदमूर्ति, तपोनिष्ठ पं. श्रीराम शर्मा आचार्य जी द्वारा मानव जीवन की लगभग सभी समस्याओं के समाधान हेतु जीवनोपयोगी साहित्य उपलब्ध होगा। जिसमें वेद, पुराण, उपनिषद, धर्म दर्शन स्मृति, गायत्री एवं यज्ञ का तत्वदर्शन, संस्कार, उपासना, साधना, वनौषधि विज्ञान, अध्यात्म का वैज्ञानिक प्रतिपादन, स्वावलंबन, शिक्षा, ग्राम्य प्रबंधन, व्यक्ति, परिवार, समाज एवं राष्ट्र निर्माण, छात्रोपयोगी पुस्तकें उपलब्ध होंगी।

माझी विवाह सम्मेलन में 8 दंपति जीवन सूत्र में बंधे

जबलपुर, देशबन्धु । जलवंशीय माझी समाज शैक्षणिक एवं सेवा समिति जबलपुर के तत्वाधान में माझी, रैकवार, सोंधिया,बर्मन, कश्यप, सिंगरहा, निषाद, आदि का परिचय सम्मेलन एवं आदर्श विवाह सम्मेलन मड़ई, रांझी में भगवान श्री गुहराज निषादराज की पूजा अर्चन एवं दीप प्रज्जवलन के साथ शुभारंभ हुआ, छो छोटी बच्चियों द्वारा सरस्वती वंदना व नृत्य प्रस्तुत किया गया, कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में सीताराम शयम , अध्यक्ष मछुआ कल्याण बोर्ड मध्यप्रदेश व प्रदेश के अन्य जिलो के सामाजिक बंधुओं ने प्रमुख रूप से सहभागिता की, समिति की प्रदेशाध्यक्ष श्रीमती भूमा रैकवार समिति के समस्त पदाधिकारी इस कार्यक्रम में उपस्थित समाज के बंधुओ व अतिथियों का स्वागत किया गया, सम्मेलन के साथ 8 जोड़ों का आदर्श विवाह भी सम्पन्न किया गया, मुख्य अतिथि सीताराम बाथम ने इस आयोजन को समाज महत्वपूर्व आयोजन बताया व आयोजन में आदर्श विवाह करने वाली बेटियों को अपनी बेटी जैसा सम्मान देने की बात कही, समिति द्वारा श्री बाथम का शाल श्री फल से सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में विशेष अतिथि के तौर पर उपस्थित फिशरमेन कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व अध्यक्ष गंदी बस्ती निर्मूलन बोर्ड, ने अपने उद्बोधन में कहा कि जलवंशीय माझी समाज का यह परिचय सम्मेलन समाज की जागरुकता का उदाहरण है समाज के लोग इसी एक जुटता से जब सड़कों पर उतरेंगे, तो हमारी समाज की ताकत बढ़ेगी व हमारी हर समस्या के निराकरण करने में सरकार हमें प्रमुखता देगी, परिचय सम्मेलन में विशेष रूप से सतना से शिव प्रताप सिंगरहा, नरसिंहपुर से आमू नौरिया, प्रकाश नौरिया, प्रकाशचंद्र केवट सतना, अनिल सौधिया, सुरजीत सिंह सिंगरहा, मौहर सोहन रैकवार, नरसिंहपुर आदि उपस्थित रहे, आयोजन को सफल बनाने में प्रमुख रूप से समाज के लोगों ने तन मन धन से जो सहयोग व सहभागिता की है सभी के प्रति आचार समिति के पदाधिकारियों के नाम भूमा रैकवार, प्रियंका कर्मन, मीना रैकवार, सीता रैकवार, मधु रैकवार, मोनू रैकवार, गोपाल रैकवार, मुकेश रैकवार, विनय रैकवार इत्यादि लोग मौजूद रहे ।

दैनिक राशिफल

सोमवार 21 फरवरी 2025 का पंचांग विक्रम संवत् 2081, शक संवत 1946 हिजरी 1445। फाल्गुन शुक्ल पक्ष की अष्ठमी, नक्षत्र- अनुराधा।

मेष
आर्थिक और व्यावसायिक दृष्टि से आज का दिन लाभदायक रहेगा। लंबे समय का आर्थिक आयोजन पूरा कर सकेंगे।

वृषभ
परिश्रम की अपेक्षा कम परिणाम मिलने पर भी आप निष्ठापूर्वक काम को आगे बढ़ाएंगे। आपके क्षेत्र की विशालता और वाणी की मधुरता अन्य लोगों को प्रभावित करेगी।

मिथुन
महत्वपूर्ण निर्णय लेने में कठिनाई महसूस करेंगे। घर में माता और स्त्री वर्ग के लिए आप अधिक भावनाशील बन जाएंगे। तनाव महसूस कर सकते हैं। `क-399-179

कर्क
आज का दिन नए काम की शुरुआत या सफलता के लिए अच्छा रहेगा। मित्रों और स्वजनों से मिलकर आप खुशी अनुभव करेंगे। किसी यात्रा की संभावना है।

सिंह
परिवार के सदस्यों के साथ सुख-शांति में दिन व्यतीत होगा। उनका सहयोग मिलेगा। महिला मित्रों की विशेष मदद मिलेगी। अपनी प्रभावकारी वाणी से अन्य लोगों का ध्यान केंद्रित कर सकेंगे।

कन्या
अपने समृद्ध विचार और बोली से आज आपको लाभ होगा। किसी के साथ नए संबंध में जुड़ सकते हैं। आज का दिन व्यापार की दृष्टि से लाभदायक रहने की संभावना है।

तुला
आज के दिन ज़रा सा भी असंयमित और अनैतिक व्यवहार आपको तकलीफ में डाल सकते हैं। दुर्घटना से बचें।

वृश्चिक
घर परिवार के साथ आपको आनंद और संतोष की अनुभूति होगी। पत्नी और पुत्र की तरफ से अच्छे समाचार मिलेंगे। शुभ कार्य में भाग ले सकेंगे।

धनु
काम में सफलता का दिन है। नए काम की शुरुआत कर सकेंगे। व्यापारी अपने बिजनेस का आयोजन और विस्तार अच्छी तरह कर सकेंगे। नौकरी में उच्च पदाधिकारी आपकी पदोन्नति के लिए विचार करेंगे।

मकर
आप अपने व्यापार के लिए नई शैली से काम करेंगे। लेखन और साहित्य संबंधी काम को आगे बढ़ा सकते हैं। शारीरिक थकावट और भय की अनुभूति होगी।

कुंभ
आपके मन में नकारात्मक विचार उत्पन्न हो सकते हैं। आपके मन में क्रोध और दुःख की भावना हो सकती है।

मीन
भाग्य का साथ होने के आज का दिन अच्छी तरह व्यतीत होगा। बिजनेस में भागीदारी करनी हो तो समय अनुकूल है। जीवनसाथी के साथ निकटता का अनभव होगा।

म. 589-228

3,5,7,9,30,55,71,94,45,50,77,81

सांसद की अध्यक्षता में सम्मान समारोह का आयोजन

जबलपुर, देशबन्धु । सर्वभोमिक ब्राह्मण सभा परिसर में सांसद आशीष दुबे की अध्यक्षता में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।समारोह का संचालन समाजसेवी सुधीर सोनू दुबे के द्वारा संचालित किया गया। कार्यक्रम में सभा के अध्यक्ष आर एन चतुर्वेदी, संरक्षक उमेश पांडे, समिति के अलोक तिवारी , दीप नारायण पांडे ,रमेश मिश्रा, हीरालाल चौबे ,राजेश मिश्रा एवं रांझी क्षेत्र के नरेंद्र तिवारी, श्री राम तिवारी, अरुण दुबे ,अजय तिवारी, प्रमोद पांडे डॉक्टर के के मिश्रा चंद्रकांत मिश्रा सोमेश मिश्रा पुष्पराज पांडे आशीष एवं सैकड़ो की संख्या में ब्राह्मण जन उपस्थित थे पंडित धीरज कृष्ण शास्त्री, पंडित पुनीत महाराज, पंडित सोमनाथ शुक्ला द्वारा स्वस्ति वाचन कर सांसद जी का स्वागत किया गया ब्राह्मण समाज की उन्नति के विषय पर चर्चा हुई।

विदाई कार्यक्रम में मुस्कुराए छात्र

जबलपुर, देशबन्धु। वर्षों तक एक साथ पढ़ाई करने वाले मूक बधिर छात्रों का विदाई समारोह का आयोजन आज अंधमुख चौराहा भेड़ाघाट बायपास में हुआ ।नव वर्ष फाउंडेशन के सदस्यों द्वारा कक्षा 12वीं के सभी मूक बधिर दिव्यांग छात्रों को पुष्प गुच्छ देकर उनके उज्जवल भविष्य एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की ।

विदाई समारोह में शाला के छात्रों ने अपने अंदाज में खुशी प्रकट की जिसे देखकर हाल में बैठे हुए सभी भाव विभोर हो गए । श्रीमती वर्षा राठौर द्वारा सभी बच्चों को स्वल्पाहार कराया गया एवं छात्रावास के किचन हेतु गैस भट्टी एवं जरूरी बर्तन प्रदान किए गए। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य अधीक्षक शिव शंकर कपूर प्रशासनिक अधिकारी इला तिवारी ,केके शुक्ला सहित सभी शिक्षकों ने विद्यालय के कार्यों पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में इंजी. नवनीत राठौर द्वारा बच्चों को पढ़ाई कार्य में सहयोग देने एवं समाज सेवा के उद्देश्यों पर अपनी बात रखी । इस अवसर पर मोक्ष संस्था के आशीष ठाकुर द्वारा बच्चों को सहायता प्रदान करने एवं दृष्टि बाधित छात्रों हेतु राइटर उपलब्ध कराने की महत्व पर जोर दिया कार्यक्रम में संजय भाटिया इंजी.स्वर्ण सिंह मनकोटिया, इंजी. मेहुल मेहता, सुप्रिया भाटिया,शिखा राठौर, नरेंद्र सिंह चंदेल,पत्रकार प्रहलाद पटेल, गोपाल यादव सहित रहे।

भाजपा और कांग्रेस दोनों ही धोखेबाज हैं : डॉ. तिवारी

जबलपुर, देशबन्धु । इंडियन पीपुल्स अधिकार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. पुरुषोत्तम तिवारी ने भाजपा और कांग्रेस पर ग्लोबल इन्वेस्टर्स मीट के नाम पर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि 2007 से 2025 तक सरकारों ने इस मीट के जरिए सरकारी धन का दुरुपयोग किया और उद्योग व रोजगार के नाम पर जनता को धोखा दिया। डॉ. तिवारी के अनुसार, इन्वेस्टर्स मीट में घोषित अरबों के निवेश प्रस्ताव महज दिखावा हैं, जबकि हकीकत यह है कि पहले से स्थापित उद्योग लगातार बंद हो रहे हैं और रोजगार के अवसर तेजी से घट रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन्वेस्टर्स मीट के नाम पर उद्योगपति औद्योगिक पर्यटन के लिए आते हैं,

निधन

ईश्वर अल्लाह तेरो नाम सबको सद्गति दे भगवान

श्री तीरथ राम वर्मा- अशोक नगर अधारताल देना बैंक के सामने निवासी श्री तीरथ राम वर्मा (91) का निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा सुबह 11 बजे गौरीघाट मुक्तिधाम के लिए रवाना होगी।

श्रीमती कलावती गुप्ता- कैलाशपुरी गुप्तेश्वर निवासी श्री लखपत गुप्ता की धर्मपत्नी श्रीमती कलावती गुप्ता (59) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती लक्ष्मी पटेल- शांति नगर दमोहनाका निवासी श्री अनिल पटेल की धर्मपत्नी श्रीमती लक्ष्मी पटेल (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सीताराम बर्मन- बडी खेरमाई मंदिर के पास निवासी श्री सीताराम बर्मन (59) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर में किया गया।

सुश्री सुधा मालवीय- मदनमहल अंडर ब्रिज रोड निवासी श्री फूलचंद मालवीय की पुत्री सुश्री सुधा मालवीय (59) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट में संपन्न हुआ।

श्रीमती मुन्नी बाई कोल- सिद्धबाबा वार्ड निवासी श्री हीरा लाल कोल की धर्मपत्नी श्रीमती मुन्नी बाई कोल (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर में किया गया।

श्री उमा शंकर- उदय नगर नं. 2 गोकलपुर निवासी श्री उमा शंकर (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री दीपक बेरिया- बापू नगर रांझी निवासी श्री प्रभुदयाल बेरिया के पुत्र श्री दीपक बेरिया का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री संतोष श्रीवास्तव- भट्टा मोहल्ला कटनी निवासी श्री संतोष श्रीवास्तव (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती चंद्रकला गीद- तम्हेरा मोहल्ला पश्चिमी घमापुर निवासी श्री कृष्णा राव गीद की धर्मपत्नी श्रीमती चंद्रकला गीद (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री मेवा लाल पासी- गली नं. 20 सदर निवासी श्री मेवा लाल पासी (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री दीपक पृथ्यानी- राधा आश्रम शहडोल निवासी श्री दीपक पृथ्यानी (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री माधव प्रसाद कुशवाहा- रामपुर दुर्गा नगर निवासी श्री माधव प्रसाद कुशवाहा (100) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सुंदर लाल कोरी- कमल नगर मूढ़ा टोला बरघाट सिवनी निवासी श्री सुंदर लाल कोरी (71) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

तेज आवाज में डीजे बजाने पर प्रकरण दर्ज

हनुमानताल पुलिस की कार्यवाही

जबलपुर,देशबन्धु। तेज आवाज में डीजे बजाने वालों के खिलाफ हनुमानताल तथा बेलबाग पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया हे। पुलिस ने 1 ट्रक, 1 छोटा हाथी, 1 एलपीटी वाहन, 38 साउंड बॉक्स, 5 जनरेट, 4 मिक्सर, 7 स्टेबलाइजर, माउसपेड डायना टेक, सार्पी लाईट, लाईट मिक्सर आदि जब्त करते हुए आवश्यक कार्यवाही की।

हनुमानताल थाना प्रभारी धीरज राज से प्राप्त जानकारी के अनुसार रात्रि भ्रमण के दौरान भान तलैया में ट्रक क्रमांक एमपी 20 जीव्ही 1924 में लगे डीजे साउंड में तीव्र ध्वनि से गाने बजा रहा था। जिसकी ध्वनि से आमजन एवं राहगीरों को काफी परेशानी हो रही थी वाहन चालक से नाम पता पूछने पर अपना नाम अनुराग कटियार उम्र 22 वर्ष निवासी प्रेम सागर हनुमान ताल बताया, जिससे तेज ध्वनि में गाना बजाने के संबंध में पूछताछ करने पर कोई अनुमति नहीं होना बताया, आरोपी द्वारा जिला दण्डाधिकारी जबलपुर के आदेश का उल्लंघन करना पाये जाने से आरोपी अनुराग कटियार के कब्जे से ट्रक क्रमांक एमपी 20 जीव्ही 1924 तथा ट्रक में लगे 4 नग डायना टेक , 1 नग साउण्ड मिक्सर मशीन, 18 नग साउण्ड बाक्स, 2 नग जनरेटर, 3 नग स्टेबलाइजर, 4 नग सारपी लाईट, 1 लेजर लाइट, 1 स्मोक, 1 लाइट मिक्सर को जप्त किये। बेलबाग थानान्तर्गत पंजाब बैंक के सामने एक टाटा एस छोटा हाथी वाहन क्रमांक एमपी 21 एल 0539 में तीव्र ध्वनि से डीजे बज रहा था जिसे रूकवाकर वाहन चालक से नाम पता पूछने पर अपना जितेन्द्र केवट उम्र 30 वर्ष निवासी बस्ती नम्बर 2 गोहलपुर बताया तेज ध्वनि में गाना बजाने के संबंध में पूछताछ करने पर कोई अनुमति नहीं होना बताया, आरोपी द्वारा जिला दण्डाधिकारी जबलपुर के आदेश का उल्लंघन करना पाये जाने से आरोपी जितेन्द्र केवट के कब्जे से टाटा एस छोटा हाथी वाहन क्रमांक एमपी 21 एल 0539 एवं वाहन में लगा 1 जनरेटर, माउस पेड, मिक्सर, सार्पी, एलईडी पार्क, बेस बाक्स 4 नग, डबल स्पीकर 2 नग, सिंगल स्पीकर 4 नग, स्टेबलाइजर मैनुअल 2 , लाईट मिक्सर डिस्को 1 जब्त किये गये।

इसी प्रकार भ्रमण के दौरान बाई का बगीचा गली नम्बर 1 मेन रोड के सामने एक एलपीडी चार चक्का एमपी 13 जीबी 2372 में तीव्र ध्वनि से डीजे बज रहा था जिससे आमजन एवं क्षेत्रिय वासियों को काफी परेशानी हो रही थी ध्वनि असहनीय लग रही थी जिसे रूकवाकर चालक से नाम पता पूछने पर अपना नाम चंदन चौधरी उम्र 35 वर्ष निवासी सिंधी केम्प बाबा टोला थाना हनुमानताल बताया जिससे तेज ध्वनि में गाना बजाने के संबंध में पूछताछ करने पर कोई अनुमति नहीं होना बताया गया।

आरोपी द्वारा जिला दण्डाधिकारी जबलपुर के आदेश दिनांक का उल्लंघन करना पाये जाने से चंदन चौधरी के कब्जे से 1 एलपीडी चार चक्का क्रमांक एमपी 13 जीबी 2372 तथा इसमें लगे इंजन जनरेटर (प्रकाश) 1, इंजन जनरेटर (डायमंड) 1, माउस पैड (डायनाटेग) 3, माउस पेड (स्टूडियो मास्टर) 1, माउस पेड (एम.टी. 1201) 1, स्टेपलाईजर लिंक 1 , स्टेपलाईजर इलेक्ट्रा 2, मिस्क्स स्टेंजर 1, सार्पी लाईट मिक्सर 1, सार्पी खाली पेटी 2, पावर प्लग बोर्ड 3, बेस बाक्स 6, साउण्ड बाक्स 4, स्पीलक लाईनर 4, स्टोप लाईट 4, सार्पी लाईट 6 जप्त किये।

सरकारी स्कूल में 8 वर्षीय छात्रा के साथ शिक्षक ने की दरिंदगी

क्लास रुम में बंद कर दी धमकी

जबलपुर,देशबन्धु। बेलखेड़ा स्थित सरकारी स्कूल में शिक्षक ने 8 साल की मासूम छात्रा के साथ रेप किया। इसके बाद धमकी देते हुए घर भेज दिया. घर पहुंचते ही मासूम अपनी मां से लिपटकर रोने लगी, घबराकर मां ने पूछा तो मासूम ने टीचर द्वारा किए गए दुष्कर्म की जानकारी दी। परिजनों ने थाना पहुंचकर पुलिस को घटनाक्रम की जानकारी दी, जिस पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी टीचर को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार बेलखेड़ा के शासकीय स्कूल में छुट्टी होने के बाद सभी बच्चे अपने क्लास रुम से बाहर निकलकर घर के लिए रवाना हुए. इस दौरान टीचर घनश्याम ठाकुर ने 8 वर्षीय मासूम छात्रा को क्लास रुम में बंद कर दिया। जैसे ही सभी बच्चे चले गए तो टीचर ने क्लास रुम में बच्ची के साथ दरिंदगी की, इस दौरान बच्ची रोते हुए दर्द होने से चिल्लाई तो उसका मुंह दबा दिया गया। रेप के बाद टीचर घनश्याम ठाकुर ने धमकी देते हुए कहा कि घर में किसी को कुछ नही बताना. इधर बच्ची के घर न आने से परिजन चितिंत हो गए। फिर यह सोचा कि सहेलियों के साथ खेलते खेलते घर आने में समय लग गया होगा। कुछ देर बाद बच्ची अस्त-व्यस्त हालत में डरी-सहमी घर आई और मां से लिपटकर रोने लगी. बच्ची ने रोते हुए कहा कि वह अब कभी स्कूल नहीं जाएगी। घबराकर मां के पूछने पर बच्ची ने टीचर घनश्याम ठाकुर द्वारा किए गए कुकर्म की जानकारी दी. बालिका के साथ शासकीय स्कूल में की गई दरिंदगी के बारे में महिला ने अपने पति सहित अन्य परिजनों को जानकारी दी। इसके बाद बेलखेड़ा थाना पहुंचकर पुलिस को टीचर घनश्याम ठाकुर द्वारा किए गए कृत्य की जानकारी दी। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधिकारियों ने आरोपी टीचर घनश्याम ठाकुर के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया. पुलिस का कहना है कि आरोपी टीचर घनश्याम ठाकुर मूलतः गोटेगांव जिला नरसिंहपुर का रहने वाला है जो बेलखेड़ा के शासकीय स्कूल में पदस्थ है। घटना को लेकर परिजनों से लेकर गांव के लोगों में आक्रोश व्याप्त है।

जिला बदर का आरोपी चाकू सहित पकड़ाया

चरगवां पुलिस की कार्यवाही

जबलपुर,देशबन्धु। आपराधिक वारदातों के कारण जिस युवक का जिला बदर किया था वह चाकू लेकर क्षेत्र में घूम रहा था। पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ कार्यवाही की।

चरगवां थाना प्रभारी अभिषेक प्यासी से प्राप्त जानकारी के अनुसार रकी उर्फ राकेश लोधी उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम महुआ बारी थाना चरगवा का एक आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति है जिसके विरूद्ध कई अपराध पंजीबद्ध होकर न्यायालय मे विचाराधीन है जिसकी आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने हेतु जिला बदर का प्रकरण तैयार कर जिला दण्डाधिकारी जबलपुर को प्रेषित किया गया था। जिससे सहमत होते हुए जिला दण्डाधिकारी जबलपुर ने जिला जबलपुर एवं जबलपुर से लगे सीमावर्ती जिले मण्डला, डिण्डौरी, सिवनी नरसिंहपुर कटनी, दमोह, उमरिया की राजस्व सीमाओं से 6 माह की अवधि हेतु जिला बदर किया गया था। उक्त आदेश की तामील करा दी गयी थी ।

विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली कि जिला बदर का आरोपी रकी उर्फ राकेश लोधी निवासी ग्राम महुआ बारी का ग्राम चरगवां और मेहगांव के बीच घूम रहा है। सूचना पर तत्काल दबिश देते हुए रकी उर्फ राकेश लोधी को पकडा गया जो तलाशी लेने पर एक चाकू रखे मिला। जिला बदर के आदेश का उल्लंघन करना पाया जाने पर रकी उर्फ राकेश लोधी के विरुद्ध धारा 25 आर्म्स एक्ट एवं 14 म0प्र0 राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्यवाही की गयी।

महिला डॉक्टर को दी जान से मारने की धमकी

शासकीय कार्य में अवरोध उत्पन्न करने का मामला दर्ज

जबलपुर,देशबन्धु। पाटन शासकीय उपचार में कार्यरत महिला चिकित्सक को युवक ने अस्पताल में घुसकर जाने से मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ शासकीय कार्य में अवरोध उत्पन्न करने का अपराध दर्ज कर लिया है।

पाटन थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार गत रात्रि डॉक्टर वैशाली खन्ना उम्र 28 वर्ष निवासी शासकीय प्राथमिक अस्पताल पाटन ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह शासकीय अस्पताल पाटन में महिला चिकित्सक के पद पर पदस्थ है। वह प्रात: 7 बजे से कैजुअल्टी में ड्यूटी पर थी और उनके साथ में नर्सिंग स्टाफ अनुश्री एवं सुरक्षा गार्ड ऋषि था। मरीज वहां पर भर्ती थे जिनका उपचार एवं देखरेख कर रही थी। तभी प्रिंस यादव निवासी चौधरी मोहल्ला पाटन का कैजुअल्टी वार्ड में पैसेन्ट अंचू बाई उम्र 50 वर्ष को इलाज हेतु लेकर आया था। उपचार के दौरान प्रिंस यादव काफी उत्तेजित हो गया और उससे अभद्र भाषा में अपशब्दों का प्रयोग करने लगा एवं गाली गलौज करने लगा ।

उसने कहा कि भैया शांत हो जाओ पेशेंट का इलाज कैसे करना है मुझे मालूम है। जिस पर प्रिंस यादव बोला अस्पताल के बाहर मिलोगी तो जान से खत्म कर दूंगा, प्रिंस यादव शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करते हुये देख लेने की धमकी दिया। रिपोर्ट पर धारा 296, 221, 224, 351(3) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

पिता-पुत्र के विरूद्ध धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज

जबलपुर,देशबन्धु। थाना माढ़ोताल में श्रीमति हेमा शर्मा उम्र 48 वर्ष निवासी म.नं. 162 त्रिमूर्ती नगर दमोह नाका थाना गोहलपुर जबलपुर हाल निवास विद्यासागर परिसर पाटन रोड निवासी ने बताया कि उसे आटा एवं मसाले का व्यवसाय करने हेतु रूपयों की जरूत थी। उसने प्रधानमंत्री सूक्ष्म अन्न प्रक्रिया उद्योग योजना के तहत आटा चक्की एवं मसाला ग्राइनिंग मशीन हेतु मिनिस्ट्री ऑफ फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्रीज गवर्नमेंट आफ इंडिया के तहत बैंक आफ इंडिया दीनदयाल चैक बालाजी हाईट शाखा जबलपुर से एम.एस.एम.ई लोन हेतु दिनाक 25.09.23 को आवेदन प्रस्तुत किया था एवं मशीन खरीदने हेतु न्यू अंबिका एग्रो एजेंसी रेली प्लांट जयस्तम्भ चैक के पास अमरावती जिला अमरावती महाराष्ट्र में दुकान मालिक मुरलीधर भूतडा एवं बेटे तुषार मुरलीधर भूतडा की दुकान से 14,61,323 रूपये का कोटेशन प्राप्त किया था। कोटेशन बैंक में जमा किया था दिनाक 27.12.23 को बैंक से 14,61,323 रूपये की राशि का लोन स्वीकृत हो गया था। मशीन क्रय करने की राशि 14,61,323 रूपये बैंक के द्वारा दिनाक 19.01.24 को आर.टी.जी.एस के माध्यम से न्यू अंबिका एग्रो ऐजेंसी अमरावती के खाता में भेजने के बाद बैंक ने सूचना दिया कि आपकी लोन की राशि न्यू अंबिका एग्रो ऐजेंसी में आहरण कर दी गई है। तो उसने न्यू अंबिका एग्रो ऐजेंसी रेली प्लांट जयस्तम्भ चौक के पास अमरावती जिला अमरावती महाराष्ट्र के दुकान मालिक मुरलीधर भूतडा एवं बेटे तुषार मुरलीधर भूतडा से मशीन क्रय करने हेतु संपर्क किया। लेकिन दोनो लोगों के द्वारा लगातार आश्वासन देते रहे कि अभी मशीन डिलेवर नहीं हुई है आने पर आपके पते पर भिजवा दिया जायेगा। आश्वासन देता रहा । सेंक्शन हुआ लोन 14,61,323 रूपये न्यू अंबिका एग्रो ऐजेंसी के संचालक मुरलीधर भूतडा एवं बेटे तुषार मुरलीधर भूतडा द्वारा प्राप्त कर न तो मशीन उपलब्ध कराई और न ही लोन के पैसा दे रहे है। लोन स्वीकृत होने के बाद से वह लोन की किस्त हर माह जमा की जा रही है। न्यू अंबिका एग्रो ऐजेंसी के संचालक मुरलीधर भूतडा एवं बेटे तुषार मुरलीधर भूतडा द्वारा उसे लोन मे प्राप्त राशि गबन कर धोखा धड़ी की गयी है। शिकायत पर लोन की राशि गबन करते हुये धोखाधड़ी करना पाये जाने पर आरोपी न्यू अंबिका एग्रो ऐजेंसी के संचालक मुरलीधर भूतडा एवं बेटे तुषार मुरलीधर भूतडा निवासी अमरावती महाराष्ट्र के विरुध्द 409,406 भादवि का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से एक मृत,दूसरा घायल

जबलपुर,देशबन्धु। माढ़ोताल थानान्तर्गत मोटरसाइकिल में पेट्रोल भरवाने जा रहे दो युवकों को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। मोटर साइकिल सवार दोनों युवक रिश्ते में भाई थे। इस घटना में एक युवक की मौत हो गयी तथा दूसरे को गंभीर चोटें आई है।

माढ़ोताल थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार शुभम साहू उम्र 21 वर्ष निवासी ग्राम गौरैया थाना सुरखी जिला सागर ने सूचना दी कि उसका बड़ा भाई विशाल साहू उम्र 27 अपनी मोटर सायकल क्रमांक एमपी 15 जेड जे 6016 से अपने बड़े पिताजी के घर बेलखाडू कटंगी रोड गये थे। विषाल गत रात लगभग 9-30 बजे उसके मोबाइल पर उसके बड़े पिताजी के लड़के सोनू साहू ने फोन पर बताया कि भैया विशाल साहू घर से भतीजे आदित्य साहू हो लेकर पेट्रोल भरवाने ग्राम नगना पेट्रोल पम्प गये थे। उनका नगना पेट्रोल पम्प के सामने किसी अज्ञात वाहन से एक्सीडेण्ट हो गया, इलाज हेतु विशाल और आदित्य को हम मेडिकल कॉलेज लेकर जा रहे है। वह मेडिकल कॉलेज पहुँचा तो उसे पता चला की ब? भाई विशाल साहू की मृत्यु हो चुकी है। भतीजा आदित्य साहू को हाथ पैर सिर में चोट है जिसे उपचार हेतु मेट्रो अस्पताल में भर्ती कराया है।पुलिस ने सूचना मिलने पर मर्ग कायम कर लाष को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया। पुलिस ने प्रकरण को विवेचना में लेद लिया है।

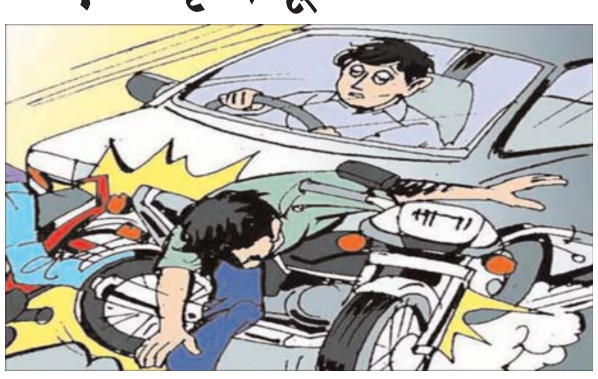

माढ़ोताल थानांगर्त ग्राम नगना की घटना

अज्ञात चोर सोने चांदी के जेवर एवं नगदी रूपये चुरा ले गया

जबलपुर,देशबन्धु। थाना बरगी में पुरूषोत्तम यादव उम्र 34 वर्ष निवासी हरदुली टीएच 281 बरगीनगर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह सिचाई विभाग मे नौकरी करता है विगत दिवस सुबह लगभग 11 बजे वह अपनी पत्नी साक्षी यादव और बच्चों के लेकर बरगी स्टेशन छोड़ने गया था उसके बाद उसे हाथ में चोट लग गयी थी जिसकी फिजियो थैरेपी कराने भी गया था दोपहर लगभग 2 बजे घर आकर देखा बाहर के दरवाजे का कुंदा टूटा था अंदर जाकर देखा आलमारी का लॉक टूटा था आलमारी का सामान बिखरा पड़ा था आलमारी के लॉकर में रखी बच्चों की पायल, पत्नी की चांदी की पायल, करधन, बिछिया, लाल कलर की चूड़ी लॉक बाली जिसमें सोने की डिजायन थी तथा नगदी 8 हजार रूपये गायब थे कोई अज्ञात चोर जेवर एवं नगदी रूपये चोरी ले गया है। रिपोर्ट पर धारा 331(1), 305(ए) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

मक्के से भरा ट्रक पलटा, पूरे मार्ग पर फैल गई सैकड़ों बोरियां

जबलपुर,देशबन्धु। पाटन थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम वासन के पास एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया जिसमे लोड मक्के की बोरिया सड़क पर बिखर गई जानकारी अनुसार पाटन कृषि उपज मंडी से मक्का लोड कर ट्रक क्रमांक उत्तर प्रदेश जा रहा था जिसमे की मक्के की 500 बोरिया लोड थी अनियंत्रित होकर पलट गया बही घटना के बाद स्टेट हाइवे पर जाम की स्थिति निर्मित हो गयी हालांकि पूरी घटना में चालक को मामूली चोटें आई है।

शातिर अपराधी ने पुलिस को ही बताया दिया अपहरणकर्ता

जबलपुर,देशबन्धु। दो दर्जन से अधिक अपराध वारदातों में फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने नागपुर से गिरफ्तार किया है। पुलिस कर्मी सिविल ड्रेस में थे और जैसे ही उन्हें नागपुर के इतवारी क्षेत्र से आरोपी को पकडा,उसने खुद का अपहरण करने की बात कहते हुए हंगामा करना लगा। जिसके कारण लोग भी पुलिस टीम का विरोध करने लगे थे। स्थानीय पुलिस के हस्तक्षेप के बाद पूरा मामला साफ हो गया।

तिलवारा थाना प्रभारी बृजेष मिश्रा से प्राप्त जानकारी के अनुसार बड्डू उर्फ आशीष पटेल आदतन अपराधी है। शहर के विभिन्न थानान्तर्गत दर्ज दो दर्जन से अधिक आपराधिक प्रकरण में पुलिस को उसकी तलाश थी। अलग-अलग आपराधिक प्रकरणों में उसकी गिरफ्तारी पर इनाम भी घोषित था। फरारी के दौरान वह लगातार जगह बदल रहा था। पुलिस की टीम लगातार उसके पीछे लगी हुई थी। नागपुर के इतवारी क्षेत्र में फरार आरोपी युवक के होने की जानकारी मिली थी। पुलिस सादे कपड़ों में शनिवार की रात को आरोपी के आने का इंतजार कर रही थी। फरार आरोपी युवक जैसे ही पहुँचा पुलिसकर्मियों ने उसे दबोच लिया।

शातिर अपराधी नागपुर से गिरफ्तार

जिसके बाद आरोपी युवक हंगामा करने लगा और खुद का अपहरण किये जाने की बात करते हुए लोगों से मदद मांगने लगा। लोग को भी लगा युवक का अपहरण किया जा रहा है। जिसके कारण उन्होने विरोध प्रारंभ कर दिया। स्थानीय पुलिस ने हस्तक्षेप कर लोगों को बताया कि युवक शातिर बदमाश है और फरारी काटने के लिए नागपुर में छुपा हुआ था। शातिर बदमाश को जबलपुर लाया जा रहा है।

पत्नि के सिर पर ताला मारकर किया घायल

जबलपुर,देशबन्धु। थाना अधारताल में शाम श्रीमती अर्चना गोस्वामी उम्र 27 वर्ष निवासी खजरी वाईपास के पास ग्राम गुर्दा गौशाला के पास अधारताल ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसके पति सुशीलपुरी गोस्वामी से पूर्व से उसका विवाद चल रहा है। वह लगभग 4 माह से उससे अलग रह रहा है। वह सिलाई के कपड़े लेने अपने घर में ताला लगाकर रोड पर आई थी, रोड़ से सिलाई के कपड़े लेकर शाम लगभग 4-30 बजे घर पहुँची तो उसका पति सुशीलपुरी गोस्वामी उसके घर के पास खड़ा था एवं उससे बोला कि यह घर मेरा है उसने कहा कि तुम यहां रहते नहीं हो तो तुम्हारा घर कैसे हुआ। उसने अपने घर का ताला खोली तो पति सुशीलपुरी गोस्वामी उसके साथ गाली गलौज करते हुये उसके हाथ सें ताला लेकर उसके सिर में बायें कान के उपर मारकर चोट पहुँचा दी तथा जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गया। रिपोर्ट पर धारा 296, 115(2), 351(2) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

टैक्टर ट्रालीं में चोरी की रेत लोड करते जेसीबी चालक गिरफ्तार

जेसीबी मशीन, टैक्टर ट्राली चोरी की रेत सहित जप्त

जबलपुर,देशबन्धु। थाना प्रभारी गोसलपुर राजेन्द्र सिंह मर्सकोले ने बताया कि 23-2-25 को मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ लोग जेसीबी ट्रेक्टर लगाकर देवरी घाट बरने नदी से रेत का अवेध उत्खन्न कर रेत चोरी कर रहे हैं।सूचना पर मुखबिर के बताये स्थान पर दबिश दी गई देवरीघाट बरने नदी ग्राम देवरी में एक पीले रंग की जेसीबी से रेत खोदकर ट्रेक्टर में लगी ट्राली में रेत भरी जा रही थी पुलिस को देखकर जेसीबी ड्रायवर तथा ट्रेक्टर का ड्रायवर जेसीबी एवं ट्रेक्टर ट्राली लेकर वहां से भागने लगे, पीछा कर जेसीबी ड्राईवर को पकड़ा, ट्रेक्टर का चालक ट्रेक्टर में लगी ट्राली रोड़ में पलटाकर ट्रेक्टर एवं ट्राली रोड़ में छोड़कर भाग गया, ट्राली में आधी रेत भरी हुयी थी जीसीबी की सहायता ट्राली को सीधा किया जेसीबी चालक ने पूछताछ पर अपना नाम सौरभ बर्मन उम्र 18 वर्ष निवासी घोराकोनी बताया जिससे रेत के संबंध मे पूछताछ करने पर अपने मालिक शुभम पटैल निवासी कछपुरा के कहने पर जेसीबी लेकर रेत खोदने आना बताते हुये जेसीबी के दस्तावेज एवं लायसेंस नहीं होना बताया। सौरभ बर्मन के कब्जे से पीले रंग की जेसीबी जप्त की गई , सौरभ बर्मन से ट्रेक्टर चालक के संबंध में पूछने पर कोई जानकारी नहीं होना बताया, मौके से ट्रेक्टर ट्राली रेत के जप्त करते हुये सौरभ बर्मन , शुभम पटैल, ट्रेक्टर के चालक के विरूद्ध धारा 303(2), 49 बीएनएस तथा 4/21 गौण खनिज अधिनियम के तहत कार्यवाही की गई।

फांसी के फंदे पर झूला प्रौढ़

जबलपुर,देशबन्धु। थाना गोराबाजार में देर रात हेमन्त कुरील निवासी भूरी बाई का बगीचा गोराबजार ने सूचना दी कि वह हलवाई का काम करता है। किशन लाल उसके मामा हैं जो हनी बाई के किराये के मकान में रहते थे। वे आज खाना खाने नहीं आये तो उसका छोटा बेटा सिद्धार्थ उम्र 8 वर्ष ने किशन लाल के घर आकर देखा कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। दरवाजा खटखटाया तो कोई आवाज नहीं दिया तो बेटा घर आकर पत्नी लक्ष्मी को बताया, पत्नी किशनलाल के घर जाकर दरवाजा खटखटाई कोई आवाज नहीं आयी। अंदर से दरवाजा बंद था पत्नी ने मोहल्ले वालों को बुलाया और बहुत हिलाने पर दरवाजा के अंदर की कुंडी खुल गयी पत्नी ने उसे फोन कर बताया तो वह लगभग 8-50 बजे किशनलाल के घर आया देखा किशनलाल कुरील उम्र 50 वर्ष किचन के अंदर पाईप से कपड़े का फांसी का फंदा बनाकर फांसी के फंदे पर लटका था। किशनलाल कुरील का पूरा परिवार महाकुम्भ प्रयागराज गये हैं। जिन्हें सूचना दी। सूचना पर मर्ग कायम कर जांच में लिया गया।

शराब के लिए रुपये न देने पर किया घायल

जबलपुर,देशबन्धु। विक्की ठाकुर उम्र 21 वर्ष निवासी गुप्ता नगर गढ़ा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह एमपीईबी में प्रायवेट ड्रायवरी करता है । रविवार की शाम लगभग 4-30 बजे वह अपने दोस्त अभिषेक बर्मन, सौरभ ठाकुर के साथ ब्रजेश किराना दुकान के सामने खड़ा था तभी मोहल्ले के पाटन खान, जगदीश चक्रवर्ती आये और हमसे शराब पीने के लिये 1 हजार रूपये मांगने लगे।उसने रूपये देने से मना किया तो गाली गलोज करने लगे, गालियां देने से मना करने कर पाटन खान ने चाकू जैसी नुकीली चीज से हमलाकर उसकी पीठ के नीचे कमर में चोट पहुंचा दी। जगदीश चक्रवर्ती ने हाथ मुक्कों से मारपीट की तथा दोनों जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गये। रिपोर्ट पर धारा 296, 119(1), 115(2), 351(2), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

श्रद्धालुओं से भरी कार ट्रक से टकराई तीन की मौत, दो की हालत गंभीर

देवतालाब के समीप अलसुबह हुई घटना

रीवा देशबन्धु। मऊगंज के देवतालाब के समीप आज अल सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया, श्रद्धालुओं से भरी कार सामने से आ रहे हैं ट्रक से टकरा गई जिसके कारण तीन लोगों की मौत हो गई है वहीं दो की हालत गंभीर बनी हुई है बताया जा रहा है कि कार सवार महाराष्ट्र महाबलेश्वर के रहने वाले हैं जो कुंभ में गंगा स्नान करके मिर्जापुर मार्ग से वापस आ रहे थे आज सुबह तकरीबन 4 बजे तेज रफ्तार कार अचानक अनियंत्रित हो गई जो डिवाइडर को लाघते हुए सड़क के दूसरी ओर चली गई तभी सामने से आ रहे ट्रक से जोरदार टक्कर घटना में कार सवार राकेश परदेसी और अंजना चौरसिया की घटना स्थल पर ही मौत हो गई जबकि रीवा के संजय गांधी अस्पताल में सरिता परदेसी नामक महिला ने भी दम तोड़ दिया कार सवार अन्य लोगों में श्लोक परदेसी गीता परदेसी सहित एक युवक का इलाज चल रहा है जिसमें से दो की हालत गंभीर बनी हुई है घटना की जानकारी मिलने के बाद प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं जहां चिकित्सकों के टीम द्वारा घायलों का उपचार किया जा रहा है घायलों की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है।

खडे ट्रक से भिडी वैन, दो घायल

रीवा। जिले के चाकघाट से है। जहां नेशनल हाईवे 30 पर बघेड़ी चौराहे के पास ईको वैन खड़े ट्रक से भीड़ गई है। हादसे में दो लोगों के घायल होने की सूचना है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आज सुबह छः बजे के करीब ईको वैन हादसे का शिकार हुआ है। जानकारी के अनुसार भोपाल से आधा दर्जन कार सवार लोग प्रयागराज में कुंभ मेले से संगम स्नान कर वापस भोपाल की ओर लौट रहे थे। जो चाकघाट के बघेड़ी में पहुंचते ही सड़क हादसे का शिकार हो गए हैं। यहां पर कई ट्रक अनावश्यक रूप से सड़क पर खड़े हैं। जो हादसों की वजह बन रहे हैं। जिस पर समय रहते प्रशासन समय रहते कार्यवाही नहीं करता और एक बड़ी लापरवाही के चलते लोग सड़क हादसे का शिकार हो रहे है।

महाकुंभ जा रहे श्रद्धालु की हार्ट अटैक से मौत

गंगा स्नान करने दोस्तो के साथ निकला था भोपाल का युवक

पेट्रोल पंप में बिगड़ी युवक की तबियत

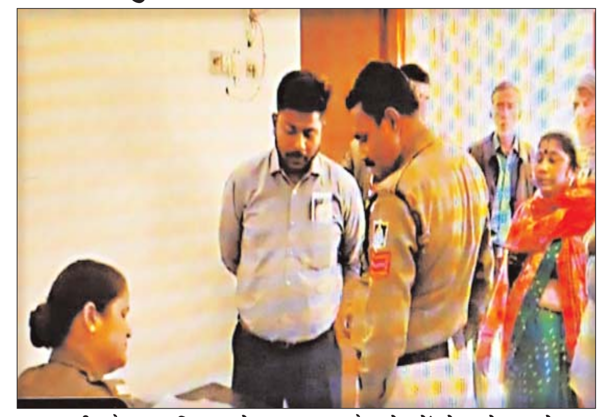

रीवा देशबन्धु। प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में गंगा स्नान करने जा रहे भोपाल के युवक की रीवा में मौत हो गई। युवक की मौत का कारण संभवत: हार्ट अटैक से होना बताया जा रहा है। बताया गया कि रीवा पहुंचे युवक की अचानक तबीयत खराब हो गई जिसे आनन फानन में संजय गांधी अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृत युवक का नाम 19 वर्षीय आकाश बागुल था और वह भोपाल के टीएचआई का निवासी बताया गया है। जानकारी के मुताबिक भोपाल निवासी आकाश कुछ दोस्तों के साथ चार पहिया वाहन से प्रयागराज गंगा स्नान करने जा रहा था। सभी लोग रीवा शहर के समान तिराहे के पास पेट्रोल डलवाने के लिए पेट्रोल पंप में रुके थे। उसी दौरान आकाश मुंह धोने के लिए बाहर उतरा, लेकिन कुछ कदम चलने के बाद अचानक चक्कर खाकर गिर पड़ा। उसके दोस्तों ने उसे उठाने का प्रयास किया, लेकिन वह नहीं उठा। जिसके बाद उसे तुरंत अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रथम दृष्ट्या, उसकी मौत हार्ट अटैक से होने की संभावना जताई जा रही है। पुलिस ने फिलहाल शव को मर्चुरी में रखवा दिया है और परिजनों को सूचना भेज दी है।

सार-समाचार

सिविल अस्पताल : मरीज के परिजन एवं ड्यूटी डॉक्टर तथा सुरक्षा कर्मी विवाद मामला

पीड़ित परिजनों ने घेरा थाना,आज चक्का जाम करके एसडीएम को सौंपेंगे ज्ञापन

पाटन,देशबन्धु। पाटन थानांतर्गत सिविल अस्पताल पाटन में इलाज कराने के दौरान मरीज के परिजन एवं ड्यूटी डॉक्टर के बीच में हुई गाली गलोज एवं जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आ रहा है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक दिनांक 21/02/25 सुबह 7 बजे चौधरी मोहल्ला निवासी प्रिंस यादव अपनी मां का इलाज करने सिविल अस्पताल लेकर आया था इसी दौरान इलाज को लेकर ड्यूटी डॉ वैशाली खन्ना एवं प्रिंस यादव के बीच में कहा सुनी हो गई और नौबत गाली गलोज तक पहुंच गई। इसी बीच आरोपी ने ड्यूटी डॉ वैशाली खन्ना को गंदी गंदी गालियां देकर जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने 296,221,224,351 (3) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया है। वही प्रिंस यादव ने भी ड्यूटी डॉ वैशाली खन्ना के विरुद्ध उसके एवं मरीज के साथ अभद्रता करने और सुरक्षा गार्ड के द्वारा सिविल अस्पताल से बिना इलाज के बाहर करने की शिकायत पुलिस को लिखित दी है जिस पर पुलिस ने अभी तक ड्यूटी डॉ वैशाली खन्ना के विरुद्ध कोई कार्यवाही नहीं की है जिसकी वजह से आज पाटन नगर के मुख्य सड़क पर पीड़ित परिवार एवं मोहल्ले वालों के द्वारा चक्का जाम करके पाटन एसडीएम को ज्ञापन सौंपा जाएगा।

पुलिसकर्मियों द्वारा गाड़ियों को रोककर अवैध वसूली करने की घटनाएं बढ़ रही

पनागर,देशबन्धु। पनागर में पुलिसकर्मियों द्वारा गाड़ियों को रोककर अवैध वसूली करने की घटनाएं बढ़ रही हैं। यह पुलिसकर्मी लोगों को डराते हैं, धमकी देते हैं और तानाशाही से बात करते हैं। इससे लोगों को अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित होना पड़ रहा है। इस मामले में पुलिस प्रशासन को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। पुलिसकर्मियों को निर्देश देना चाहिए कि वे लोगों के साथ सम्मानजनक व्यवहार करें। इसके अलावा, अवैध वसूली करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।पनागर थाने के पुलिसकर्मियों की तानाशाही और जबरदस्ती की कार्रवाई से लोग परेशान हैं। पुलिस बिना किसी कारण के लोगों को रोकती है, उनकी गाड़ियों को जबरदस्ती रोकती है, और हाथ पकड़कर उन्हें रोकती है। इससे दुर्घटना होने का खतरा भी बढ़ जाता है।

लोगों का कहना है कि पुलिसकर्मी उन्हें रजिस्ट्रेशन कार्ड दिखाएं के बाद भी जबरदस्ती चालान बनती है लोगों को पैसे देने के लिए मजबूर करते हैं, और यदि वे नहीं रुकते हैं तो उन्हें अपशब्दों से बात करते हैं। यह पुलिस की जबरदस्ती और तानाशाही का एक उदाहरण है। इस मामले में पुलिस प्रशासन को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए और पुलिसकर्मियों को निर्देश देना चाहिए कि वे लोगों के साथ सम्मानजनक व्यवहार करें।

देर रात बजाने पर पुलिस ने की कार्रवाई, पिकअप सहित डीजे जब्त

अनूपपुर, देशबन्धु। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत बस्ती रोड़ अनूपपुर के अनीता मंडपम मेरिज हाल के सामने सड़क में शनिवार की देर रात बारात में तेज आवाज से डीजे बनाये जाने के मामले में कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा बनाते हुए सांई डीजे सहित पिकअप वाहन को जब्त करते हुए वाहन चालक सुधीर पयासी पिता ओंमकार निवासी जयसिंह नगर एवं सांई डीजे जयसिंहनगर शहडोल के संचालक किशन सोनी पिता ललुआ सोनी निवासी जय सिंह नगर शहडोल को गिरफ्तार करते हुए कार्यवाही की गई है। मामले की जानकारी देते हुए कोतवाली निरीक्षक अरविंद जैन ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, हाईस्कूल, हायर सेकेण्डरी आदि की बोर्ड परीक्षाओं के मद्देनजर 18 फरवरी को मध्यप्रदेश कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1985 के नियम 10 के अंतर्गत कलेक्टर ने प्रतिबंधात्मक निषेधाज्ञा जारी किया गया था। जिसमें किसी भी संस्था या व्यक्ति द्वारा ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम 2000 के प्रावधानो का पालन करते हुए रात्रि 10 बजे के बाद ध्वनि विस्तारक यंत्र वा लाउड स्पीकर, डीजे का प्रयोग करते पाये जाने पर विधिक कार्यवाही किये जाने हेतु आदेशित किया गया है। साथ ही किसी भी व्यक्ति या संस्था द्वारा सक्षम अनुविभागीय दण्डाधिकारी से अनुमति लिये जाने के उपरांत ही रात्रि 10 बजे के पूर्व ध्वनि मानको के प्रावधानो का पालन करते हुए केवल दो साउंड सिस्टम प्रयोग की अनुमति होगी।लेकिन देर रात सांई डी.जे. के संचालक द्वारा लोडिंग पिकअप वाहन में 5 बड़े-बड़े साऊण्ड बाक्स, डी.जे. मिक्सर मशीन एवं एम्पलीफायर लगाकर तेज आवाज में गाने बजाते हुए पाया गया।

कक्षा पांचवीं-आठवीं की वार्षिक परीक्षा आज से, तैयारी पूरी

गाडरवारा, देशबन्धु। राज्य शिक्षा केन्द्र क़े निर्देशानुसार कक्षा 5वीं और 8वीं की वार्षिक परीक्षा आज 24 फरवरी दिन सोमवार से प्रारंभ हो रही है। परीक्षा की समय-सारणी बहुत पहले ही जारी की जा चुकी हैं। इस परीक्षा मे क्षेत्र की समस्त शासकीय, मान्यता प्राप्त अशासकीय और अनुदान प्राप्त शालाओं क़े छात्र छात्राएँ शामिल होंगे । सत्र 2024-25 की यह परीक्षाएँ 5 मार्च को समाप्त होंगी। परीक्षा की व्यवस्था को लेकर राज्य शिक्षा केंद्र ने आवश्यक निर्देश जारी किये हैं।

कक्षा 5वीं की वार्षिक परीक्षा का पहला प्रश्न-पत्र 24 फरवरी को होगा और अंतिम प्रश्न-पत्र एक मार्च 2025 को होगा। प्रश्न-पत्र निर्धारित समय-सारणी के अनुसार दोपहर 2 से शाम 4:30 बजे तक होगा। कक्षा 8वीं की वार्षिक परीक्षा का प्रश्न-पत्र 24 फरवरी को और अंतिम प्रश्न-पत्र 5 मार्च 2025 को होगा। परीक्षा हेतु क्षेत्र क़े साईंखेड़ा ब्लॉक मे कुल 26 परीक्षा केंद्र बनायें गए हैं जिनमे नगर गाडरवारा मे पीएमश्री बीटीआई स्कूल, पीएम श्री शासकीय कन्या नवीन, शासकीय आदर्श उ मा विद्यालय, शासकीय कन्या उ मा विद्यालय एवं सरस्वती उ मा विद्यालय को परीक्षा केंद्र बनाया गया हैं।

इसके अलावा चीचली मे कुल 32 स्कूलों को परीक्षा केंद्र बनाया गया हैं। इस परीक्षा मे चीचली ब्लॉक से 5 वी क़े कुल 2304 एवं 8 वी क़े कुल 2570 तथा साईंखेड़ा ब्लॉक से 5 वी क़े 2800 एवं 8 वी क़े 3200 छात्र छात्राएं शामिल होंगे। परीक्षा मे दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम के प्रावधान अनुसार निःशक्त विद्यार्थियों को अतिरिक्त समय और लेखक की सुविधा प्रदान की जायेगी। परीक्षा क़े आयोजन को लेकर सभी केंद्रों पर आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गईं हैं। केंद्रों पर नियुक्त केंद्र अध्यक्ष, सहायक केंद्र अध्यक्ष द्वारा पर्यवेक्षकों की बैठक लेकर परीक्षा संचालन से जुड़े निर्देश दे दिए गए हैं। स्कूलों मे प्रवेश पत्रों का वितरण शिक्षकों द्वारा पहले ही छात्र छात्राओं को किया जा चुका है।

परीक्षा क़े लिए गोपनीय सामग्री भी जिले से प्राप्त हो चुकी है जिसका वितरण जनशिक्षा केंद्रों से किया जा चुका हैं। जनपद शिक्षा केंद्र चीचली एवं साईंखेड़ा मे परीक्षा क़े संचालन हेतु कंट्रोल रूम बनाये गए हैं। बीईओ प्रतुल इंदुरख्या, नीलम मरावी, बीआरसी डीक़े पटैल, संदीप स्थापक ने परीक्षा मे शत प्रतिशत छात्र छात्राओं की उपस्थिति की अपील की हैं।

कुम्भयात्रियों की कार ट्रक से टकराई

आठ घायल, एक की हालत गंभीर

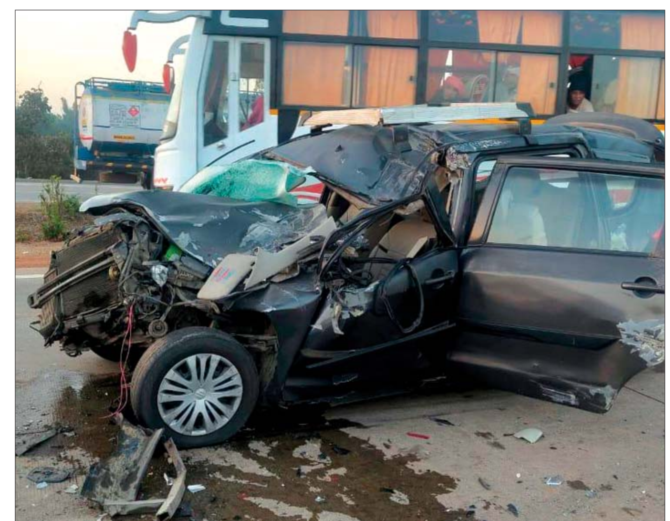

स्लीमनाबाद। स्लीमनाबाद बाईपास के पास हुआ हादसा, ओवरटेक करते समय हुई टक्कर एनएच-30 पर दुर्घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। रविवार की सुबह 5 के करीब स्लीमनाबाद बाईपास पर ठाकुर ढाबा के पास नागपुर से प्रयागराज जा रही आर्टिका कार अचानक चलते हुए ट्रक से जा टकराई जिससे कार में सवार आठ लोग घायल हुए हैं। घायलों में एक की हालत गंभीर बनी हुई है।

घटना के संबंध में पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार रविवार की सुबह नागपुर से प्रयागराज जा रहे तेजराम 25 वर्ष, सुनीता 50 वर्ष, शुभम चौधरी 30 वर्ष, उमेश साठवले 41 वर्ष सतीश मोपे 50 वर्ष, पुरुषोत्तम 55 वर्ष, सपना मौपे 50 वर्ष, नेहा चौधरी 40 वर्ष स्लीमानाबाद के पास हादसे का शिकार हो गये। बताया जाता है कि हाईवे बाईपास पर ओवरटेक के दौरान कुम्भयात्रियों की कार अनियंत्रित होकर ट्रक से जा टकराई। इस हादसे में कार में सवार तीर्थ यात्री घायल हुए हैं, जिनका प्राथमिक उपचार स्लीमनाबाद में किया गया उपचार उपरांत गंभीर रूप से घायल यात्री को जबलपुर रेफर किया गया।

बाइक पर 1 लाख का गांजा ढो रहा था तस्कर

चेकिंग के दौरान उमरिया पान पुलिस ने दबोचा

उमरियापान। उमरियापान पुलिस ने नशा के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए एक आरोपी को वाहन चैकिंग के दौरान गांजा सहित गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी बाइक से गांजे लेकर जा रहा था। पुलिस ने आरोपी के पास से गांजा एक मोबाइल और एक बाइक जप्त करते हुए प्रकरण पंजीबद्ध किया है।

जानकारी के मुताबिक पुलिस अधीक्षक कटनी अभिजीत कुमार रजंन द्वारा नशे के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के दौरान एएसपी संतोष डेहरिया के निर्देशन तथा अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) स्लीमनाबाद प्रभात कुमार शुक्ला के मार्गदर्शन में उमरियापान पुलिस ने वाहन चैकिंग के दौरान गर्रा घाट उमरियापान ढीमरखेड़ा रोड पर बिना नम्बर की मोटर साईकिल चालक राज कुमार बर्मन पिता बद्री प्रसाद बर्मन (35) निवासी ग्राम पिंडरई थाना ढीमरखेड़ा जिला कटनी को पकड़ा।

राजकुमार से पूछताछ करने के बाद मोटर साईकिल में टंगे थैले की तलाशी ली गई, जिसमें 1 किलो 172 ग्राम गांजा रखा पाया गया। जिसकी कीमत एक लाख रुपए बताई जा रही है। आरोपी से माल जप्त कर धारा 8/20 एन.डी.पी.एस. एक्ट के तहत कार्यवाही की गई। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी एसआई दिनेश तिवारी, एएसआई गया प्रसाद मंगोरे, एएसआई कोदूलाल दाहिया, प्रआर. आशीष झारिया, प्र.आर. अजय सिंह, प्रआर. अजय तिवारी, आर. सतेन्द्र चौरसिया, आर. मोहन मुवेल, आर.क. मनोज कुम्हरे, आर. नीलेश पटेल की विशेष भूमिका रही।

कुंभ जा रहे छत्तीसगढ़ के वाहन ने बाइक सवार को दो किमी तक घसीटा, मौत

घंटो शव रखकर लोगों ने किया विरोध

अनूपपुर, देशबन्धु। शहडोल अनूपपुर सड़क पर रविवार तड़के छत्तीसगढ़ के प्रयागराज कुंभ स्नान करने जा रहे एक बेलगमा चार पहिया वाहन ने बाइक सवार को टक्कर मारने के बाद चार पहिया वाहन ने बंपर में फंसे एक बाइकसवार युवकों को करीब दो किलो मीटर अनूपपुर जिले से शहडोल जिले तक घसीटता हुआ ले गया। इससे घसीटे गए युवक की मृत्यु हो गई।

मृतक की पहचान अनूपपुर जिले के चचाई थाना क्षेत्र के अमलाई मोहाडे निवासी सुनील यादव के रूप में हुई। वह एक निजी कंपनी में काम करता था। घर लौटते समय अमलाई तिराहे पर यू-टर्न लेते वक्त छत्तीसगढ़ से आ रहे वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मारी। छत्तीसगढ़ से प्रयागराज कुंभ स्नान करने जा रहे एक बेलगमा चार पहिया वाहन ने बाइक सवार को टक्कर मारने के बाद चार पहिया वाहन ने बंपर में फंसे एक बाइक सवार युवकों को करीब दो किलोमीटर अनूपपुर जिले से शहडोल जिले तक घसीटता हुआ ले गया। जिससे बाइक सवार युवक की दर्दनाक मौत हो गई।

घटना के बाद स्थानीय लोगो घटना स्थल पर हे शव रखकर जमकर विरोध जताया, यह दिल दहला देने वाली घटना अनूपपुर जिले के चाचाई थाना क्षेत्र के शहडोल मार्ग की हैं। घंटो चले इस विरोध के बाद मौके पर पहुंचे अधिकारियों की समझाइश के बाद मामला शांत हुआ।

अमलाई थाना प्रभारी जेपी शर्मा का कहना है कि एक तेज रफ्तार चार पहिया वाहन अनूपपुर जिले के चाचाई थाना क्षेत्र में एक बाइक सवार का एक्सीडेंट कर शहडोल जिले के अमलाई थाना क्षेत्र तक घसीट कर ले आया था, जिससे बाइक सवार युवक की मौत के बाद कुछ लोग विरोध कर रहे थे ,जो की समझाइश के बाद मामला शांत हो गया था, इस मामले पर अनूपपुर जिले की चचाई पुलिस कार्यवाही कर रही है।

पुलिस की अनदेखी से सड़क बनी आहाताबार

गाडरवारा, देशबन्धु। शासन ने अहाताबार बंद कर दिए, ताकि शराबी शराब पीकर उत्पात न मचाएँ और सभ्यता बनी रहें। आम नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न ही, लेकिन धुलिस, आबकारी और प्रशासनिक अधिकारियों को अनदेखी का आलम यह है कि सहमे ही अहाताबार बन गई है। नगर में खुलेआम सड़कों पर जहां मन चाहे यहां खड़े होकर शराब पी जा रही है। कोई आपत्ति लेता है तो उसके साथ गाली गलौच कर दी जाती है। इस पर रोक लगाने वाला कोई नहीं है। इससे अब नागरिक त्रस्त हो चुके हैं।

नगर में शराबियों का ऐसा ही जमघट रोजाना लग रहा है। शराबियों ने ओपन अहाताबार बना लिया है। जहां सड़कों पर खड़े होकर लोगों की दुकानों के सामने होटलो पर बैठकर, रेलवे के गेट के पास निर्माणाधीन ओवर ब्रिज के नीचे, बायपास सड़क के किनारे बैठकर शराब पी जा रही है। एक प्रकार से यहां की सड़क सुबह होते और देर रात तक आहाताबार का रूप ले लेती है। पूर्व में कई बार नगर वासियों ने कार्यवाही की मांग की, लेकिन पुलिस आती है, शराब पीने और पिलाने वालों को समझाइस देकर चली जाती है और अपने कर्तव्य से पल्ला झाड़ लेती है। रोजाना नगर में अवैध रूप से शराब पिलायी जा रही है। शराबियों द्वारा उत्पात मचाया जाता है व गाली गलौच एवं विवाद किया जाता है। शराबियों के उत्पात से आमजन व दुकानदार परेशान हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के आसपास शराब सेवन के साथ खाद्य सामग्री विक्रय की जाने वाली दुकानों पर जहां पर शराबियो द्वारा खुलेआम शराब पी जाती है। चखने बेचने के लालच में सड़क के किनारे अवैध तरीके से दुकानी पर शराब पिलायी जा रही है। इस दौरान शराबियों द्वारा शराब पीकर उत्पात मचाया जाता है।

बायपास रोड परशाम के समय तो यहां सड़कों पर अहाताबार जैसी स्थिति बन जाती है। शराबियों द्वारा शराब पीकर दुकानो के सामने ही उल्टियां कर देते है। यहां वहां खाली बाटल और डिस्पोजल फेंक देते है। बोतल फोड़ देते हैं, जिससे अस्वच्छता की स्थिति बनती है। मप्र शासन द्वारा खुले में शराब पीना या पिलाना प्रतिबंधित किया गया है। बावजूद उसके इसका पालन नही हो रहा है, जहां दुकान संचालित हो रही है, वह प्रतिबंधित क्षेत्र है। शराबियो को पुलिस केवल समझाइस देती है ओर चली जाती है।

देखते ही देखते जलकर खाक हो गया मिनी ट्रक

शहडोल, देशबन्धु। चलते मिनी ट्रक में अचानक शार्ट सर्किट से आग लग गई। आग ने पुरे ट्रक को अपने आगोश में ले लिया और मिनी ट्रक धू धू कर जलकर राख हो गया है। घटना खैरहा थाना क्षेत्र के करकटी गांव की है। जानकारी लगते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने दमकल कर्मियों को बुलाया लेकिन जब तक आग विकराल रूप धारण कर चुकी थी, कड़ी मशक्कत के बाद आग को बुझाया गया लेकीन जब तक वाहन जल कर राख हो चुका था। मिनी ट्रक में लकड़ी का छिलका लोड था।

चालक ने बताया कि वाहन में लकड़ी का छिलका लोड कर वह पेपर मिल से भिलाई जा रहा था। तभी रास्ते में करकटी गांव के पास मिनी ट्रक में अचानक शॉर्ट सर्किट की वजह से इंजन में आग लग गई, समय रहते ही चालक ने उसे बुझाने की उतरकर कोशिश की, लेकिन चालक की कोशिश नाकाम रही। घटना देख स्थानीय लोगों ने मामले की जानकारी पुलिस की डायल हंड्रेड को दी, जानकारी लगने के बाद डायल 100 पुलिस के साथ थाना प्रभारी दिलीप सिंह अपने दलबल के साथ मौके पर पहुंचे, और दमकल कर्मियों को मामले की खबर दी गई। धनपुरी का दमकल वाहन मौके पर पहुंचा जब तक आग विकराल रूप धारण कर चुकी थी।पुलिस के अनुसार मिनी ट्रक का चालक अशोक सिंह रायपुर का रहने वाला है,और वह पेपर मिल अमलाई से लकड़ी का छिलका लेकर भिलाई जा रहा था, तभी रास्ते में यह घटना घटी है,शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगने की बात सामने आई है, चालक में कूद कर अपनी जान बचाई है।

वर्क रिपोर्ट दो नहीं तो नौकरी से छुट्टी समझो, एलन मस्क ने सरकारी कर्मचारियों को दे दी वॉर्निंग

वाशिंटन। अमेरिका में डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी के हेड एलन मस्क ने सरकारी कर्मचारियों के चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर वे अपने काम का ब्यौरा नहीं भेजते हैं तो मान लिया जाएगा कि उन्हेंने इस्तीफा दे दिया है और उन्हें नौकरी से हाथ धोना पड़ेगा। उन्होंने सप्ताहभर के कामकाज की जानकारी मांगी है। बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप की सरकार में उन्हें सरकार का आर्थिक बोझ कम करने की जिम्मेदारी दी गई है। नई सरकार बनने के बाद कई विभागों मे छंटनी हो चुकी है। मस्क ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, राष्ट्रपति के निर्देशों के मुताबिक सभी सरकारी कर्मचारियों को एक मेल मिलेगा। आपसे निवेदन है कि बात को समझें और पिछले सप्ताह के कामकाज का ब्यौरा दें। ऐसा ना करने पर उनका इस्तीफा मान लिया जाएगा। मस्क ने एक्स पर की गई पोस्ट में यह नहीं बताया कि इसकी डेडलाइन क्या है। बता दें कि शुक्रवार को ही रक्षा विभाग में सिविलियन वर्कफोर्स कम किया गया था। ट्रंप प्रशासन ने कई अन्य विभागों में भी लोगों को नौकरियां छीन ली हैं। डीओजीई नाम का नया विभाग डोनाल्ड ट्रंप ने बनाया है जो कि स्वतंत्र रूप से काम करता है।

हमास के चंगुल से आजाद होते ही आतंकियों को चूमने लगे इजरायली

तेलअवीव। हमास ने शनिवार को छह इजरायली बंधकों को छोड़ा। इनमें से एक बंधक ओमर शेम तोव ने आतंकियों को मंच पर चूम लिया। यह देख वहां मौजूद सभी लोग चौंक गए। आपको बता दें कि इन्हें 500 से अधिक दिनों के बाद रिहा किया गया। इस घटना को लेकर ओमर शेम तोव ने विस्तार से बात की है। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने दबाव में उन्हें चूमा। उन्हें ऐसा करने को कहा गया था। डेली एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने यह भी कहा कि उनके पिता ने बताया कि उन्हें यह सब करने के लिए मजबूर किया था। शेम तोव के पिता ने बताया कि उनके बेटे को किसने और किसे किस करना है। ये सब आदेश दिया गया था। वीडियो में साफ दिख रहा है कि कोई आया और उसे बताया कि क्या करना है। उन्होंने कान टीवी से बातचीत में ये बातें कही हैं। ओमर शेम तोव की रिहाई 7 अक्टूबर 2023 को हुए हमास द्वारा आयोजित आतंकवादी हमलों के एक साल से भी ज्यादा समय बाद हुई है। इन हमलों में दक्षिणी इजरायल में करीब 1,200 लोग मारे गए थे और

लगभग 250 लोग अगवा किए गए थे। उनमें से एक शेम तोव भी थे। शेम तोव और अन्य दो व्यक्ति तब इजरायल के नेगव रेगिस्तान में नवा संगीत महोत्सव में बंधक बना लिए गए थे।

इजरायल ने लेबनान-सीरिया सीमा क्रॉसिंग को बनाया निशाना

यरूशलम, (आईएएनएस)। इजरायल ने एक बार फिर लेबनान-सीरिया सीमा क्रॉसिंग पर हमला किया है। इजरायली सेना ने शनिवार को एक बयान में कहा कि उसने सीरिया और लेबनान के बीच सीमा क्रॉसिंग पर हवाई हमले किए हैं। हिजबुल्लाह इस क्रॉसिंग का इस्तेमाल लेबनान में हथियारों की तस्करी के लिए कर रहा है। इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने दावा किया कि हिजबुल्लाह ने अवैध रूप से हथियारों को स्थानांतरित करने के प्रयास में क्रॉसिंग का इस्तेमाल किया है। इस तरह की गतिविधियां इजरायल और लेबनान के बीच 27 नवंबर, 2024 से प्रभावी युद्धविराम समझौतों का उल्लंघन हैं। साथ ही, उन्होंने हिजबुल्लाह को 'आतंकवादी संगठन' करार दिया है। आईडीएफ ने कहा है कि वह इजरायल के लिए खतरों को बेअसर करने का काम जारी रखेगा। ब्रिटेन स्थित युद्ध निगरानी संस्था सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि इजरायली हमलों ने लेबनान की सीमा के पास सीरिया के बीहड़ कलामौन क्षेत्र स्थित इलाकों को निशाना बनाया। निगरानी संस्था ने इन स्थलों को सीरिया से लेबनान में हिजबुल्लाह के कथित हथियारों के हस्तांतरण के लिए ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण बताया। फिलहाल, इजरायल के हमले में अभी तक किसी के हताहत होने या नुकसान की सूचना नहीं मिली है। सीरियाई या लेबनानी अधिकारियों या फिर हिजबुल्लाह की ओर से कोई आधिकारिक बयान भी नहीं आया है। इससे पहले, फरवरी में इजरायली सेना ने पूर्वी और दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर हवाई हमले किए थे। इजरायली सैन्य प्रवक्ता ने कहा कि एक इजरायली विमान ने पूर्वी लेबनान के बेका क्षेत्र में हिजबुल्लाह द्वारा हथियारों के हस्तांतरण के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एक भूमिगत सुरंग पर हमला किया था, जो सीरिया से लेबनानी क्षेत्र तक फैली हुई थी। इस क्षेत्र को पहले भी इजरायली बलों द्वारा निशाना बनाया गया था। प्रवक्ता ने ये भी कहा कि इजरायली वायुसेना ने दक्षिणी लेबनान में उन स्थानों पर भी हमला किया, जहां खतरा पैदा करने वाले हथियार और रॉकेट लांचर रखे हुए थे।

सिर्फ सिफारिश, जबरदस्ती नहीं : गाजा पर बदले डोनाल्ड ट्रंप के सुर

वाशिंगटन, (आईएएनएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि वह अपने गाजा प्लान की केवल सिफारिश करेंगे इसे जबरन लागू नहीं करेंगे। ट्रंप ने गाजा पट्टी को खाली करने और इसे अमेरिकी नियंत्रण में लेकर विकसित करने की योजना पेश की थी जिसकी व्यापक आलोचना हुई थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक फॉक्स न्यूज से बात करते हुए ट्रंप ने कहा, मैं आपको बताऊंगा कि इसे कैसे करना है। मुझे लगता है कि यह योजना वास्तव में कारगर है। लेकिन मैं इसे जबरदस्ती थोप नहीं रहा हूं। मैं बस बैठकर इसकी सिफारिश करूंगा। और फिर अमेरिका इस साइट का मालिक होगा, वहां कोई हमास नहीं होगा। और उन्हें विकसित किया जाएगा और आप एक नई शुरुआत करेंगे। मिस्त्र और जॉर्डन समेत अरब देशों ने फिलिस्तीनियों को पूरी तरह से विस्थापित करने और युद्धग्रस्त क्षेत्र का पुनर्विकास करने के ट्रंप के विचार को खारिज कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने विस्थापित फिलिस्तीनियों को स्वीकार करने के प्रस्ताव पर सहमत न होने पर मिस्त्र और जॉर्डन को दी जाने वाली विदेशी सहायता को भी बंद करने भी धमकी दी। बाद में, जॉर्डन 2,000 बीमार बच्चों को लेने के लिए सहमत हो गया। ट्रंप ने इस बात पर भी हैरान जताई कि क्यों 2005 में इजरायल ने गाजा पट्टी से एकतरफा वापसी की और फिलिस्तीनी प्राधिकरण को नियंत्रण सौंप दिया।

पोप फ्रांसिस की हालत गंभीर, डॉक्टरों को खून में खतरनाक संक्रमण का भी डर

पोप फ्रांसिस की हालत शनिवार को गंभीर हो गई और उन्हें लंबे समय तक दमा संबंधी श्वास समस्या बनी रही, जिसकी वजह से उन्हें सांस लेने में काफी दिक्कत हो रही है। वेटिकन ने एक बयान में कहा कि फ्रांसिस फेफड़ों के संक्रमण के कारण एक सप्ताह से अस्पताल में भर्ती हैं और जांच में पता चला कि उनमें एनीमिया की स्थिति है। फ्रांसिस (88) को 'ब्रोंकाइटिस' की समस्या के बाद 14 फरवरी को रोम के जेमेली अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया था और मंगलवार को चिकित्सकों ने उनके दोनों फेफड़ों में निमोनिया का निदान किया। इसके साथ ही उनकी श्वास नली में 'पॉलीमाइक्रोबियल' संक्रमण भी पाया गया था। चिकित्सकों ने कहा है कि फ्रांसिस की हालत बहुत खराब है और उनकी स्थिति किसी भी तरह से खतरे से बाहर नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी है कि फ्रांसिस के सामने मुख्य खतरा 'सेप्सिस' की शुरुआत होना होगा, जो रक्त का एक गंभीर संक्रमण है। पोप की मेडिकल टीम ने कहा कि शुक्रवार तक किसी भी तरह के 'सेप्सिस' का कोई संकेत नहीं मिला तथा विभिन्न दवाओं के सेवन का फ्रांसिस पर असर हो रहा है। डॉक्टरों ने कहा कि सांस में ज्यादा दिक्कत होने की वजह से ऑक्सीजन का हाई फ्लो देना पड़ा था। इसके अलावा टेस्ट् में प्लेटलेट्स काउंट भी कम थीं। ऐसे में ब्लड ट्रांसफ्यूजन देना जरूरी था।

मोदी की बात लोकतंत्र के लिए खतरा कैसे? मेलोनी ने लेफ्ट विंग को लताड़ा, ट्रंप का भी लिया नाम

इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने शनिवार को वॉशिंगटन डीसी में आयोजित कंजरवेटिव पॉलिटिकल एक्शन कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए लेफ्ट विंग की जमकर क्लास लगाई है। उन्होंने इस पूरे खेमे को दोहरा चरित्र वाला बताया। साथ ही उन्होंने इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की तारीफ की। इस दौरान व एलीट और लेफ्ट विंग नेताओं पर जमकर हमला बोला।

मेलोनी ने कहा कि आज के समय में जब ट्रंप, मेलोनी, जावियर मिलैई या नरेंद्र मोदी जैसे नेता बात करते हैं तो उन्हें लोकतंत्र के लिए खतरा करार दिया जाता है। उन्होंने आगे कहा कि 90 के दशक में बिल क्लिंटन और टोनी ब्लेयर को ग्लोबल लेफ्टिस्ट लिबरल नेटवर्क बनाने के लिए %राजनेता% माना जाता था। उन्होंने कहा, यह लेफ्ट विंग का दोहरा मानक है, लेकिन हम इसकी आदत डाल चुके हैं। अच्छी खबर यह है कि अब लोग उनके झूठों पर विश्वास नहीं करते। हम पर जितनी भी कीचड़ उछाली जाती है नागरिक हमें ही वोट देते हैं। मेलोनी ने ट्रंप को एक मजबूत नेता बताया जो वैश्विक कंजरवेटिव्स के साथ एकजुट रहेंगे। उन्होंने कहा, लेफ्ट विंग घबराया हुआ है और ट्रंप की जीत के साथ उनका गुस्सा उन्माद में बदल गया है। केवल इसलिए नहीं कि कंजरवेटिव्स जीत रहे हैं, बल्कि इसलिए कि अब कंजरवेटिव्स दुनिया भर में एकजुट हो रहे हैं। इटली की कंजरवेटिव पार्टी ब्रदर्स ऑफ इटली की नेता मेलोनी जनवरी में ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने वाली एकमात्र यूरोपीय सरकार प्रमुख थीं। सीपीएसी में मेलोनी की मौजूदगी को रोम में उनके राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों ने कड़ी आलोचना का सामना किया।

यह विवाद उस समय और बढ़ गया जब ट्रंप के पूर्व मुख्य रणनीतिकार स्टीव बैनन ने इस हफ्ते सम्मेलन में नाजी सलूट दिया। विपक्षी सांसदों ने मेलोनी से सीपीएसी में अपनी भागीदारी को रद्द करने का आह्वान किया। इटली की सेंटर-लेफ्ट डेमोक्रेटिक पार्टी की नेता एल्ली श्लीन ने भी मेलोनी से इस घटना से दूर रहने की अपील की। उन्होंने कहा, उन्हें इस नियो-फासीवादी आयोजन से खुद को अलग कर लेना चाहिए। मेलोनी ने ट्रंप के रूस के साथ कूटनीतिक रिश्तों और नाटो के प्रति उनके बदलाव की चेतावनियों के बीच अमेरिकी और यूरोपीय साझेदारी पर विश्वास व्यक्त किया। उन्होंने कहा, अमेरिका और यूरोप ट्रंप की सरकार में निकट बने रहेंगे।

आज का इतिहास

1483-प्रथम मुग़ल शासक बाबर का जन्म।

1739-करनाल में हुए युद्ध में फ़ारस पर सत्तासीन तुर्क नादिरशाह ने मुग़ल शहंशाह आलम की भारतीय सेना को हरा दिया।

1821-मैक्सिको ने स्पेन से स्वतंत्रता हासिल की।

1822-दुनिया के पहले स्वामी नारायण मंदिर का अहमदाबाद में उद्घाटन हुआ।

1831-दा ट्रीटि ऑफ़ डासिंग रेबिट क्रीक वह पहली संधि है जिसे भारतीय रिमूवल एक्ट से हटाने की घोषणा की गयी।

1882-संक्रामक बीमारी टीबी की पहचान आज ही के दिन की गई थी।

1894-निकारागुआ ने होंडुरास की राजधानी तेगुसिगालपा पर क़ब्ज़ा किया।

1895-क्यूबा में स्वतंत्रता प्राप्ति के लिये लड़ाई शुरु हुई।

1919-भारतीय राजनीतिज्ञ शारदा मुखर्जी का जन्म।

1924-प्रसिद्ध भारतीय गजल गायक और अभिनेता तलत महमूद का जन्म।

1976-अर्जेन्टीना में सेना प्रमुखों द्वारा बलात् सत्ता ग्रहण, राष्टपति श्रीमती पैरों गिरफ्तार एवं संसद भंग।

1984-भारत की टेबल टेनिस खिलाड़ी मौउमा दास का जन्म।

सुडोकू 6835

		4		1			8	
					6	2		4
	5				7	9		
4					8			
	9		1		2		6	
			5					7
		6	7				1	
2		3	6					
	1			8		3		

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गो का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

भारत हमारा बहुत फायदा उठाता है, उसे पैसे की जरूरत नहीं, एसएआईडी फंडिंग पर बोले डोनाल्ड ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर जो बाइडन प्रशासन पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि उसने भारत को चुनाव में मदद के लिए 1.8 करोड़ अमेरिकी डॉलर की धनराशि आवंटित की जबकि उसे इसकी जरूरत नहीं है। ट्रंप ने कंजर्वेटिव पॉलिटिकल एक्शन कॉन्फ्रेंस में अपने भाषण के दौरान यह टिप्पणी की। उन्होंने पहले भी कई बार दावा किया है कि चुनावों में मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए भारत को 2.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर की वित्तीय मदद दी गई। उन्होंने इसके लिए अमेरिका की अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी पर निशाना साधा है। ट्रंप के इस दावे के बाद से भारत में विवाद पैदा हो गया है। अपने भाषण में ट्रंप ने भारत पर अमेरिका का फायदा उठाने का भी आरोप लगाया। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, 'भारत को उसके चुनावों में मदद के लिए 1.8 करोड़ डॉलर दिए गए। आखिर क्यों? हम भारत को चुनावों के लिए पैसे दे रहे हैं। उन्हें पैसे की जरूरत नहीं है।' उन्होंने कहा कि वे हमारा बहुत फायदा उठाते हैं। वे दुनिया में सबसे अधिक कर लगाने वाले देशों में से एक हैं। वे 200 प्रतिशत कर लगाते हैं और फिर हम उन्हें उनके चुनाव में मदद करने के लिए बहुत सारा पैसा दे रहे हैं।' ट्रंप ने बांग्लादेश को 2.9 करोड़ अमेरिकी डॉलर देने के लिए भी यूएसएआईडी की आलोचना की।

2.9 करोड़ अमेरिकी डॉलर का कहां पर इस्तेमाल

डोनाल्ड ट्रंप ने किसी का नाम लिए बिना कहा, '2.9 करोड़ अमेरिकी डॉलर का इस्तेमाल राजनीतिक परिदृश्य

को मजबूत करने और उनकी मदद करने के लिए किया जाएगा ताकि वे बांग्लादेश में कट्टरपंथी वामपंथी कम्युनिस्ट के लिए वोट कर सकें।'

सूडान के व्हाइट नील राज्य में हैजा से तीन दिनों में 83 लोगों की मौत: एनजीओ

खार्तूम, (आईएएनएस)। स्थानीय गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) ने बताया कि सूडान के व्हाइट नाइल राज्य में हैजा से मौत को लेकर भयावह आंकड़ा साझा किया है। इसके मुताबिक पिछले 72 घंटों में हैजा से 83 लोगों की मौत हो गई है। गैर-सरकारी सूडानी डॉक्टर्स नेटवर्क ने शनिवार को एक बयान में कहा, व्हाइट नाइल में हैजा फैलने से 83 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 1,197 अन्य संक्रमित हुए हैं, जिनमें से शुक्रवार तक 259 लोग ठीक हो चुके हैं। नेटवर्क ने स्थानीय प्राधिकारियों से जागरूकता अभियान तेज करने, बाजारों को संक्रमणमुक्त करने, पारंपरिक तरीकों से पेयजल वितरण को रोकने तथा जल नेटवर्क की कमी वाले क्षेत्रों में क्लोरीन वितरित करने का भी आह्वान किया।

इस बीच, स्थानीय स्वयंसेवी समूह निदा अल-वसत प्लेटफार्म ने चेतावनी दी कि व्हाइट नाइल राज्य के प्रमुख शहर कोस्टी में स्वास्थ्य स्थिति बहुत खतरनाक मोड़ ले रही है, जहां 800 से अधिक हैजा के मामले सामने आए हैं और कई लोगों की मौत हुई है।

एक अन्य गैर सरकारी संगठन, डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स (एमएसएफ) ने भी एक प्रेस विज्ञप्ति में पुष्टि की कि बड़ी संख्या में लोगों की मृत्यु हो गई है, और 800 से अधिक लोग तेज दस्त, डिहाइड्रेशन, उल्टी आदि के लक्षणों के साथ कोस्टी टीचिंग अस्पताल में हैजा उपचार केंद्र में इलाज करा रहे हैं, जिसे एमएसएफ द्वारा सहायता प्राप्त है।

वर्ग पहेली 6835

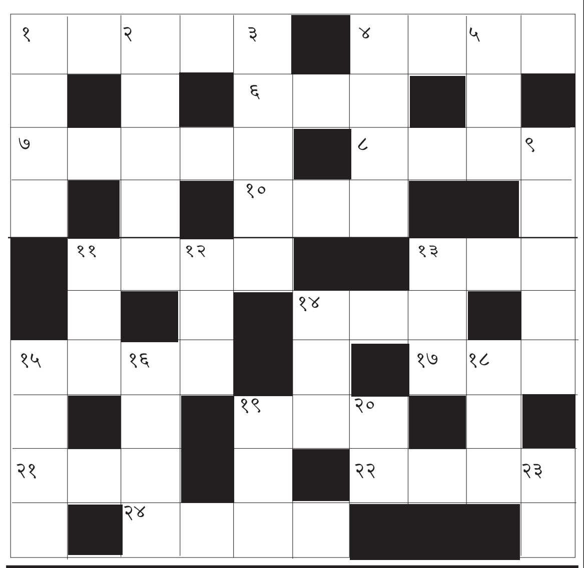

बायें से दायें:-

१. जिस दिन किसी का जन्म हुआ हो
४. चिढ़ाना, नकल उतारना, उपहास का विषय
६. माथा, ललाट
७. दबने या दबाये जाने का भाव
८. निर्लज्ज, बेहया
१०. गुलामी
११. 'शेयर होल्डर'
१३. दुष्ट व्यक्ति
१४. जीवावशेष
१५. प्राकृतिक, नैसर्गिक (उर्दू)
१७. ऊंट के नाक या किसी नुकीली चीज की नोंक
२१. मूर्खता, नासमझी (उर्दू)
२२. के सहारे के द्वारा (उर्दू)
२४. ओस (उर्दू)

ऊपर से नीचे:-

१. परशुराम के पिता
२. दो दिशाओं में बीच की जगह
३. बुद्धिमान
४. बेचैनी
५. पथिक, राहगीर
९. आंसू
११. लक्ष्मण के एक पुत्र का नाम
१३. शत्रु, बैरी
१४. बहादुर, साहसी, हिम्मतवर
१५. वह पत्र या कागज जिसमें किसी संपत्ति को कुर्क करने संबंधी आदेश लिखा हो (उर्दू)
१६. चंद्रमा
१८. सिर्फ, मात्र
१९. स्वर्ण, सोना
२०. किस समय
२३. एवं, और

वर्ग पहेली-6834

१ पु	रा	२ ता	त्वि	३ क	■	४ क	र्म	५ शा	ला
रो	■	ने	■	६ टु	क	ड़ा	■	ति	■
७ हि	म	मा	न	व	■	८ प	द	र	९ ज
त	■	र	■	१० च	ल	न	■	■	न
■	११ अ	ना	१२ सी	म	■	■	१३ अ	स्थ	मा
■	मु	■	प	■	१४ श	प	थ	■	न
१५ स	र	१६ ता	ज	■	मि	■	१७ वा	१८ प	स
ह	■	प	■	१९ ब	ता	२० ना	■	रिं	■
२१ च	क	मा	■	धि	■	२२ दा	ग	दा	२३ र
र	■	२४ न	ग	र	ज	न	■	■	स

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

दावा *जम्मू-कश्मीर में पावर डेवलपमेंट के अधिकारियों का दावा*

कश्मीर में जल विद्युत उत्पादन में 90 प्रतिशत की कमी

■ **सुरेश एस डुग्गर**

जम्मू, (देशबन्धु)। यह पूरी तरह से सच है कि जल विद्युत उत्पादन में भारी कमी के बीच जम्मू-कश्मीर वर्तमान में 85 प्रतिशत से अधिक कोयले और सौर ऊर्जा पर निर्भर हो चुका है। पावर डेवलपमेंट के अधिकारियों का दावा है कि स्थानीय बिजली संयंत्रों से स्थानीय जल विद्युत उत्पादन में लगभग 90 प्रतिशत की कमी आई है।

पीडीडी के एक शीर्ष अधिकारी ने पत्रकारों को बताया कि वर्तमान में जम्मू-कश्मीर 85-90 प्रतिशत कोयले और सौर ऊर्जा पर निर्भर है, जिसे अन्य राज्यों से खरीदा जा रहा है, क्योंकि अभी तक हमारे पास स्थानीय बिजली उत्पादन नहीं है।

अधिकारी ने बताया सर्दियों में जम्मू कश्मीर बिजली संयंत्रों की स्थानीय जल विद्युत उत्पादन में लगभग 90 प्रतिशत की कमी आई है और अपेक्षित बिजली की मांग को पूरा करने के लिए, हमें एक आधार बिजली की उपलब्धता की आवश्यकता है जिसे हम बाहरी राज्यों से खरीदते हैं। ऊर्जा कोयला आधारित ऊर्जा है। अधिकारी ने आगे कहा कि विभाग पहले से ही अन्य राज्यों के साथ विभिन्न बिजली खरीद समझौते (पीपीए) कर रहा है। अधिकारी के बकौल, पिछले साल हमने शक्ति नीति के तहत 390 मेगावाट से अधिक कोयला आधारित बिजली के पीपीए में प्रवेश किया था।

■ **वर्तमान में लगभग 85 फीसदी बिजली बाहर से खरीदने को मजबूर**

भविष्य में जम्मू-कश्मीर में बिजली की मांग को पूरा करने के लिए अधिक कोयला आधारित बिजली और अधिक पीपीए में प्रवेश करना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि 2024 और चालू वर्ष में स्थानीय जल विद्युत उत्पादन में भारी कमी है।

सर्दियों में स्थानीय बिजली उत्पादन के लिए स्थिति अच्छी नहीं है। गौरतलब है कि इस सप्ताह की शुरुआत में बताया था कि पिछले एक महीने में, कम बर्फबारी और कम जल स्तर के कारण जम्मू कश्मीर में बिजली संयंत्रों से जल विद्युत उत्पादन में पांच प्रतिशत की कमी आई है। कुल मिलाकर, जम्मू कश्मीर में स्थानीय संयंत्रों से जल विद्युत उत्पादन में 84.17 प्रतिशत की कमी आई है। जनवरी के महीने में, विद्युत विकास विभाग (पीडीडी) स्थानीय जल विद्युत परियोजनाओं से लगभग 250 मेगावाट बिजली पैदा कर रहा था, जो कुल उत्पादन क्षमता का 20 प्रतिशत है। हालांकि, चालू महीने में बिजली उत्पादन में पांच प्रतिशत की कमी आई है। अधिकारी कहते थे कि हालांकि, बिजली उत्पादन में और कमी आई है। अधिकारियों का कहना है कि चालू महीने में विभाग केवल 190 मेगावाट बिजली ही पैदा कर पाया है।

इसके अलावा, अधिकारियों ने कहा है कि वर्ष 2034-35 में जम्मू कश्मीर को वार्षिक बिजली की 29 प्रतिशत 'जबरन लोड शेडिंग' का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा, उन्होंने आगे अनुमान लगाया है कि आने वाले दस वर्षों में जम्मू कश्मीर और लद्दाख में बिजली की मांग की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) में चार प्रतिशत से अधिक की वृद्धि होने की संभावना है।

खेल जगत

भारत की टीम पाकिस्तान के मुकाबले बहुत शक्तिशाली : संतोष पिंगुलकर

विरार (महाराष्ट्र)। भारतीय क्रिकेटर पृथ्वी शॉ के पूर्व कोच संतोष पिंगुलकर ने कहा है कि भारत की टीम पाकिस्तान के मुकाबले बहुत शक्तिशाली नजर आ रही है। पिंगुलकर ने बताया कि भारत की टीम पाकिस्तान के मुकाबले बहुत शक्तिशाली नजर आ रही है जबकि पाकिस्तान की टीम करीब करीब वही है। उन्होंने कहा कि हमारी टीम में अनुभवी खिलाड़ी है,विराट कोहली,रोहित उनके साथ के सभी खिलाड़ी,सभी दमखम दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अभी पिछले मैच को देखा,बहुत अच्छी तरह मैच जीता। पाकिस्तान हमेशा दबाव में रहा है,भारत के साथ खेलते वक्त,और इस साल इस बार भी चैंपियन ट्रॉफी में बहुत प्रेशर में है। अक्टूबर 2023 के बाद वनडे क्रिकेट मैच में आज भारत और पाकिस्तान आपस में भिड़ रहे हैं, इसको लेकर पटना में भी गजब का उत्साह है, खासकर क्रिकेट खिलाड़ी और फैंस तो मानो कब से इसका इंतजार कर रहे हैं।

भारत मौजूदा चैम्पियन नीदरलैंड का सामना करने के लिए तैयार

महिला एफआईएच प्रो लीग

भुवनेश्वर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के घरेलू चरण का शानदार अंत करने का लक्ष्य लेकर मैदान में उतरेगी, क्योंकि वह 24 और 25 फरवरी को यहां कलिंगा हॉकी स्टेडियम में मौजूदा चैंपियन नीदरलैंड का सामना करने के लिए तैयार है। मिश्रित परिणामों की एक श्रृंखला के बाद, सलीमा टेटे की अगुवाई वाली भारतीय टीम अपनी हालिया गति को बनाए रखने और डच टीम को पछाड़कर बड़ा उलटफेर करने की कोशिश कर रही है। भारत ने अपने अभियान की शुरुआत इंग्लैंड पर 3-2 की रोमांचक जीत के साथ की, लेकिन 2-2 के नियमित समय के ड्रॉ के बाद 2-1 से शूटआउट में दूसरा गेम हार गया। स्पेन के खिलाफ, भारत काफी करीब पहुंच गया, लेकिन लगातार हार का सामना करना पड़ा, पहले 3-4 से हार गया और फिर एक कड़े मुकाबले में 1-0 से हार गया। जर्मनी के साथ अपने हालिया मुकाबलों में भारत को पहले चरण में 0-4 से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन दूसरे चरण में 1-0 की मामूली जीत हासिल करते हुए शानदार वापसी की, जिससे नीदरलैंड के साथ इस महत्वपूर्ण मुकाबले से पहले उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। भारत वर्तमान में छह मैचों में सात अंकों के साथ अंक तालिका में सातवें स्थान पर है, और वे अपने आगामी मुकाबले में भी अपने उच्च मनोबल को बनाए रखना चाहेंगे। दूसरी ओर,

- भारत ने अपने अभियान की शुरुआत इंग्लैंड पर 3-2 की रोमांचक जीत के साथ की,
- भारत वर्तमान में छह मैचों में सात अंकों के साथ अंक तालिका में सातवें स्थान पर है

नीदरलैंड्स अपने पिछले दो मैचों में इंग्लैंड को 5-1 और 6-0 से हराने के साथ शानदार फॉर्म में है। उन्होंने अपने छह मैचों में पांच जीत और सिर्फ़ एक हार दर्ज की है, जिससे वे 15 अंकों के साथ अंक तालिका में दूसरे स्थान पर हैं। डच अपनी लय को बनाए रखने और प्रतियोगिता में अपना प्रभावशाली प्रदर्शन जारी रखने के लिए उत्सुक होंगे। भारतीय टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने कहा कि नीदरलैंड दुनिया की सबसे मज़बूत टीमों में से एक है, और हम जानते हैं कि यह एक कठिन मैच होने वाला है। लेकिन हम अपना सर्वश्रेष्ठ देने और टूर्नामेंट के भारत चरण को शानदार तरीके से समाप्त करने के लिए प्रेरित हैं। जर्मनी के खिलाफ हमारी जीत ने हमें काफी आत्मविश्वास दिया है और हमने अपनी कमजोरियों को सुधारने पर काम किया है। कप्तान ने कहा कि हम अपने पिछले मैच की तरह ही उसी तीव्रता और फोकस के साथ खेलने का लक्ष्य रखेंगे और हम अपने द्वारा बनाए गए अवसरों को भुनाने के लिए दृढ़ हैं। यह एक बड़ी चुनौती है, लेकिन एक टीम के रूप में, हम अपनी क्षमताओं पर विश्वास करते हैं और नीदरलैंड से मुकाबला करने के लिए तैयार हैं।

गौरतलब है कि 2013 से भारत और नीदरलैंड सात बार आमने-सामने हुए हैं। इन मुकाबलों में से नीदरलैंड ने पांच जीत के साथ दबदबा बनाया है, जबकि भारतीय टीम सिर्फ एक जीत हासिल करने में सफल रही है। एक मैच ड्रॉ रहा। यह आमने-सामने का रिकॉर्ड भारत के सामने आने वाली चुनौती को उजागर करता है, लेकिन यह उन्हें अपने आगामी एफआईएच प्रो लीग 2024-25 मुकाबले में मजबूत प्रदर्शन के साथ खेल के मैदान को समतल करने का मौका भी देता है। सलीमा टेटे ने कहा कि आमने-सामने के रिकॉर्ड से पता चलता है कि नीदरलैंड हमारे खिलाफ हावी रहा है, लेकिन हमें विश्वास है कि हम चीजों को बदल सकते हैं।

हर मैच एक टीम के रूप में सुधार करने का अवसर है, इसलिए हम अपनी सर्वश्रेष्ठ हॉकी खेलने का लक्ष्य रखेंगे। हमें अपनी क्षमताओं पर भरोसा है और हम उन्हें चुनौती देने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे।

क्रिकेट में शतक का अपना रोमांच होता है: मोदी

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इन दिनों चैंपियंस ट्रॉफी चल रही है और क्रिकेट में शतक का अपना रोमांच होता है। इसके साथ उन्होंने राष्ट्रीय खेलों उल्लेख करते हुए कहा कि भारत वैश्विक स्तर पर खेल शक्ति के रूप में उभर रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज 'मन की बात' के मासिक कार्यक्रम में चैंपियंस ट्रॉफी और क्रिकेट में बनाये जाने वाले शतक के रोमांच का जिक्र किया और उत्तराखंड में हाल ही में हुयु राष्ट्रीय खेलों में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों की सराहना करते हुए कहा कि भारत वैश्विक स्तर पर खेल शक्ति के रुप में उभर रहा है। प्रधानमंत्री ने भारतीय महिला मुक्केबाज निखत जरीन के मोटापे को लेकर दिये टिप्प का भी उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि इन दिनों चैंपियंस ट्रॉफी चल रही है और हर तरफ क्रिकेट का माहौल है। क्रिकेट में शतक का रोमांच क्या होता है, ये तो हम सब भली-भाँति जानते हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खेलों में हिस्सा लेने वाले हर खिलाड़ी की भी मैं सराहना करता हूँ। हमारे बहुत से खिलाड़ी 'खेलो-इंडिया' अभियान की देन हैं। हिमाचल प्रदेश के सावन बरवाल, महाराष्ट्र के किरण मात्रे, तेजस शिरसे या आंध्र प्रदेश की ज्योति याराजी, सबने, देश को नई उम्मीदें दी हैं। उत्तर प्रदेश के भाला फेंक एथलीट सचिन यादव और हरियाणा की ऊंची कूद एथलीट पूजा और कर्नाटका की तैराक धिनिधि देसिन्धु ने देशवासियों का दिल जीता।

इन्होंने तीन नए राष्ट्रीय रिकार्ड बनाकर सबको चौंका दिया। इस बार के राष्ट्रीय खेलों में किशोरों ने शानदार प्रदर्शन किया। 15 साल के निशानेबाज गेविन एंटनी, यूपी की हैमर थ्रो खिलाड़ी 16 साल की अनुष्का यादव, मध्य प्रदेश के 19 साल के पोलवाल्टर देव कुमार मीणा ने साबित किया कि भारत का खेल भविष्य बेहद प्रतिभावान पीढ़ी के हाथों में है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में हुए राष्ट्रीय ने ये भी दिखाया कि कभी हार ना मानने वाले 'जीतते' जरूर हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने नीरज आपका बहुत-बहुत आभार। जानी-मानी एथलीट निखत जरीन जी ने भी इस विषय पर अपनी बात रखी है। निखत जरीन ने कहा, हॉय मेरा नाम निखत ज़रीन है और मैं दो बार की विश्व मुक्केबाजी चैंपियन हूं। जैसे कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' में मोटापे को लेकर जिक्र किया है और मुझे लगता है कि यह एक राष्ट्रीय चिंता का विषय है हमें अपनी स्वास्थ्य को लेकर गंभीर होना चाहिए क्योंकि मोटापा जितनी जल्दी से फैल रहा है हमारे इंडिया में, उसको हमें रोकना चाहिए, और कोशिश यही करनी चाहिए कि हम जितना हो सके स्वस्थ जीवनशैली का पालन करें।

मैं खुद एक एथलीट हो के कोशिश करती हूं कि मैं स्वस्थ आहार का सेवन करूं क्योंकि अगर मैंने गलती से भी अस्वास्थ्यकारी आहा ले लिया है या मैंने तैलीय चीजे खा ली तो जिसकी वजह से मेरे प्रदर्शन पर असर पड़ता है और मैं रिंग में जल्दी थक जाती हूँ और मैं कोशिश यही करती हूँ कि मैं जितना हो सके तली हुई जैसी चीजों को मैं कम इस्तेमाल करूँ और उसकी जगह लाभदायक आहार लू और प्रतिदिन व्यायाम करती जिसकी वजह से मैं हमेशा फिट रहती हूँ मैं सोचती हूं कि हम जैसे आम लोग जो हैं, जो प्रतिदिन नौकरी पर जाते हैं, काम पर जाते हैं, और मैच सोचती हर किसी को स्वास्थ्य को लेकर गंभीर होना चाहिए और कुछ ना कुछ व्यायाम करना चाहिए जिसकी वजह से हमें बीमारियों जैसे दिल का दौरा है और कैंसर जैसे बीमारियों से हम दूर रहें और अपने आप को फिट रखे 'क्योंकि हम फिट तो इंडिया फिट।

राष्ट्रीय खेलों में हिस्सा लेने वाले हर खिलाड़ी की भी मैं सराहना करता हूँ। हमारे बहुत से खिलाड़ी 'खेलो-इंडिया' अभियान की देन हैं : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

कार्यालय कलेक्टर (जनजातीय कार्य) शहडोल म.प्र.

क्रमांक/जनजाका/वाहन/2024-25/1266 शहडोल, दिनांक- 20/02/2025

विज्ञप्ति

कार्यालय आयुक्त जनजातीय कार्य मध्यप्रदेश भोपाल के पत्र क्रमांक/वाहन/20/2025/ 1933 भोपाल, दिनांक 24/01/2025 द्वारा किराये के वाहन लिए जाने की अनुमति के अनुक्रम में निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप कार्यालय जिला पंचायत शहडोल (म.प्र.) के आदेश क्रामंक /3018/जि.प./STORE-ZP/ फा-99/ 2021 शहडोल दिनांक 16/09/2021 द्वारा वाहन किराये पर लिए जाने हेतु मॉडल अनुसार दरों निर्धारित की गयी थी, जो वर्तमान तक लागू है। अतः अधोहस्ताक्षरी के उपयोग हेतु महिन्द्रा बोलेरो (ए.सी.) वाहन जिला पंचायत शहडोल के संदर्भित आदेश के अनुसार निर्धारित दर पर मासिक किराये पर लिए जाने हेतु सार्वजनिक सूचना प्रसारित की जाती है। सर्व संबंधित वाहन प्रदाता जिनके पास 3 वर्ष से अधिक पुराना वाहन न हो और जो उपरोक्तानुसार निर्धारित दर पर अपना वाहन इस कार्यालय में संलग्न करना चाहते हैं दिनांक 25/02/2025 तक कार्यालय से अनुबंध प्रपत्र प्राप्त कर अनुबंध में उल्लेखित शर्तों के अनुसार वाहन मासिक किराये पर संलग्न करने हेतु अनुबंध कर सकते हैं। मासिक किराये पर वाहन संलग्न करने के लिए टैक्सी परमिट के लिए वाहन अनुमत्य होना आवश्यक है एवं सबसे नवीनतम मॉडल के वाहन को वरीयता प्रदान किया जाएगा।

सहायक आयुक्त
जनजातीय कार्य शहडोल (म.प्र.)

भारत और रोहित शर्मा के नाम दर्ज हुआ अनचाहा टॉस रिकॉर्ड

दुबई, 23 फरवरी (एजेंसियां)। चैंपियंस ट्रॉफ़ी में भारत और पाकिस्तान का मैच शुरु होने से पहले ही भारत ने लगातार 12 टॉस हारकर एक अनचाहा रिकॉर्ड बनाया है। वहीं रोहित शर्मा की अगुवाई में टीम इंडिया ने लगातार 9वां वनडे टॉस गंवा दिया, जिसकी शुरुआत 2023 वनडे विश्व कप फाइनल से हुई थी।

वनडे क्रिकेट में इससे पहले नीदरलैंड्स ने 2011 से 2013 के बीच लगातार 11 टॉस गंवाए थे, लेकिन अब भारत इस मामले में नंबर एक पर पहुंच गया है। इस बार पाकिस्तान ने टॉस जीता और पहले बल्लेबाज़ी करने का फ़ैसला किया। भारत को अब एक बार फिर गेंदबाजी से मैच में वापसी करनी होगी। पाकिस्तान की टीम में एक बदलाव किया गया है - फखर जमान की जगह इमाम-उल-हक को शामिल किया गया है, जबकि भारतीय टीम बिना किसी बदलाव के उतरी है। भारतीय टीम इस मैच में उसी प्लेइंग XI के साथ उतर रही है, जो उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ उतारी थी।

वनडे में एक टीम द्वारा लगातार हारे गए सर्वाधिक टॉस

- भारत - 12, 23 फ़रवरी 2025 (अंतिम वनडे)
- नीदरलैंड्स - 11, 27 अगस्त 2013 (अंतिम वनडे)
- इंग्लैंड - 9, 29 मई 2017 (अंतिम वनडे)
- इंग्लैंड - 9, 13 सितंबर 2023 (अंतिम वनडे)
- ऑस्ट्रेलिया - 9, 24 जनवरी 1999 (अंतिम वनडे)

कोहली ने वनडे कैच लेने का अजहरुद्दीन का भारतीय रिकॉर्ड तोड़ा, 14 हजार वनडे रन भी पूरे किए

दुबई, 23 फरवरी (एजेंसियां)। विराट कोहली ने रविवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में पाकिस्तान के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी 2025 ग्रुप ए के मुकाबले में 158 कैच लेकर भारत के लिए वनडे में फील्डर के तौर पर सबसे ज्यादा कैच लेने का मोहम्मद अजहरुद्दीन का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया। विराट ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 14 हजार वनडे रन भी पूरे कर लिए। 36 वर्षीय कोहली ने 47वें ओवर में कुलदीप यादव की गेंद पर नसीम शाह का कैच लेकर यह रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने आखिरी ओवर में खुशदिल शाह का कैच लेकर अपने रिकॉर्ड को और बेहतर किया। मोहम्मद अजहरुद्दीन (156), सचिन तेंदुलकर (140), राहुल द्रविड़ (124) और सुरेश रैना (102) इस सूची में शामिल अन्य खिलाड़ी हैं। कोहली, जो सचिन तेंदुलकर और कुमार संगकारा के बाद इस प्रारूप में तीसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी भी हैं, 14,000 वनडे रन के मील के पत्थर तक पहुंच गए।

- कोहली ने 47वें ओवर में कुलदीप यादव की गेंद पर नसीम शाह का कैच लेकर यह रिकॉर्ड बनाया

कोहली ने हारिस रउफ की गेंद को चार रन के लिए मिडऑफ की बायीं ओर से पुश किया और वनडे में 14 हजार रन पूरे कर लिए। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करने उतरे पाकिस्तान के बल्लेबाजों ने अच्छी शुरुआत की, लेकिन रन गति बनाए रखने में संघर्ष किया। सऊद शकील (62) और मोहम्मद रिज़वान (46) के बीच 104 रनों की साझेदारी ही उनकी पारी की एकमात्र खास बात रही, हालांकि यह बहुत धीमी गति से हुई। 151-2 के स्कोर पर पाकिस्तान 250 से आगे जाने की स्थिति में था, लेकिन भारत ने बल्लेबाजी की धज्जियां उड़ाते हुए उन्हें 241 रनों पर आउट कर दिया।

कार्यालय कलेक्टर (जनजातीय कार्य विभाग) बालाघाट

Email: actw.bgt@mp.gov.in Ph. (07632) 248405

क्रमांक 5632/निर्माण/जजाकावि/2024-25 बालाघाट, दिनांक 17/02/2025

- निविदा विज्ञप्ति -

ई-निविदा आमंत्रण सूचना (ऑनलाईन ई-निविदा प्रथम आमंत्रण)

म.प्र. के राज्यपाल की ओर से ऑन लाईन निविदायें प्रतिशत दर आधार पर मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग में उचित श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से भवन निर्माण एवं भवनों में विद्युतीकरण कार्यों हेतु लोक निर्माण विभाग (भवन) मध्यप्रदेश द्वारा जारी एवं दिनांक 1 जनवरी 2024 से भवन/विद्युत कार्यों हेतु प्रभावशील एस.ओ.आर. (निविदा दिनांक तक समस्त सशोंधनों सहित) निम्नांकित कार्यों हेतु ऑन लाईन निविदायें निम्नानुसार आंमत्रित की जाती है।

निविदा की विस्तृत शर्ते, निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारियां https://mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है।

S.No	Particular	Date
1	2	3
1	ऑन लाईन निविदा प्रपत्र विक्रय की प्रारंभ तिथि	18/02/2025
2	ऑन लाईन निविदा प्रपत्र विक्रय की अंतिम तिथि	11/03/2025
3	ऑन लाईन निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि	12/03/2025
4	ऑन लाईन निविदा प्रपत्र खोलने की तिथि	17/03/2025

क्र.	On line NIT No-	कार्य का विवरण	ठेके की अनुमानित राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य (लाख में)	अमानत राशि (लाख में)	ठेकेदार के पंजीयन की श्रेणी	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8
1	2025_TAD_ 400570	शासकीय आदिवासी सीनियर बालक उत्कृष्ट छात्रावास बिरसा के भवन का निर्माण कार्य। (सीविल कार्य)	288.34	15,000/-	2.885	म.प्र. लोक निर्माण विभाग में संक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार	18 माह (वर्षा काल सहित)
2	2025_TAD_ 400571	शासकीय आदिवासी सीनियर बालक उत्कृष्ट छात्रावास बिरसा के भवन में विद्युतीकरण का कार्य।	39.29	5,000/-	0.50	म.प्र. लोक निर्माण विभाग में विद्युत कार्यों हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीयन तथा म.प्र. अनुज्ञापन मंण्डल (विद्युत) से विद्युत ठेकेदारी लायसेंस प्राप्त	
3	2025_TAD_ 400573	शासकीय आदिवासी सीनियर कन्या उत्कृष्ट छात्रावास बिरसा के भवन का निर्माण कार्य।	288.34	15,000/-	2.885	म.प्र. लोक निर्माण विभाग में संक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार	18 माह (वर्षा काल सहित)
4	2025_TAD_ 400574	शासकीय आदिवासी सीनियर कन्या उत्कृष्ट छात्रावास बिरसा के भवन में विद्युतीकरण का कार्य।	39.29	5,000/-	0.50	म.प्र. लोक निर्माण विभाग में विद्युत कार्यों हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीयन तथा म.प्र. अनुज्ञापन मंण्डल (विद्युत) से विद्युत ठेकेदारी लायसेंस प्राप्त	18 माह (वर्षा काल सहित)
5	2025_TAD_ 400575	शासकीय आदिवासी जूनियर बालक छात्रावास सोनपुरी के भवन में विद्युतीकरण का कार्य।	288.34	15,000/-	2.885	म.प्र. लोक निर्माण विभाग में संक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार	18 माह (वर्षा काल सहित)
6	2025_TAD_ 400579	शासकीय आदिवासी जूनियर बालक छात्रावास सोनपुरी के भवन में विद्युतीकरण का कार्य।	39.29	5,000/-	0.50	म.प्र. लोक निर्माण विभाग में विद्युत कार्यों हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीयन तथा म.प्र. अनुज्ञापन मंण्डल (विद्युत) से विद्युत ठेकेदारी लायसेंस प्राप्त	
7	2025_TAD_ 400587	पी.व्ही.टी.जी. सामुदायिक भवन परसवाडा के भवन का निर्माण कार्य। (विद्युतीकरण कार्य सहित)	40.551	5,000/-	0.50	म.प्र. लोक निर्माण विभाग में संक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार	12 माह (वर्षा काल सहित)

नोट :-1- ऑनलाईन सभी अभिलेख जमा करना अनिवार्य होगा। निविदा से संबंधित आवश्यक संशोधन बेबसाईट https:// mptenders.gov.in पर ही दर्ज किये जायेंगें। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेंगा। 2- समस्त निविदाकारो को सलाह दी जाती है कि वे अंतिम दिवस की प्रतीक्षा न करें, शीघ्र अतिशीघ्र बिड जमा करें। बेवस्टइट पर किसी प्रकार की असुविधा के लिये विभाग उत्तरदायी नहीं होगा।
(कलेक्टर महो. द्वारा अनुमोदित)

G-23366/24 दुर्घटना से रखनी दूरी है तो हेलमेट सबसे जरुरी है।

सहायक आयुक्त,
जनजातीय कार्य विभाग बालाघाट

दत्तात्रेय ने टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट में की शिरकत

चंडीगढ़। हरियाणा के'राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने रविवार को चंडीगढ़ के सेक्टर-3 स्थित ताऊ देवीलाल खेल स्टेडियम में यूटी क्रिकेट एसोसिएशन की शहीद चंद्रशेखर आजाद मेमोरियल टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट के दूसरे संस्करण के समापन समारोह में शिरकत की ।

In The Court of XIII Civil Judge Class-I, District Court, Jabalpur
Presiding Officer : दीपा पॉल
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
RCSA/0000045/2016
बेड़ीलाल रैकवार .... वादी
Vs
हरी भाई सोनी .... प्रतिवादी
Process Id - 2025
पेशी दिनांक : 24/02/2025

प्रेषिती-
(1) योगेश सोनी पिता हरिबाई पता- मकान नं. 579 नूनराही सराफा बाजार जबलपुर मध्यप्रदेश

यह कि प्रार्थी श्री बेड़ीलाल रैकवार ने आपके विरूद्ध आर सी एस ए वाद वास्ते डिक्री की उद्घोषणा हेतु के लिए वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/ हाजिर होने के लिय सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते हैं, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो ऐसे सभी दस्तावेजों की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रतिष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीख 21 फरवरी 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

न्यायालय की मुद्रा
टिप्पणी- प्रकाशन हेतु नोटिस के साथ वाद वस्ते डिक्री की उद्घोषणा हेतु की छायाप्रति संलग्न है।
कृपया ध्यान दें- 1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथी को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

(दीपा पॉल)
तृतीय सिविल न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड, जबलपुर म.प्र.
र.नं.-3121

दत्तात्रेय ने टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट में की शिरकत

चंडीगढ़, 23 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के'राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने रविवार को चंडीगढ़ के सेक्टर-3 स्थित ताऊ देवीलाल खेल स्टेडियम में यूटी क्रिकेट एसोसिएशन की शहीद चंद्रशेखर आजाद मेमोरियल टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट के दूसरे संस्करण के समापन समारोह में शिरकत की । शहीद चंद्रशेखर आजाद मेमोरियल टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में हिम्स हॉक्स टीम ने वाइल्डवुड वॉरियर्स को हराकर टाइटल जीता। विजेता टीम को श्री दत्तात्रेय ने ट्राफी देखकर सम्मानित किया। इस प्रतियोगिता में मैन ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब खिलाड़ी शिवम बामरी को मिला।

फाइनल मुकाबले के बेस्ट खिलाड़ी और बेस्ट गेंदबाज राहुल सिंह रहे और देवांश कौशिक को बेस्ट बल्लेबाज का खिताब मिला। श्री दत्तात्रेय ने कहा कि इस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने भाग लेकर अपनी दक्षता, शारीरिक क्षमता और मानसिक दृढ़ता का परिचय दिया है। मेरी कामना रहेगी कि आप सभी जीवन में ऊंची उपलब्धियां हासिल करें। उच्च मनोबल व दृढ निश्चय द्वारा ही सभी कठिनाईयों का सामना कर लक्ष्य की प्राप्ती की जा सकती है। उन्होंने कहा कि आज महर्षि दयानन्द सरस्वती जी की जयंती है।

इंडिया मास्टर्स ने आईएमएल अभियान की शानदार शुरुआत की

नवी मुंबई, 23 फरवरी (एजेंसियां)। खेल के महारथियों ने पुराने स्ट्रोक, जोशीले स्पैल और अविस्मरणीय पलों को फिर से दोहराया और अंतरराष्ट्रीय मास्टर्स लीग 2025 (आईएमएल) के उद्घाटन संस्करण में इतिहास को फिर से लिखा। यहां डीवाई पाटिल स्टेडियम में इंडिया मास्टर्स ने एक रोमांचक मुकाबले में श्रीलंका मास्टर्स को चार रन से हराकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। दोनों पक्षों के दिग्गजों ने शानदार खेल दिखाया और मैच रोमांचक रहा, जिससे दर्शकों को आईएमएल के उद्घाटन सत्र में होने वाले रोमांचक क्रिकेट मैचों की झलक देखने को मिली। मैच की शुरुआत बल्लेबाजी के उस्ताद सचिन तेंदुलकर को उनके विपक्षी कुमार संगकारा द्वारा बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित करने से हुई।

सुडोकू 6835 का हल

7	2	4	3	1	9	6	8	5
1	3	9	8	5	6	2	7	4
6	5	8	4	2	7	9	3	1
4	7	1	9	6	8	5	2	3
3	9	5	1	7	2	4	6	8
8	6	2	5	3	4	1	9	7
5	4	6	7	9	3	8	1	2
2	8	3	6	4	1	7	5	9
9	1	7	2	8	5	3	4	6

कृषि जगत

गेंदा के फूल की खेती और उससे लाभ

भारत में पुष्प व्यवसाय में गेंदा का महत्वपूर्ण स्थान है क्योंकि इसका धार्मिक तथा सामाजिक अवसरों पर वृहत् रूप में व्यवहार होता है। गेंदा फूल को पूजा अर्चना के अलावा शादी-ब्याह, जन्म दिन, सरकारी एवं निजी संस्थानों में आयोजित विभिन्न समारोहों के अवसर पर पंडाल, मंडप-द्वार तथा गाड़ी, सेज आदि सजाने एवं अतिथियों के स्वागतार्थ माला, बुके, फूलदान सजाने में भी इसका प्रयोग किया जाता है। गेंदा के फूल का उपयोग मुर्गी के भोजन के रूप में भी आजकल बड़े पैमाने पर हो रहा है। इसके प्रयोग से मुर्गी के अंडे की जर्दी का रंग पीला हो जाता है, जिससे अण्डे की गुणवत्ता तो बढ़ती ही है, साथ ही आकर्षण भी बढ़ जाता है।

गेंदा के औषधीय गुण- अपनी औषधीय गुणों के कारण गेंदा का एक खास महत्व है।

गेंदा के औषधीय गुण- कान दर्द में गेंदा के हरी पत्ती का रस कान में डालने पर दर्द दूर हो जाता है। खुजली, दिनाय तथा फोड़ा में हरी पत्ती का रस लगाने पर रोगाणु रोधी का काम करती है। अपरस की बीमारी में हरी पत्ती का रस लगाने से लाभ होता है। अन्दरूनी चोट या मोच में गेंदा के हरी पत्ती के रस से मालिश करने पर लाभ होता है।

साधारण कटने पर पत्तियों को मसलकर लगाने से खून का बहना बन्द हो जाता है। फूलों का अर्क निकाल कर सेवन करने से खून शुद्ध होता है। ताजे फूलों का रस खूनी बवासीर के लिए भी बहुत उपयोगी होता है।

गेंदा की खेती के लिए भूमि- गेंदा की खेती के लिए दोमट, मटियार दोमट एवं बलुआर दोमट भूमि सर्वोत्तम होती है जिसमें उचित जल निकास की व्यवस्था हो ।

भूमि की तैयारी- भूमि को समतल करने के बाद एक बार मिट्टी पलटने वाले हल से तथा 2-3 बार देशी हल या कल्टीवेटर से जुताई करके एवं पाटा चलाकर, मिट्टी को भुरभुरा बनाने एवं ककर पत्थर आदि को चुनकर बाहर निकाल दें तथा सुविधानुसार उचित आकार की क्यारियां बना दें।

व्यवसायिक किस्में- अधिक ऊपज लेने के लिए परम्परागत किस्मों की जगह केवल सुधरी किस्में ही बोनी चाहिए। गेंदा की कुछ प्रमुख उन्नत किस्में निम्न हैं -

1। अफ्रीकन गेंदा- इसके पौधे अनेक शाखाओं से युक्त लगभग 1 मीटर तक ऊंचे होते हैं, इनके फूल गोलाकार, बहुगुणी पंखुड़ियों वाले तथा पीले व नारंगी रंग का होता है। बड़े आकार के फूलों का व्यास 7-8 सेमी। होता है। इसमें कुछ बौनी किस्में भी होती हैं, जिनकी ऊंचाई सामान्यत-20 सेमी। तक होती है। अफ्रिकन गेंदा के अन्तर्गत व्यवसायिक दृष्टिकोण से उगाये जाने वाले प्रभेद-पूसा नारंगी, पूसा वसन्तु अफ्रिकन येलो इत्यादि है।

2। फांसीसी गेंदा- इस प्रजाति की ऊंचाई लगभग 25-30 सेमी। तक होती है इसमें अधिक शाखायें नहीं होती हैं किन्तु इसमें इतने अधिक पुष्प आते हैं कि पूरा का पूरा पौधा ही पुष्पों से ढँक जाता है। इस प्रजाति के कुछ उन्नत किस्मों में रेड ब्रोकेट, कपिड येलो, बोलेरो, बटन स्कोच इत्यादि है।

खाद एवं उर्वरक- गेंदा की अच्छी ऊपज है तो खेत की तैयारी से पहले 200 क्विंटल कम्पोस्ट प्रति हेक्टेयर की दर से मिट्टी में मिला दें । तत्पश्चात 120-160 किलो नेत्रजन, 60-80 किलो फास्फोरस एवं 60-80 किलोग्राम पोटाश का प्रयोग प्रति है क्टेयर की दर से करें। नेत्रजन की आधी मात्रा एवं फास्फोरस और पोटाश की पूरी मात्रा खेत की अन्तिम जुताई के समय मिट्टी में मिला दें। नेत्रजन की शेष आधी मात्रा पौधा रोप के 30-40 दिन के अन्दर प्रयोग करें।

गेंदा का प्रसारण- गेंदा का प्रसारण बीज एवं कटिंग दोनों विधि से होता है इसके लिए 300-400 ग्राम बीज प्रति है क्टर की आवश्यकता होती है जो 500 वर्ग मीटर के बीज शैय्या में तैयार किया जाता है, बीज शैय्या में बीज की गहराई 1 सेमी। से अधिक नहीं होना चाहिए। जब कटिंग द्वारा गेंदा का प्रसारण किया जाता है उसमें ध्यान रखना चाहिए कि हमेशा कटिंग नये स्वस्थ पौधे से लें जिसमें मात्र 1-2 फूल खिला हो, कटिंग का आकार 4 इंच (10 सेमी) लम्बा होना चाहिए। इस कटिंग पर रूटेक्स लगाकर बालू से भरे ट्रे में लगाना चाहिए। 20-22 दिन बाद इसे खेत में रोपाई करना चाहिए। रोपाई = गेंदा फूल खरीफ, रबी, जायद तीनों सीजन में बाजार की मांग के अनुसार उगाया जाता है। लेकिन इसके लगाने का उपयुक्त समय सितम्बर-अक्टूबर है। विभिन्न मौसम में अलग-अलग दूरी पर गेंदा लगाया जाता है जो निम्न है

सिंचाई- खेत की नमी को देखते हुए 5-10 दिनों के अन्तराल पर गेंदा में सिंचाई करनी चाहिए। यदि वर्षा हो जाय तो सिंचाई नहीं करना चाहिए।

पिंचिंग- रोपाई के 30-40 दिन के अन्दर पौधे की मुख्य शाकीय कली को तोड़ देना चाहिए। इस क्रिया से यद्यपि फूल थोड़ा देर से आयेंगे, परन्तु प्रति पौधा फूल की संख्या एवं ऊपज में वृद्धि होती है। निकाई-गुड़ाई लगभग 15-20 दिन पर आवश्यकतानुसार निकाई-गुड़ाई करनी चाहिए। इससे भूमि में हवा का संचार ठीक संग से होता है एवं वांछित खरपतवार नष्ट हो जाते हैं। रोपाई के 60 से 70 दिन पर गेंदा में फूल आता है जो 90 से 100 दिनों तक आता रहता है। अत: फूल की तोड़ाई साधारणतया सायंकाल में की जाती है। फूल को थोड़ा डंठल के साथ तोड़ना श्रेयस्कर होता है। फूल का कार्टून जिसमें चारों तरफ एवं नीचे में अखबार फैलाकर रखना चाहिए एवं ऊपर से फिर अखबार से ढंक कर कार्टून बन्द करना चाहिए।

कीड़े और बीमारी- लीफ हापर, रेड स्पाइडर, इसे काफी नुकसान पहुँचाते हैं। इसके रोकथाम के लिए मैलाथियान 0।1 प्रतिशत का छिड़काव करें। गेंदा में मोजेक, चूर्णी फफूद एवं फूटराट मुख्य रूप से लगता है। मोजेक लगे पौधे को उखाड़कर मिट्टी तले दबा दें एवं गेंदा में कीटनाशक दवा का छिड़काव करें जिससे मोजेक के विषाणु स्थानान्तरित करने वाले कीट का नियंत्रण हो इसका विस्तार एवं दूसरे पौधे में न हो। चूर्णी फफूद के नियंत्रण है तो 0.2 प्रतिशत गंधक का छिड़काव करें एवं फुटराट के नियंत्रण है तो इण्डोफिल एम-45 0.25 प्रतिशत का 2-3 बार छिड़काव करें।

भेड़ पालन में बकरी के कारोबार से भी ज्यादा मुनाफा! सिर्फ एक लाख रुपये में शुरू करें ये बिजनेस

किसानों की आय बढ़ सके, इसके लिए सरकार की तरफ से पशुपालन के व्यवसाय पर काफी ध्यान दिया जा रहा है। भेड़ पालन भी इसी का एक हिस्सा है। किसान भेड़ों का इस्तेमाल मांस के व्यापार के अलावा ऊन, खाद, दूध, चमड़ा जैसे उत्पादों को बनाकर बढ़िया मुनाफा कमा रहे हैं। भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में करोड़ों की संख्या में किसान भेड़ पालन कर बढ़िया मुनाफा कमा रहे हैं। भेड़ों का इस्तेमाल मांस के व्यापार के अलावा ऊन, खाद, दूध, चमड़ा जैसे कई सारे उत्पाद बनाने में किया जाता है, इससे किसानों को भारी मुनाफा हासिल हो रहा है। यही वजह है कि किसानों के बीच इस व्यवसाय की लोकप्रियता बेहद तेजी से बढ़ती जा रही है।

भेड़ों के भोजन पर नहीं करना पड़ता है ज्यादा खर्च- भेड़ों के आहार पर भी किसानों को ज्यादा खर्च नहीं करना पड़ता। शाकाहारी होने की वजह से यह ज्यादातर घास और हरी पत्तियां ही खाती हैं। ऐसे में भोजन की व्यवस्था के लिए ज्यादा मशक्कत भी नहीं करना पड़ता है। भारत में फिलहाल मालपुरा, जैसलमेरी, मंडियां, मारवा?ी, बीकानेरी, मैरिनो, कोरिडायल रामबुतु ,छोटा नागपुरी शहाबाबाद प्रजाति के भेड़ों के पालन का चलन ज्यादा है।

सरकार की तरफ से सब्सिडी की भी व्यवस्था- किसानों की आय दोगुनी हो सके इसके लिए सरकार भी कई तरह की योजनाएं चलाती रही है। केंद्र सरकार द्वारा नेशनल लाइवस्टॉक मिशन के तहत भेड़ पालन पालन के लिए 50 प्रतिशत तक की सब्सिडी दी जाती है। इसके अलावा कई राज्य सरकार अपने-अपने स्तर पर किसानों को भेड़ पालन के लिए प्रोत्साहित करने के लिए अनुदान दिया जाता है। विशेषज्ञों के मुताबिक एक किसान सिर्फ एक लाख रुपये के खर्च में अपना व्यवसाय शुरू कर सकता है। बाजार में एक भेड़ की तीन से आठ हजार रुपये बिकती हैं।

भेड़ पालन से फायदा - ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के लिए भेड़ पालन आय का प्रमुख साधन माना गया है। इनसे ऊन, मांस और दूध ज्यादा मात्रा में मिल सके। इसके अलावा भेड़ का गोबर भी बहुत अच्छा उर्वरक माना जाता है। इसका उपयोग खेतों की उत्पादकता को बढ़ाया जा सकता है। भेड़के शरीर पर बहुत नरम और लंबे रोयें होते है, जिनसे ऊन प्राप्त होती है। इसके ऊन से ही कई तरह के वस्त्र बनाए जाते है। ऐसे में एक भेड़ का उपयोग किसान कई तरह के व्यवसायों का उपयोग बढ़िया मुनाफा कमाने के लिए कर सकते हैं।

बकरी पालन पर मिलेगी सबसे ज्यादा सब्सिडी, मुनाफा भी होगा सबसे ज्यादा

भारत में पशुपालन का बिजनेस तेजी से बढ़ रहा है. आलम यह है कि किसानों के साथ-साथ पढ़े-लिखे लोग भी नौकरी छोड़ अतिरिक्त आमदनी के लिये पशुपालन करते हैं. इसमें बकरी पालन सबसे ज्यादा डिमांडिंग बिजनेस है. इस व्यवसाय के जरिए दूध से लेकर मांस तक बेचकर मोटी कमाई की जा सकती है. क्योंकि, बकरी के दूध और मांस दोनों की बाजार में काफी डिमांड है. इसके अलावा, इस कारोबार को शुरू करना भी बेहद आसान है. खास बात है कि इस व्यवसाय को शुरू करने के लिए सरकारी मदद भी मिलती है. वैज्ञानिक तरीके से बकरीपालन करने पर कम लागत में तीन से चार गुना तक अधिक आमदनी हो जाती है.

देश में कई लोग बकरी पालन का कारोबार करके मोटी कमाई कर रहे हैं. बकरी फार्म ग्रामीण इलाकों में तेजी से फल फूल रहे हैं, क्योंकि इससे दूध, खाद समेत कई प्रकार के लाभ मिलते हैं. खासकर उत्तर प्रदेश और हरियाणा के किसान अपनी रोजी-रोटी के लिये खेती के साथ-साथ बकरीपालन को दूसरे व्यवसाय के रूप में अपना रहे हैं. इस बिजनेस में नुकसान की संभावना कम रहती है. बता दें कि बकरी के दूध की मार्केट में काफी मांग है. वहीं, इसका मांस सबसे अच्छे मांस में से एक है जिसकी घरेलू मांग बहुत अधिक है और वैल्यू भी ज्यादा है.

90 फीसदी तक सब्सिडी की सुविधा- इस कारोबार को शुरू करना बेहद आसान है. इसे आप सरकारी मदद से शुरू कर सकते हैं. बता दें कि ग्रामीण क्षेत्र में पशुपालन को बढ़ावा देने एवं स्वरोजगार अपनाने के लिए हरियाणा सरकार पशुपालकों को 90 प्रतिशत तक सब्सिडी दे रही है. वहीं, मध्यप्रदेश सरकार की ओर से बकरी पालन के लिए 60 प्रतिशत सब्सिडी दी जा रही है. भारत सरकार पशु पालन पर 35त्न तक सब्सिडी देती है. यदि आपके पास बकरी पालन शुरू करने के लिए पैसे नहीं हैं तो भी आप बैंकों से लोन ले सकते हैं. नाबार्ड आपको बकरी पालन के लिए लोन देने के लिए उपलब्ध है.

कितना आएगा खर्च- इसे शुरू करने के लिए आपके पास स्थान, चारा, ताजा पानी, आवश्यक श्रम की संख्या, पशु चिकित्सा सहायता, बाजार क्षमता और निर्यात क्षमता का के बारे में जानकारी होनी चाहिए. बता दें कि बकरी के दूध से लेकर मांस तक में मोटी कमाई है. बता दें कि बकरी के दूध का मार्केट में काफी डिमांड है. वहीं, इसका मांस सबसे अच्छे मांस में से एक है जिसकी घरेलू मांग बहुत अधिक है. यह कोई नया व्यवसाय नहीं है और यह प्रक्रिया प्राचीन काल से चली आ रही है. बकरी पालन परियोजना काफी मुनाफे वाला कारोबार है.

कितनी होगी कमाई- इस बिजनेस को आप घर से शुरू कर सकते हैं. बता दें कि वर्तमान में इसे एक कार्मशियल व्यवसाय माना जाता है, जो किसी देश की अर्थव्यवस्था और पोषण में बहुत योगदान देता है. एक रिपोर्ट के मुताबिक, 18 फीमेल बकरी पर औसतन 2,16, 000 रुपये की कमाई हो सकती है. वहीं, मेल वर्जन से औसतन 1,98,000 रुपये की कमाई हो सकती है. वैज्ञानिक तरीके से बकरी पालन करके दोगुना तक कमाई कर सकते हैं.

मिर्च की खेती को क्यों माना जाता है मोटी कमाई का जरिया

हरी मिर्च की खेती को क्यों माना जाता है मोटी कमाई का जरिया, जानिए उसमें कितना फायदा होता है। मिर्च की खेती से किसान मोटी कमाई कर सकते हैं. बस इसे सही तरीके से करने की जरूरत है. एक्सपर्ट के अनुसार, किसान एक हेक्टेयर में 10 से 15 लाख रुपये कमा सकता है।

खेती यदि तकनीक और सूझबूझ के साथ की जाए तो बड़े मुनापफे का सौदा होती है. कुछ खेती में किसान कम लाभ ले पाते हैं, जबकि कुछ में अच्छा खासा पफायदा कमा लेते हैं. मिर्च की खेती भी ऐसी ही मोटी कमाई वाली है। बस इसको सही से करने की जरूरत है. मिर्च की खेती से एक साल में ही किसान लाखों रुपये की कमाई कर सकते हैं. मोटी कमाई वाली मिर्च की खेती किस तरह से कर सकते हैं. यही जानने की कोशिश करते हैं।

3 लाख रुपये तक आ जाती है लागत- एक हेक्टेयर खेती में आने वाली लागत पर बात कर लेते हैं. एक हेक्टेयर में सामान्य तौर पर 7 से 8 किलो मिर्च के बीज की जरूरत होती है. इस पर करीब 20 से 25 हजार रुपये तक खर्चा आ जाता है. यदि हाइब्रिड बीज बुवाई की प्लानिंग चल रही है तो एक हेक्टेयर में करीब 40 हजार रुपये तक के बीज का खर्च आ जाता है। बीज बुवाई के साथ सिंचाई, फर्टिलाइजर प्रयोग, कीटनाशक, हार्वेस्टिंग आदि के खर्चे को यदि जोड़ लिया जाए तो 3 लाख रुपये तक का खर्चा आ जाता है. मगधीरा हाइब्रिड बीज पर लगभग इतनी ही लागत आती है।

12 लाख तक हो जात है कमाई- मगधीरा हाइब्रिड मिर्च समेत कुछ अच्छी प्रजातियां एक हेक्टेयर में 250 से 300 क्विंटल तक मिर्च उत्पादन करती हैं. बाजार में मिर्च का भाव उसके उत्पादन और मार्केट में डिमांड के आधार पर तय होता है. अमूमन यह 30 से 70 रुपये किलो तक होता है। यदि मिर्च 40 से 50 रुपये प्रति किलो के हिसाब से बिक रही है तो कमाई का आंकड़ा देखकर आप चौंक जाएंगे. 300 टन उत्पादन होने पर मिर्च बाजार में करीब 15 लाख रुपये की बिकेगी। इस तरह 12 लाख रुपये का सीधा मुनाफा आपकी जेब में होगा।

इस तरह करें मिर्च की बुआई- मिर्च की कई अच्छी प्रजातियां बाजार में हैं. उन्हें साल में कभी भी बोया जा सकता है. सभी मिर्चों की देखभाल करने की जरूरत होती है. यदि आप बुवाई करना चाह रहे हैं तो अच्छी हाइब्रिड मिर्च क बुवाइ्र करनी चाहिए. यदि खुद अपने यहां मिर्च की नर्सरी नहीं तैयार कर रहे हैं तो अच्छी नर्सरी से मिर्च की फसल लेनी चाहिए। क्यारियां बनाकर दो-दो फिट की दूरी पर मिर्च का पौधा लगाना चाहिए. दो बेड़ों के बीच दो से 3 फीट की दूरी रहती है. मिर्च में यदि बीमारी लग रही है तो तुरंत कीटनाशक का छिड़काव कर देना चाहिए. सिंचाई और साफ सफाई सही ढंग से कराते रहें. 9 से 10 महीने में फसल बिक्री के लिए तैयार हो जाती है।

पत्ता गोभी की खेती कैसे की जाती है

कुछ शब्दों में कहा जाए तो ज्यादातर पत्तागोभी उत्पादक एक आतंरिक रूप से सुरक्षित परिवेश (नर्सरी) में बीज से पौधे शुरू करते हैं। आतंरिक बुवाई से लेकर रोपाई तक की अवधि 18 से 38 दिन होती है। इसके बाद, वो छोटे पौधों को किसी उपजाऊ, अच्छी तरह से जुताई किये गए खेत में रोपते हैं, जो जंगली घास से मुक्त होता है। वे छोटे पौधों को पंक्तियों में लगाते हैं ताकि पौधों के बीच उचित स्थान और वायु संचार मौजूद हो। ज्यादातर मामलों में, ड्रिप सिंचाई और फर्टिगेशन का प्रयोग किया जाता है (पानी में घुलनशील उर्वरकों के माध्यम से उर्वरीकरण, जिसे सिंचाई प्रणाली में डाल दिया जाता है)। अधिकांश किस्मों में, रोपाई के 75 से 88 दिनों के बाद गोभी की फसल तैयार हो जाती है। कटाई हाथ से या मशीन से की जा सकती है।

पत्तागोभी की मिट्टी संबंधी आवश्यकताएं- पत्तागोभी एक ऐसा पौधा है जो पोषक-तत्वों से भरपूर, अच्छी जलनिकासी वाली मिट्टी में ब?ता है। इसके लिए धूप वाली जगह की भी जरूरत होती है। बीज बोने से पहले या छोटे पौधों की रोपाई करने से पहले उपयुक्त खेत तैयार करना आवश्यक है। अनुभवी किसान बताते हैं कि पौधों की रोपाई या सीधे बीज बोने से पहले मिट्टी की जुताई करना और कम्पोस्ट या अच्छी तरह से सड़ी हुई खाद डालना मददगार होता है। ज्यादातर मामलों में, पत्तागोभी को 6 से 6,8 तक पीएच वाली उपजाऊ मिट्टी पसंद होती है। विकसित पौधे और अच्छी गुणवत्ता वाली पैदावार पाने के लिए मिट्टी को हमेशा नम रखना जरूरी होता है। पौधे लगाने से पहले किसान मिट्टी का विश्लेषण कर सकते हैं। खेत तैयार करने के लिए तर्कसंगत योजना बनाने के लिए किसी स्थानीय लाइसेंस प्राप्त कृषि विज्ञानी से परामर्श लेने की सलाह दी जाती है।

पत्तागोभी की पानी संबंधी जरूरतें- ज्यादातर मामलों में, ड्रिप सिंचाई और फर्टिगेशन का प्रयोग किया जाता है (पानी में घुलनशील उर्वरकों के माध्यम से उर्वरीकरण, जो सिंचाई प्रणाली में मिलाये जाते हैं।) अपने पत्तेदार सिर का उत्पादन करने के लिए पत्तागोभी को पर्याप्त मात्रा में पानी की आवश्यकता होती है। मिट्टी को नम रखना जरूरी है, लेकिन यह बहुत ज्यादा गीली नहीं होनी चाहिए। हमें अपनी फसलों की बहुत अधिक सिंचाई करने को लेकर सावधान रहना चाहिए, क्योंकि पौधे जल के जमाव को सहन नहीं कर पाते। पत्तागोभी को ठीक से विकसित होने के लिए, दृढ़ सिरों के निर्माण के लिए और उच्च गुणवत्ता वाले पत्तों का उत्पादन करने के लिए नियमित रूप से निरंतर सिंचाई की आवश्यकता होती है। खेत में पत्तागोभी उगाने के दौरान, हम स्प्रिंकलर या ड्रिप सिंचाई प्रणाली का प्रयोग कर सकते हैं। मिट्टी को लगातार नम रखने के लिए, किसान जमीन पर गीली घास की एक पतली परत बिछा सकते हैं (अपने स्थानीय लाइसेंस प्राप्त कृषि विज्ञानी से पूछें)।

पत्तागोभी लगाना और उनके बीच की दूरी। स्वस्थ और विकसित पत्तागोभी कैसे उगाएं- हालाँकि, पत्तागोभी पाला सहन कर सकता है, लेकिन वसंत के पाले के दौरान यह बहुत बुरी तरह प्रभावित हो सकता है। चोटिल पौधे अविकसित सिरों, निम्न गुणवत्ता वाली पत्तियों और आमतौर पर निम्न गुणवत्ता और मात्रा वाला फसल पैदा करेंगे। फसल की कटाई के मनचाहे समय के आधार पर, उचित समयांतराल में पत्तागोभी के बीजों को लगाने पर ध्यान देना चाहिए। वसंत ऋतु के मध्य में, किसान गर्मियों वाली पत्तागोभी बोते हैं। इसके बाद, वसंत के अंत में शरद ऋतु-सर्दियों की किस्में बोते हैं। अंत में, गर्मी के अंतिम दिनों में वसंत ऋतु की पत्तागोभी बोई जाती है और किसान उन्हें दूसरे वर्ष काटते हैं।

वसंत ऋतु के अंतिम पाले से 6 से 8 सप्ताह पहले, हम बीज की क्यारियों या गमलों में पत्तागोभी के बीज लगा सकते हैं। ज्यादातर मामलों में, पत्तागोभी उगाने के लिए उचित तापमान 55-75 डिग्री (12-23 एष्ट) होता है। पौधों में 3 से 4 पत्तियां आने तक हमें इसमें लगातार पानी देने की जरूरत होती है। बुवाई के 18-38 दिन बाद पौधे रोपाई के लिए तैयार होते हैं। पौधों में 3 पत्तियां आने के बाद

और उनके 10-13 सेमी (4 से 5 इंच) लम्बा होने के बाद, हम उन्हें अपनी पसंदीदा जगह पर लगा सकते हैं। अनुभवी किसान कहते हैं कि वे अक्सर आसमान में बादल घिरे होने पर पत्तागोभी की रोपाई करते हैं, ताकि पौधों को अचानक तेज धूप में आने से बचाया जा सके। चाहे हम पौधा लगाने की कोई भी विधि प्रयोग करें, लेकिन नियमित सिंचाई हमेशा जरूरी होती है। जैसा कि पहले ही बताया गया है, अच्छी तरह से विकसित और स्वस्थ पौधों के लिए मिट्टी को हमेशा नम रखना जरूरी है।

अच्छा विकास पाने के लिए और उनकी उपज बढ़ाने के लिए, किसानों को निम्नलिखित कारकों का ध्यान रखना चाहिए।

बीजारोपण की दर- प्रति हेक्टेयर 250-400 ग्राम (9 से 14 औंस) बीज

प्रति हेक्टेयर पौधों की संख्या-20000-40000 पौधे

1 हेक्टेयर = 2,47 एकड़ = 10।000 वर्ग मीटर

पंक्ति में पौधों के बीच की दूरी सामान्य रूप से 40-70 सेमी (15-27 इंच) होगी। पंक्तियों के बीच की दूरी सामान्य रूप से 60-90 सेमी (23-35 इंच) होगी। इस बात का ध्यान रखें कि प्रत्येक सिर के मनचाहे आकार के आधार पर ये संख्याएं अलग-अलग हो सकती हैं। पौधे जितने करीब होते हैं, उनके सिर उतने ही छोटे होते हैं। ज्यादातर मामलों में, पत्तागोभी के पौधे परिपक्व होने के बाद उनकी सिंचाई कम करना फायदेमंद होता है। ऐसा बताया गया है कि ज्यादा सिंचाई की वजह से, पत्तागोभी के सिर बहुत जल्दी बढ़कर, अलग-अलग बंट सकते हैं। किसान विकसित और स्वस्थ पौधे उगाने के लिए उचित योजना बनाने के लिए स्थानीय लाइसेंस प्राप्त कृषि विशेषज्ञों से सलाह ले सकते हैं।

पत्तागोभी की फसल में खाद संबंधी आवश्यकताएं- कोई भी खाद डालने से पहले मिट्टी का विश्लेषण करना आवश्यक है। मिट्टी का सही पोषक तत्व विवरण जानना सबसे सुरक्षित तरीका होता है। बढ़ा होने के लिए और उत्पादन एवं पैदावार बढ़ाने के लिए पत्तागोभी को पोषक तत्वों से भरपूर मिट्टी की आवश्यकता होती है। पत्तागोभी के कुछ किसान पौधों की रोपाई से दो हफ्ते पहले खेत में अच्छी तरह से सड़ी हुई खाद डालते हैं और मिट्टी की जुताई करते हैं। वे यह भी बताते हैं कि रोपाई के लगभग दो या तीन सप्ताह बाद वो छोटे पौधों में खाद डाल सकते हैं। कोई भी खाद डालने से पहले गोभी के पौधों की लम्बाई बढ़ने देना महत्वपूर्ण है।

ज्यादातर मामलों में, ड्रिप सिंचाई और फर्टिगेशन का प्रयोग किया जाता है (उन उर्वरकों के माध्यम से उर्वरीकरण, जिन्हें सिंचाई प्रणाली में मिलाया जाता है)। वैकल्पिक रूप से, खाद को मिट्टी में डाला जा सकता है। सामान्य तौर पर, अनुभवी किसान दानेदार रूप में आवश्यक पोषक तत्वों, जैसे नाइट्रोजन (एन), पोटैशियम (के) और फॉस्फोरस (पी) से युक्त, अच्छी तरह से संतुलित उर्वरक का सुझाव देते हैं। हम एन-पी-के 10-10-10 या 10-3-3 जैसे खाद डाल सकते हैं। हम दानेदार खाद को सीधे मिट्टी की सतह पर डाल सकते हैं और सिंचाई कर सकते हैं। इस बात का ध्यान देना जरूरी है, खाद के दाने छोटे पौधों के संपर्क में नहीं आने चाहिए, क्योंकि इससे उनके जलने का जोखिम होता है।

प्रकाशक-गिरिराज चाचा, मुद्रक-मोहन सुरजन द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लिमि. के लिये देशबन्धु काम्पलेक्स नौदराब्रिज जबलपुर से प्रकाशित एवं श्रीजी प्रिंटर्स से मुद्रित, सम्पादक-अशोक मिश्रा, * (* पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार)
फोन संपादकीय-4006577 व्यवस्था - 4085031, 4085679, 2626244 आर.एन.आई. पंजी. क्रमांक 38276/71 डाक पंजीयन क्रमांक-एसएसपी जबलपुर /04/2020-2022 E mail- Jabdesh1@yahoo.com

आज से प्रारंभ होगी 5वीं, 8वीं की बोर्ड परीक्षा

कक्षा-10वीं एवं 12वीं बोर्ड की मुख्य परीक्षा कल से, थानों में पहुंचे प्रश्न पत्र

जबलपुर, देशबन्धु। कक्षा 5 और 8वीं की वार्षिक परीक्षा 24 फरवरी सोमवार यानि आज से प्रारंभ हो रही हैं। जिले के 62270 बच्चे इस बार परीक्षा दे रहे हैं। सोमवार से जहां 5 वीं और 8 वीं बोर्ड परीक्षा प्रारंभ हो रही हैं वहीं मंगलवार 25 फरवरी से माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश भोपाल के द्वारा आयोजित होने वाले वार्षिक मुख्य परीक्षा शुरू होगी। पहला प्रश्न पत्र कक्षा 12वीं के हिंदी विषय का है एवं 27 फरवरी को कक्षा 10वीं के हिंदी विषय का प्रश्न पत्र से शुरू होगा।

बनाए गए 310 परीक्षा केंद्र

राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशानुसार जिले में कक्षा 5वीं और 8वीं की वार्षिक परीक्षाएं सोमवार 24 फरवरी से प्रारंभ होंगी।

परीक्षाओं की समस्त तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। परीक्षा के लिये 63 जन शिक्षा केंद्र अंतर्गत 310 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। जिला परियोजना समन्वयक योगेश शर्मा के अनुसार सभी परीक्षा केंद्रों में केंद्राध्यक्ष, सहायक केंद्राध्यक्ष, पर्यवेक्षकों की नियुक्ति कर उत्तरपुस्तिकायें पहुंचा दी गई है तथा प्रश्नपत्रों का जन शिक्षा केंद्रवार वितरण पूर्ण हो चुका है। परीक्षा दिवस को जन शिक्षा केंद्रों से परीक्षा केंद्र तक प्रश्न पत्रों का वितरण किया जाएगा। जिला परियोजना समन्वयक ने बताया कि जिले की समस्त 2 हजार 470 शासकीय, मान्यता प्राप्त आशासकीय और अनुदान प्राप्त शालाओं के साथ डाईस कोड प्राप्त मदरसों में अध्यनरत 62 हजार 270 बच्चे पांचवी एवं आठवीं की वार्षिक परीक्षा देंगे। सत्र 2024-25 की यह 24 फरवरी से प्रारंभ होकर परीक्षाएँ 5 मार्च को समाप्त होंगी। परीक्षा की व्यवस्था को लेकर जिला शिक्षा केंद्र द्वारा समस्त जनशिक्षा केंद्र प्रभारी, बीआरसी, बीएसी, जनशिक्षकों को सतत मॉनिटरिंग करने निर्देश जारी किये हैं। कक्षा 5वीं की वार्षिक परीक्षा का पहला प्रश्न-पत्र 24 फरवरी को होगा और अंतिम प्रश्न-पत्र एक मार्च को होगा। प्रश्न-पत्र निर्धारित समय-सारणी के अनुसार दोपहर 2 से शाम 4.30 बजे तक होंगे।

इसी प्रकार कक्षा 8वीं की वार्षिक परीक्षा का पहला प्रश्न-पत्र 24 फरवरी को और अंतिम प्रश्न-पत्र 5 मार्च को होगा। आठवीं के प्रश्न पत्र भी निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार दोपहर 2 बजे से शाम 4.30 बजे तक होंगे। राज्य शिक्षा केन्द्र ने परीक्षा के आयोजन को लेकर दिशा-निर्देश जारी किये हैं। निर्देशों में कहा गया है कि दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम के प्रावधान अनुसार निश्शक्त विद्यार्थियों को अतिरिक्त समय और लेखक की सुविधा प्रदान की जाये।

केंद्रीय औषधि प्रयोगशाला कोलकाता ने जारी की शोध रिपोर्ट

मल्टीविटामिन और एनेस्थीसिया की दवा अमानक!

जबलपुर, देशबन्धु। अगर आप हर रोज स्वस्थ रहने के लिए मल्टी विटामिन की टैबलेट लेते हैं तो सावधान हो जाइए क्योंकि हालहीं में इस संबंध में कोलकाता के केंद्रीय औषधि प्रयोगशाला द्वारा जारी जांच रिपोर्ट के बाद आप शायद मल्टी विटामिन की टैबलेट लेने से पहले दो बार विचार करेंगे। रिपोर्ट में यह बात सामने आई हैं कि हर तीसरे-चौथे रोगी को दी जाने वाली मल्टीविटामिन टेबलेट अमानक पाई गई हैं। इसका अधिकतर उपयोग मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पतालों में ही होता है। इस संबंध में मप्र पब्लिक हेल्थ सप्लाई कारपोरेशन ने दोनों दवाओं की आपूर्ति करने वाली कंपनियों से जवाब तलब किया हैं। संतोषजनक उत्तर नहीं मिलने पर उस बैच की दवाओं की पूरी कीमत कंपनी को देनी होगी। यह स्थिति न सिर्फ मल्टीविटामिन टेबलेट की हैं बल्कि ऐनेस्थिसिया के इंजैक्शन की भी यही स्थिति हैं। रिपोर्ट में सामने आया हैं कि मल्टीविटामिन की दवा के साथ ही मरीजों को दिया जाने वाला एनेस्थीसिया का इंजेक्शन भी अमानक हैं। केंद्रीय औषधि प्रयोगशाला कोलकाता को भेजे गए सैंपल की जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद प्रदेश भर के स्वास्थ्य मोहकमे में हड़कंप का माहौल हैं। मप्र पब्लिक हेल्थ सप्लाई कारपोरेशन ने प्रदेश के तमाम सीएमएचओ व सिविल सर्जन को इस संबंध में पत्र लिखा हैं।

इसलिए पाई गई अमानक-अधिकतर मेडिकल कॉलेज से लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों तक हर तीसरे-चौथे रोगी को दी जाने वाली मल्टीविटामिन टेबलेट अमानक पाई गई है। गुणवत्ता जांच में स्ट्रिप से निकालने पर यह दवाएं फूटी हुई मिलीं। इस दवा में सभी तरह के विटामिन्स के अतिरिक्त कैल्शियम और फोलिक एसिड का मिश्रण हैं। कोटेक हेल्थ केयर कंपनी ने यह दवा आपूर्ति की थी, जिसका बैच नंबर सीएचटी 40560 और एक्सपायरी अक्टूबर 2025 है।

हर डॉक्टर मरीजों को लिखते हैं दवा- ज्ञात हो कि सभी विभागों के डाक्टर किसी भी बीमारी में मूल दवाओं के साथ ही हर तीसरे-चौथे रोगी को ये दवाएं अवश्य लिखते हैं। भर्ती रोगियों के लिए तो यह दवाएं और आवश्यक होती हैं। इसके अतिरिक्त स्पाइनल एनेस्थीसिया के लिए उपयोग होने वाला बूपीवाकाइन डेक्सट्रोज 80 एमजी इंजेक्शन अमानक पाया गया है। मल्टी विटामिन टेबलेट का रोजाना सेवन करने वालों को भी इसके सेवन के पूर्व अपने विवेक का इस्तेमाल करने की सलाह दी गई हैं। पता चला हैं कि सिविल सर्जन उज्जैन द्वारा केंद्रीय औषधि प्रयोगशाला कोलकाता को भेजे गए सैंपल की जांच में इसके दो अलग-अलग बैच अमानक मिले हैं। इनमें एक की एक्सपायरी तिथि मई 2026 और दूसरे की अगस्त 2026 है। इस एनेस्थिसिया इंजेक्शन का उपयोग छोटी-बड़ी सर्जरी के दौरान सुन्न करने के लिए किया जाता है।

आईआरटीएस अधिकारी को अनिवार्य सेवानिवृत्ति दी गई

जबलपुर, देशबन्धु। पश्चिम मध्य रेलवे के परे मुंबई जोन और जबलपुर जोन में विभागीय परीक्षा में हुई धांधली को लेकर केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो सीबीआई की टीम द्वारा प्रकरण में संज्ञान में लेते हुए जांच की और आगे बढ़ाने के लिए कई बिन्दुओं पर गंभीरता से विचार मंथन किया जा जा रहा है।

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो सीबीआई ने गत दिवस जोनल कार्यालय में लेखा विभाग और भंडार विभाग में जांच तेज कर दी है।

उल्लेखनीय है कि इसके पूर्व इस मामले में आधा दर्जन आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। जोन में भी कई प्रकार की अनियमितताओं की सूचनाएं सीबीआई को दी जा रही है।

जबलपुर मंडल में वाहन चालक गार्ड बनाया गया-पमरे के मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में यह चर्चा जोरो से है कि एक शीर्ष अधिकारी ने अपने चहते वाहन चालक जो कि दसवी कक्षा तक शिक्षित था उसको गार्ड के पद पर नियुक्त कर दिया गया जबकि इस पद के लिए शैक्षणिक योग्यता स्नातक रखी गयी थी। इस अपात्र के लिए क्यों इस प्रकार की कृपा की गइ्र। इस प्रकरण को भी सीबीआई द्वारा जांच किए जाने की चर्चा है।

आईआरटीएस अधिकारी को दी गई अनिवार्य सेवा निवृत्ति- इंडियन रेलवे ट्रैफिक सर्विस आईआरटीएस अधिकारियों के बुरे दिन चल रहे हैं। इसका मुख्य उदाहरण इस प्रकार है। वर्ष 2000 बैच के आईआरटीएस अधिकारी आलोक सिंह को रेलवे बोर्ड मुख्यालय दिल्ली ने अनिवार्य रूप से सेवानिवृत्ति दे दी गई है। इस कठोर निर्णय से जबलपुर जोन सहित अन्य जोनों में भी हड़कंप की स्थिति निर्मित हो गई है। जबलपुर जोन के जिस भी कर्मचारी ने नियम विरूद्ध कार्य संपादित किया है उनमें भय देखा जा रहा है।

सूत्रों से प्राप्त सूचना के अनुसार घूस खोरी में फंसे पूर्वोत्तर रेलवे में पदस्थ 2000 बैच के आईआरटीएस अधिकारी आलोक सिंह को रेलवे बोर्ड ने अनिवार्य सेवा निवृत्ति दे दी है। आलोक सिंह गोरखपुर में मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक सीपीटीएम के पद पर पदस्थ थे। ऐसा पता चला है कि आलोक सिंह की उम्र 50 वर्ष थी इस हिसाब से उन्हें 10 वर्ष पूर्व ही रिटायरमेंट कर दिया गया है यह कार्रवाई धारा 56 के अंतर्गत की गई है। सीबीआई ने प्रकरण दर्ज करते हुए मामले की जांच में लिया है।

गौरतलब है कि रेलवे बोर्ड द्वारा इस बड़े निर्णय को लेकर सभी ईमानदार को अच्छा कदम बताया है। वर्ष 2015 में आलोक सिंह मुख्य जनसंपर्क अधिकारी के पद पर थे। इन पर एक विज्ञापन एजेंसी ने घूस लिये जाने का आरोप लगाया था। इस आधार पर सीबीआई ने जांच व प्रारंभ की और जांच में प्रमाणित हुए जाने पर यह कार्रवाई की गई।

रेलवे बोर्ड के एक अधिकारी ने अनिवार्य सेवानिवृत्ति दिये जाने की पुष्टि की है।

जेईई के दूसरे सत्र की परीक्षाएं 1 से 8 अप्रैल तक

जबलपुर, देशबन्धु। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) हर साल जेईई मेन परीक्षा आयोजित करती है, जो इंजीनियरिंग के विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश के लिए जरूरी है। जेईई मेन 2025 परीक्षा का दूसरा सत्र 1 से 8 अप्रैल 2025 तक होगा। एनटीए हर वर्ष संयुक्त प्रवेश परीक्षा मुख्य (जेईई मेन) आयोजित करती है, जो देशभर में प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग संस्थानों जैसे आईआईटी, एनआईटी, ट्रिपल आईटी और अन्य सरकारी मान्यता प्राप्त संस्थानों में प्रवेश लिए आवश्यक है। यह परीक्षा पूरी तरह से कंप्यूटर आधारित टेस्ट (सीबीटी) के रूप में संचालित की जाती है। जानकारी के मुताबिक साल 2025 में यह परीक्षा दो सत्र में होनी है, जिसका पहला सत्र 22 जनवरी से 30 जनवरी के बीच आयोजित किया जा चुका है और दूसरा सत्र 1 से 8 अप्रैल 2025 तक आयोजित किया जाएगा। ज्ञात हो कि जेईई मुख्य परीक्षा में तीन पेपरों में प्रथम पेपर में जहां बीई/बीटेक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए अधिकांश अभ्यर्थी यही परीक्षा देते हैं। दूसरा पेपर बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर के लिए वहीं तीसरा पेपर बी प्लानिंग कार्यक्रम के लिए होता हैं। जहां तक प्रश्नों की संख्या का सवाल हैं तो प्रत्येक विषय से 30 प्रश्न होते हैं जिसमें 20 एमसीक्यूएस और 10 संख्यात्मक मूल्य आधारित प्रश्न होते हैं जिनमें से किसी भी 5 को हल करना होता है। कुल प्रश्नों की संख्या 90, अधिकतम अंक 300 एवं इन्हें हल करने 3 घंटे का समय मिलता हैं। इसकी चयन प्रक्रिया में प्रत्येक सत्र में दिए गए स्कोर में से उच्चतम स्कोर को मान्यता दी जाएगी। अंतिम मेरिट सूची अप्रैल सत्र के बाद जारी की जाएगी। परीक्षा में बैठने के लिए आधिकारिक प्रवेश पत्र (एडमिट कार्ड) आवश्यक होगा। एग्जाम पर निर्धारित टाइम से पहले पहुंचना अनिवार्य है। पहचान पत्र (जैसे आधार कार्ड) अनिवार्य रूप से साथ लाना होगा।

परीक्षा की तैयारी के जानकारों के सुझाव-पूर्व सफल उम्मीदवारों के अनुसार नए विद्यार्थी परीक्षा की तैयारी यदि एनसीईआरटी की पुस्तकों से शुरू कर विशेषकर गणित, भौतिकी और रसायन विज्ञान के लिए कर सकते हैं। मॉक टेस्ट और पिछले सालों के प्रश्नपत्रों का अभ्यास और टाइम मैनेजमेंट की अभी से ही तैयारी करना बेहतर होगा ताकि सभी प्रश्नों को हल कर सकें।

चेन्नई में आयोजित राजभाषा सम्मेलन में व्हीएफजे को मिला प्रथम पुरस्कार

सीएमडी संजय द्विवेदी ने किया पुरस्कृत

जबलपुर, देशबन्धु। चेन्नई में आयोजित एवीएनएल प्रथम राजभाषा सम्मेलन में व्हीएफजे को मिला प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया है. एवीएनएल के सीएमडी संजय द्विवेदी ने पुरस्कार प्रदान किया।

इस सम्मेलन में एवीएनएल की सभी 8 इकाइयों ने भाग लिया. सम्मेलन में राजभाषा प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया था जिसमें सभी निर्माणियों ने अपने अपने कार्यालयों में राजभाषा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों का प्रदर्शन किया. साथ ही सभी निर्माणियों ने पॉवर प्वाइंट प्रेजेंटेशन भी दिया.

राजभाषा सम्मेलन में व्हीकल फैक्ट्री जबलपुर को राजभाषा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रथम स्थान प्राप्त हुआ. जबकि हैवी व्हीकल फैक्टरी चेन्नई को द्वितीय एवं मशीन एवं प्रोटोटाइप फैक्टरी अंबरनाथ को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

रूपा श्रीनिवासन सदस्य आरसीटी बनेंगी

जबलपुर, देशबन्धु। रेलवे बोर्ड मुख्यालय दिल्ली में अधिकारियों को प्रमोशन दिये जाने के लिए गंभीरता से विचार मंथन किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार रेलवे बोर्ड दिल्ली में एक पद सदस्य का शीघ्र ही खाली होने वाला है।

प्राप्त खबर के अनुसार रूपा श्रीनिवासन सदस्य वित्त जो कि वर्ष 1987 बेच की हैं उनको रेलवे क्लेम ट्रिब्यूनल आरटीसी में सदस्य के पद पर शीघ्र ही आदेश जारी होने की संभावना है। रूपा श्रीनिवासन को सदस्य वित्त के पद से स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति लेने के बाद ही अगले पद के लिए पदस्थ दिये जाने की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी।

देखते ही देखते जलकर खाक हो गया मिनी ट्रक

शहडोल, देशबन्धु। चलते मिनी ट्रक में अचानक शार्ट सर्किट से आग लग गई। आग ने पुरे ट्रक को अपने आगोश में ले लिया और मिनी ट्रक धू धू कर जलकर राख हो गया है। घटना खैरहा थाना क्षेत्र के करकटी गांव की है। जानकारी लगते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने दमकल कर्मियों को बुलाया लेकिन जब तक आग विकराल रूप धारण कर चुकी थी, कड़ी मशक्कत के बाद आग को बुझाया गया लेकीन जब तक वाहन जल कर राख हो चुका था। मिनी ट्रक में लकड़ी का छिलका लोड था।

चालक ने बताया कि वाहन में लकड़ी का छिलका लोड कर वह पेपर मिल से भिलाई जा रहा था। तभी रास्ते में करकटी गांव के पास मिनी ट्रक में अचानक शॉर्ट सर्किट की वजह से इंजन में आग लग गई, समय रहते ही चालक ने उसे बुझाने की उतरकर कोशिश की, लेकिन चालक की कोशिश नाकाम रही। घटना देख स्थानीय लोगों ने मामले की जानकारी पुलिस की डायल हंड्रेड को दी, जानकारी लगने के बाद डायल 100 पुलिस के साथ थाना प्रभारी दिलीप सिंह अपने दलबल के साथ मौके पर पहुंचे, और दमकल कर्मियों को मामले की खबर दी गई। धनपुरी का दमकल वाहन मौके पर पहुंचा जब तक आग विकराल रूप धारण कर चुकी थी।पुलिस के अनुसार मिनी ट्रक का चालक अशोक सिंह रायपुर का रहने वाला है,और वह पेपर मिल अमलाई से लकड़ी का छिलका लेकर भिलाई जा रहा था, तभी रास्ते में यह घटना घटी है,शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगने की बात सामने आई है, चालक में कूद कर अपनी जान बचाई है।

महाकुंभ जा रहे श्रद्धालु की हार्ट अटैक से मौत

रीवा देशबन्धु। प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में गंगा स्नान करने जा रहे भोपाल के युवक की रीवा में मौत हो गई। युवक की मौत का कारण संभवत: हार्ट अटैक से होना बताया जा रहा है। बताया गया कि रीवा पहुंचे युवक की अचानक तबीयत खराब हो गई जिसे आनन फानन में संजय गांधी अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृत युवक का नाम 19 वर्षीय आकाश बागुल था और वह भोपाल के टीएचआई का निवासी बताया गया है। जानकारी के मुताबिक भोपाल निवासी आकाश कुछ दोस्तों के साथ चार पहिया वाहन से प्रयागराज गंगा स्नान करने जा रहा था। सभी लोग रीवा शहर के समान तिराहे के पास पेट्रोल डलवाने के लिए पेट्रोल पंप में रुके थे। उसी दौरान आकाश मुंह धोने के लिए बाहर उतरा, लेकिन कुछ कदम चलने के बाद

अचानक चक्कर खाकर गिर पड़ा। उसके दोस्तों ने उसे उठाने का प्रयास किया, लेकिन वह नहीं उठा। जिसके बाद उसे तुरंत अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रथम दृष्ट्या, उसकी मौत हार्ट अटैक से होने की संभावना जताई जा रही है। पुलिस ने फिलहाल शव को मर्चुरी में रखवा दिया है और परिजनों को सूचना भेज दी है।

खड़े ट्रक से भिड़ी वैन, दो घायल

रीवा, देशबन्धु। जिले के चाकघाट से है। जहां नेशनल हाईवे 30 पर बघेड़ी चौराहे के पास ईको वैन खड़े ट्रक से भिड़ गई है। हादसे में दो लोगों के घायल होने की सूचना है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आज सुबह छ: बजे के करीब ईको वैन हादसे का शिकार हुआ है। जानकारी के अनुसार भोपाल से आधा दर्जन कार सवार लोग प्रयागराज में कुंभ मेले से संगम स्नान कर वापस भोपाल की ओर लौट रहे थे। जो चाकघाट के बघेड़ी में पहुंचते ही सड़क हादसे का शिकार हो गए हैं। यहां पर कई ट्रक अनावश्यक रूप से सड़क पर खड़े हैं। जो हादसों की वजह बन रहे हैं। जिस पर समय रहते प्रशासन समय रहते कार्यवाही नहीं करता और एक बड़ी लापरवाही के चलते लोग सड़क हादसे का शिकार हो रहे हैं।

J.B.F.A.
जबलपुर बॉयलर फार्मस् एसोसियेशन
मुर्गा छोटा - रु. 122
मुर्गा मीडियम - रु. 110
मुर्गा बड़ा - रु. 90
मुर्गा जम्बो - रु. 90
मो.-9039925000, 9425800409

सोनू पोल्ट्री
बड़ा ब्रॉयलर - रु. 86
मीडियम ब्रॉयलर - रु. 106
छोटा ब्रॉयलर - रु. 118
मोबाइल नं. 9300692405

श्रद्धालुओं से भरी कार ट्रक से टकराई तीन की मौत

देवतालाब के समीप अलसुबह हुई घटना

रीवा देशबन्धु। मऊगंज के देवतालाब के समीप आज अल सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया। श्रद्धालुओं से भरी कार सामने से आ रहे हैं ट्रक से टकरा गई जिसके कारण तीन लोगों की मौत हो गई है वहीं दो की हालत गंभीर बनी हुई है। बताया जा रहा है कि कार सवार महाराष्ट्र महाबलेश्वर के रहने वाले हैं जो कुंभ में गंगा स्नान करके मिर्जापुर मार्ग से वापस आ रहे थे सुबह तकरीबन 4 बजे तेज रफ्तार कार अचानक अनियंत्रित हो गई जो डिवाइडर को लाघते हुए सड़क के दूसरी ओर चली गई तभी सामने से आ रहे ट्रक से जोरदार टक्कर घटना में कार सवार राकेश परदेसी और अंजना चौरसिया की घटना स्थल पर ही मौत हो गई जबकि रीवा के संजय गांधी अस्पताल में सरिता परदेसी नामक महिला ने भी दम तोड़ दिया कार सवार अन्य लोगों में श्लोक परदेसी गीता परदेसी सहित एक युवक का इलाज चल रहा है जिसमें से दो की हालत गंभीर बनी हुई है घटना की जानकारी मिलने के बाद प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं जहां चिकित्सकों के टीम द्वारा घायलों का उपचार किया जा रहा है घायलों की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है।

FOR PRIVATE SCREENING CALL
+91 79999 68989
FOR ONLINE BOOKING & OFFER
BOOK FROM
BOOKMYSHOW
CALL BOOKING 0761-4069888
CALL BOOKING
0761-4069888
4069889
समदड़िया सिनेमा
MERE HUSBAND KI BIWI
10:00AM 12:00PM
03:00PM 05:30PM
08:15PM 10:45PM
CHHAAVA
09:30AM 11:00AM 12:30PM
01:45PM 03:30PM 04:30PM
05:15PM 06:30PM 08:00PM
09:30PM 10:30PM 11:00PM
SANAM TERI KASAM
Re-release
09:15AM
02:30PM
CAPTAIN AMERICA
3D (HINDI)
12:30PM
OFFICER ON DUTY
MALAYALAM
08:00PM

प्रदेश

अंतरिक्ष के क्षेत्र में नीत नई उंचाइयों को छू रहा भारत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पिछले महीने देश भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के सौवें राकेट लांच के साक्ष्य बने है जो केवल एक नंबर नहीं है बल्कि अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में नीत नई ऊंचाइयों को छूने के हमारे संकल्प का पता चलता है। मोदी ने अपने 'मन की बात' मासिक कार्यक्रम में कहा कि पिछले महीने देश इसरो के सौवें राकेट लांच के साक्ष्य बने है जो केवल एक नंबर नहीं है बल्कि स्पेस विज्ञान के क्षेत्र में नीत नई ऊंचाइयों को छूने के हमारे संकल्प का भी पता चलता है। हमारे स्पेस जर्नी की शुरुआत बहुत ही सामान्य तरीके से हुई थी। इसमें कदम कदम पर चुनौतियां थी लेकिन हमारे वैज्ञानिक विजय प्राप्त करते हुए आगे बढ़ते ही गए। समय के साथ अंतरिक्ष की इस उड़ान में हमारी सफलता की सूची लंबी होती चली गई।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स सम्मिट 2025 से भोपाल बनेगा औद्योगिक हब

भोपाल, देशबन्धु। भोपाल में हो रही ग्लोबल इन्वेस्टर्स सम्मिट 2025 को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि- इस सम्मिट की सफलता से भोपाल औद्योगिक हब के रूप में स्थापित होगा जिसका फायदा पूरे प्रदेश को मिलेगा।

भागीदार देश सत्र - शिखर सम्मेलन ने वैश्विक भागीदारी को आकर्षित किया है, जिसमें भागीदार देश विभिन्न सत्रों की मेजबानी कर रहे हैं। इनमें ग्लोबल साउथ, जर्मनी और मध्यप्रदेश के लिए निवेश रणनीतियों और जापान और मध्यप्रदेश के बीच आर्थिक सहयोग पर सत्र शामिल हैं। कनाडा के साथ एक राउण्ड टेबल मीटिंग, पोलैंड के साथ एक कंट्री सेशन और एक बहुराष्ट्रीय निवेश सत्र भी होगा।

विभागीय शिखर सम्मेलन- नवीनीकृत मध्यप्रदेश शिखर सम्मेलन, कुसुम परियोजनाओं के लिए हस्ताक्षरित पॉवर परचेज एग्रीमेंट (पीपीए), लेटर ऑफ अवार्ड (एलओए) वितरण और बीईएसएस परियोजना के साथ मुरैना सौर पर पूर्व-बोली बैठकों सहित हरित ऊर्जा परियोजनाओं को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करेगा।

टेक-इन्वेस्ट समिट- यह समिटराज्य को टेकसंचालित अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में संभावनाओं को उजागर करेगा, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्मार्ट शहरों और डिजिटल परिवर्तन पर चर्चा होगी, जिसमें एक समर्पित एआई और आईटी स्टार्ट-अप इनक्यूबेशन नीति का शुभारंभ होगा।

एमएसएमई और स्टार्ट-अप सत्र - मध्यप्रदेश का जीवंत एमएसएमई और स्टार्ट-अप पारिस्थितिकी तंत्र नवाचार और विकास को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह शिखर सम्मेलन उद्यमियों, निवेशकों और औद्योगिक संगठनों को जोड़ता है। साथ ही सहयोग और विस्तार के अवसरों को भी बढ़ावा देता है। शिखर सम्मेलन राज्य में स्टार्ट-अप और एमएसएमई पारिस्थितिकी तंत्र पर केंद्रित है। प्रमुख यूनिकॉर्न, स्टेबिलिटी और ब्रांड रिस्पांसिबिलिटी स्टार्ट-अप शिखर सम्मेलन का हिस्सा बन रहे है।

खनन शिखर सत्र - समिट में एनएमईटी फंड का उपयोग करके तांबा और रणनीतिक खनिजों का पता लगाने के लिए एमपीएसएमसीएल और हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाएंगे।

शहरी विकास शिखर सत्र- इस सत्र में किफायती आवास, शहरी नियोजन में एआई और शहरों में नवीकरणीय ऊर्जा अपनाने संबंधी चर्चा रहेगी।

कपड़ा और परिधान सत्र - समिट में तकनीकी और सुरक्षात्मक वस्त्रों को बढ़ाने पर विशेष रूप से चर्चा की जाएगी। सत्र में जापान की मशहूर कम्पनी यूनिक्लो मध्यप्रदेश के वस्त्र और परिधान उद्योग की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे।

पर्यटन सत्र - सत्र में इंडियाहाइक्स के साथ बहु-दिवसीय ट्रेकिंग मार्गों को विकसित करने के लिए समझौता ज्ञापन, ग्वालियर किले की रोशनी के लिए इंटरग्लोब एविएशन (इंडिगो) के साथ एक सीएसआर साझेदारी आदि सहित प्रमुख पहलों की घोषणा की जाएगी।

प्रवासी मध्यप्रदेश सत्र - ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट में प्रवासी मध्यप्रदेश के प्रवासी नागरिक शामिल होंगे। यह सत्र वैश्विक भारतीय प्रवासी को जोड़ने, नए निवेश के अवसरों को बढ़ावा देने और सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए प्रमुख मंच प्रदान करेगा।

क्षेत्रीय सत्र- जीआईएस में क्षेत्रीय शिखर सम्मेलनों की श्रृंखला भी होगी, जो प्रमुख क्षेत्रों में निवेश की क्षमता को अनलॉक करेगी। इसमें -

INVEST MADHYA PRADESH — INFINITE POSSIBILITIES

मॉलीक्यूल्स टू मशीन (स्वास्थ्य सेवा, फार्मा और चिकित्सा उपकरण)- आयात निर्भरता, स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देने, उद्योग परिवर्तन, सरकारी नीतियों, डिजिटल परिवर्तन और नियामक चुनौतियों पर चर्चा के साथ भारत में फार्मा और मेडटेक की विकास कहानी का प्रदर्शन होगा।

सीड-टू-शेल्फ (खाद्य प्रसंस्करण, कृषि और बागवानी)- इस सत्र में कृषि से तैयार उत्पादों की मूल्य श्रृंखला, खाद्य प्र-संस्करण और बागवानी में निवेश आकर्षित करने, क्षेत्र की जैव विविधता, कृषि उत्पादन और औद्योगिक परिदृश्य पर विषय विशेषज्ञों के साथ विस्तृत चर्चा की जाएगी।

नए युग का निर्माण (कपड़ा और परिधान)- इस सत्र में मध्यप्रदेश की प्रचुर कच्ची सामग्री उपलब्धता, मजबूत बुनियादी ढांचा के साथ-साथ मैन्यूफैक्चरिंग, डिजाइन, इनोवेशन और निर्यात विस्तार बढ़ाने पर चर्चा की जाएगी।

कौशल विकास सत्र- इस सत्र में युवाओं में कौशल विकास प्रतिभा का पोषण और बढ़ते कार्य बल को सशक्त बनाने पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना जैसी पहलों के साथ, मध्यप्रदेश को एक अग्रणी कौशल विकास केंद्र के रूप में उभर रहा है, जो युवाओं को रोजगार के लिये तैयार कर रहा है।

खाद्य एवं भंडारण सत्र - इस सत्र में मध्यप्रदेश को दुनिया से जोड़ना के उद्देश्य से प्रदेश के सुविकसित परिवहन बुनियादी ढांचे और अग्रणी उद्योगों के प्रतिनिधियों के साथ विचार-विमर्श किया जाएगा।

सहकारिता सत्र- इस सत्र में राज्य के आर्थिक विकास में सहकारी समितियों की भूमिका को उजागर करना और सहकारी समितियों को मजबूत करने के लिए रणनीतियों पर चर्चा की जाएगी।

सड़क अवसंरचना सत्र- इस सत्र में मध्यप्रदेश में सड़क अवसंरचना विकास में निवेश के अवसरों, नवीन समाधानों और भविष्य की संभावनाओं पर विषय-विशेषज्ञों के साथ विस्तृत चर्चा की जाएगी।

भविष्य की चुनौतियां

एमपी स्टार्ट-अप पिचिंग सत्र- इस सत्र में स्टार्ट-अप्स को अपने नवीन विचारों और समाधानों को पिच करने के उद्देश से युवा स्टार्ट-अप उद्यमी सम्मिलित होंगे। इससे राज्य में उद्यमिता और निवेश को बढ़ावा मिलेगा।

ग्रीन हाइड्रोजन- इस सत्र में टिकाऊ ऊर्जा स्रोत के रूप में ग्रीन हाइड्रोजन की क्षमता, निवेश के अवसरों और इस तकनीक को आगे बढ़ाने में मध्यप्रदेश की भूमिका पर चर्चा की जाएगी।

शिखर सम्मेलन और सत्रों के अलावा, कपड़ा और परिधान के साथ सीआईआई बैठकें, एमएसएमई परिषद के साथ बैठक और विकसित भारत युवा नेता संवाद भी होगा।

प्रदर्शनियाँ

जीआईएस-2025 में इन निवेश शिखर सम्मेलनों के समानांतर ऑटो एक्सपो जोन, इलेक्ट्रिक वाहनों और स्वच्छ गतिशीलता में नवाचारों का प्रदर्शन, टेक्सटाइल एक्सपो जोन, टिकाऊ और सुरक्षात्मक वस्त्रों का प्रदर्शन और एमपी मंडप प्रदर्शनियाँ, मध्यप्रदेश की औद्योगिक ताकत और निवेश प्रोत्साहन को उजागर करना सहित कई प्रदर्शनियाँ होंगी।

मीटिंग- जीआईएस-2025 के अंतर्गत बीट-2-बी (बिजनेस टू बिजनेस) और बिजनेस-टू-गवर्नमेंट (बी2जी) मीटिंग के माध्यम से व्यवसायों के लिए विशेष नेटवर्किंग प्लेटफ़ॉर्म प्रदान किया जाएगा, जिससे निवेशक सीधे नीति निर्माताओं, नियामक निकायों और उद्योग के नेताओं से जुड़ सकते हैं।

एमपी बिजनेस एग्जीक्यूटिव मीट, एमपी गवर्नमेंट और बिजनेस मीट और विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग जैसे प्रमुख कार्यक्रम रणनीतिक व्यावसायिक नेटवर्किंग, नियामक चर्चा और उद्यमिता विकास की सुविधा प्रदान करेंगे।

एक्सपो और प्रदर्शनी- शिखर सम्मेलन में कई समानांतर एक्सपो आयोजित किए जाएँगे, जिनमें मध्यभारत फ़ैब्रिक और फ़ैशन एक्सपो में मध्यप्रदेश के समृद्ध कपड़ा उद्योग, परिधान में नवाचार और उभरते वैश्विक फ़ैशन रुझानों को प्रदर्शित किया जाएगा।

एमपी मोबिलिटी एक्सपो - इस एक्सपो में राज्य की ऑटोमोटिव क्षेत्र में हुई प्रगति को प्रदर्शित किया जाएगा।

ओडीओपी विलेज- राज्य की एक जिला, एक उत्पाद (ओडीओपी) पहल, स्थानीय कारीगरों और लघु उद्योगों का प्रदर्शन किया जाएगा। एमपी पैवेलियन प्रदर्शनी राज्य के औद्योगिक परिदृश्य और व्यावसायिक प्रोत्साहनों के बारे में जानकारी प्रदान करती है।

एमपी डिजिटल एक्सपीरियंस ज़ोन - प्रधानमंत्री श्री मोदी 5,000 वर्ग फीट में निर्मित इमर्सिव सेंटर का भ्रमण करेंगे। इसमें वे मध्यप्रदेश की समृद्ध विरासत, ऐतिहासिक धरोहर और पर्यटन स्थलों का वर्चुअल अनुभव लेंगे। यह जोन जीआईएस में आने वाले प्रतिभागियों को मध्यप्रदेश की परंपरा और नवाचार के संगम का अनुभव कराएगा।

सामान्य प्रदर्शनी - व्यवसायियों को अपने उत्पादों, सेवाओं और तकनीकी प्रगति को उजागर करने के लिए मंच प्रदान करना। जीआईएस-2025 कुशल यातायात और सुरक्षा प्रबंधन, ई-कार्ट स्टेशन और शटल सेवाओं के साथ सहज कार्यक्रम अनुभव प्रदान करेगा। स्थिरता और नवाचार पर केंद्रित, इसका उद्देश्य कार्बन-रहित आयोजन बनना है। जीआईएस-2025, निवेश शिखर सम्मेलन से कहीं अधिक भारत के सबसे तेजी से बढ़ते राज्यों में से एक मध्यप्रदेश में आर्थिक अवसरों का प्रवेश द्वार है। यह उद्योग एवं रोजगार वर्ष 2025 की शुरुआत का प्रतीक है, जिसका उद्देश्य रोजगार सृजित करना, कौशल विकास को बढ़ाना और विश्व स्तरीय बुनियादी ढाँचा तैयार करना है। यह शिखर सम्मेलन निवेशकों के विश्वास को सुदृढ़ करेगा, नई नीतियों को क्रियान्वित करेगा और रोजगार के अवसर खोलेगा, जिससे राज्य विकसित भारत-विकसित मध्यप्रदेश की ओर अग्रसर होगा।

जीआईएस 2025 में ये प्रमुख उद्योगपति होंगे शामिल

भोपाल, देशबन्धु। जीआईएस 2025 में देश के कई प्रमुख उद्योगपतियों के साथ विदेशी निवेशक भी शामिल होंगे।

समिट में भाग लेने वाले प्रमुख उद्योगपतियों में आदित्य बिड़ला समूह के अध्यक्ष श्री कुमार मंगलम बिड़ला, अडानी समूह के अध्यक्ष श्री गौतम अडानी, गोदरेज इंडस्ट्रीज लिमिटेड के अध्यक्ष और एमडी श्री नादिर गोदरेज, रसना प्राइवेट लिमिटेड के समूह अध्यक्ष श्री पिरुज खंबाटा, भारत फोर्ज लिमिटेड के अध्यक्ष और एमडी श्री बाबा एन कल्याणी, सन फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड के ग्लोबल हेड ऑफ ऑपरेशंस श्री राहुल अवस्थी और एसीसी लिमिटेड के सीईओ श्री नीरज अखौरी जैसे दिग्गज शामिल हैं। जीआईएस-2025 में कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, कपड़ा और वस्त्र, खनन, सूचना प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा, शहरी विकास, पर्यटन और खाद्य जैसे प्रमुख निवेश क्षेत्र विभिन्न सम्मेलनों के माध्यम से निवेशकों को अनंत संभावनाओं से परिचित कराएंगे।

25 फरवरी को 'अर्बन समिट' में होगा 'डेवलपिंग सिटीज ऑफ टुमॉरो' पर संवाद

भोपाल, देशबन्धु। राजधानी भोपाल में 24-25 फरवरी को श्यामला हिल्स स्थित राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन किया जा रहा है। इस समिट में 25 फरवरी (मंगलवार) दोपहर 2 बजे से अर्बन समिट का आयोजन होगा। इसमें शहरी विकास से जुड़ी प्रमुख नीतियों और निवेश के अवसरों पर चर्चा की जाएगी। मध्यप्रदेश में 72 हजार करोड़ रुपये की लागत से नगरीय विकास की विभिन्न परियोजनाएँ प्रगति पर हैं, जबकि 88 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाएँ प्रक्रियाधीन हैं।

समिट में मुख्य अतिथि के रूप में केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल, मध्यप्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, और केन्द्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव श्री कटिकिथला श्रीनिवासन उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ नगरीय विकास एवं आवास विभाग, मध्यप्रदेश के प्रमुख सचिव संजय कुमार शुक्ला के स्वागत उद्बोधन से होगा।

उद्घाटन सत्र के बाद डेवलपिंग सिटीज ऑफ टुमॉरो विषय पर एक विशेष सत्र आयोजित किया जाएगा। इसमें प्रमुख सचिव श्री संजय शुक्ला एवं नगरीय विकास एवं आवास विभाग के आयुक्त श्री सी.बी. चक्रवर्ती अपने प्रेजेंटेशन देंगे। इसके बाद, निवेशकों के साथ नगरीय विकास से जुड़ी परियोजनाओं में निवेश के अवसरों पर परिचर्चा की जाएगी। इस अवसर पर ईवी पोर्टल का लोकार्पण भी किया जाएगा।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में पार्किंग प्लान

भोपाल, देशबन्धु। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में 24 एवं 25 फरवरी को आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में शामिल हो रहे अतिथियों के वाहनों के लिये पहले ही पार्किंग की व्यापक व्यवस्था की गई है। साथ ही आयोजन स्थल से वाहनों के निकास की व्यवस्था भी दुरुस्त की गई है। वाहनों की पार्किंग जारी किए गए पास के मुताबिक की गई है। अतिथियों के वाहन पार्किंग में रोक दिए जाएंगे और वहां से आयोजन स्थल तक जाने के लिए ई-बस और कार की व्यवस्था की गई है। तीन प्रकार की ई-बस के अतिरिक्त 973 कार भी इसमें शामिल हैं।

पार्किंग व्यवस्था इस प्रकार होगी

गवर्नमेंट ऑफिशियल्स - स्मार्ट सिटी पार्किंग और वीआईपी पार्किंग नंबर 2 में व्यवस्था होगी। अधिकारी अपने वाहन से आयोजन स्थल तक जा सकेंगे।

गेस्ट ऑफ़ ऑनर (फाइव स्टार कैटेगरी) - वीआईपी पार्किंग नंबर वन। यहां से एमपीआईडीसी द्वारा वाहन की व्यवस्था की जाएगी।

गेस्ट ऑफ़ ऑनर (अन्य)- 23वीं बटालियन ग्राउंड। अपने वाहन से जा सकेंगे।

स्पेशल इनवाइटी: रीजनल कॉलेज, डेमोंस्ट्रेशन स्कूल और पुलिस रेडियो ग्राउंड (स्मार्ट सिटी पार्क के पास) यहां से ई-बस और ट्रैवलर से आयोजन स्थल तक पहुंचाया जाएगा।

मीडिया: पुलिस रेडियो ग्राउंड (स्मार्ट सिटी पार्क के पास) और मैरिज गार्डन (पुलिस रेडियो ग्राउंड के पास)। यहां से ई-बस और ट्रैवलर से आयोजन स्थल तक पहुंचाया जाएगा।

फॉरेन डेलीगेट: सैर सपाटा में पार्किंग, फिर यहां से एमपीआईडीसी द्वारा वाहन की व्यवस्था की जाएगी।

एनआरआई/ओसीआई / पीआईओ / एमपी डायस्पोरा: पुलिस रेडियो ग्राउंड (स्मार्ट सिटी पार्क के पास)। यहां से एमपीआईडीसी द्वारा वाहन की व्यवस्था की जाएगी।

डेलिगेट्स (जो होटल में ठहरे हैं या स्थानीय) दशहरा मैदान की पार्किंग में परिवर्तन कर टीटी नगर मल्टी लेवल कार पार्किंग एवं राम मंदिर अटल पथ पर डेलीगेट्स के वाहनों की पार्किंग व्यवस्था की गयी है। यहां से ट्रैवलर एवं अन्य इलेक्ट्रिक वाहनों द्वारा डेलीगेट्स को ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट - (इंदिरा गाँधी मानव संग्रहालय) तक ले जाया जाएगा। डेलीगेट्स जो कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के कार्यक्रम के लिये आमंत्रित हैं, उन्हें सुबह 8.30 बजे तक कार्यक्रम स्थल पर पहुंचना होगा।

ऑर्गेनाइजर के लिए डीटीई पार्किंग, इवेंट टीम, सर्विस प्रोवाइडर और वॉलिंटियर के लिए दशहरा मैदान और स्मार्ट सिटी गवर्नमेंट हाउसिंग पार्किंग में व्यवस्था होगी।

सभी को पार्किंग में सुबह 6.30 बजे तक पहुंचना होगा, जहां से आयोजन स्थल तक पहुंचने के लिए सुबह 7.30 बजे तक का समय निर्धारित है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के कार्यक्रम के लिये मुख्य सभागार में गेस्ट ऑफ़ ऑनर (फाइव स्टार कैटेगरी) मुख्य हाल के द्वार क्रमांक 1 से प्रवेश करेंगे एवं अन्य गेस्ट ऑफ़ ऑनर, फॉरेन डेलीगेट, गवर्नमेंट आफिशियल्स एवं ऑर्गेनाइजर को द्वार क्रमांक-2 से प्रवेश दिया जायेगा।

स्पेशल इन्वाइटीस, मीडिया एवं एनआरआई (डायस्पोरा) के प्रवेश की व्यवस्था द्वार क्रमांक 3 एवं 4 से की गई है। डेलिगेट्स (सुबह 7.30 बजे) के प्रवेश की व्यवस्था द्वार क्रमांक 5 एवं 6 से की गई है। सम्मानित अतिथिगणों से अनुरोध किया गया है कि वे उच्च सुरक्षा मानकों के अनुपालन में कृपया कम से कम सामान लेकर चलें। सुरक्षा और सुविधा के लिए सभी का सहयोग अपेक्षित है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से आईटीसी के चेयरमैन पुरी एवं सीआईआई और एक्सिस बैंक के प्रतिनिधियों ने की सौजन्य भेंट

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से रविवार को आईटीसी लिमिटेड के अध्यक्ष एवं भारतीय उद्योग परिसंघ (कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज - सीआईआई) के प्रेसिडेंट संजीव पुरी, सीआईआई के डायरेक्टर जनरल चंद्रजीत बैनर्जी, रीजनल डायरेक्टर राजेश कपूर एवं अनिरुद्ध चौहान ने समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में सौजन्य भेंट की।

इस दौरान औद्योगिक विकास और परस्पर व्यापारिक सहयोग से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से एक्सिस बैंक, मुंबई के वाइस प्रेसिडेंट संदीप ओतुरकर व अन्य अधिकारियों ने भी समत्व भवन में ही मुलाकात की। बैठक में वित्तीय क्षेत्र में सहयोग और प्रदेश में बैंकिंग सुविधाओं के आवश्यकतानुसार विस्तार पर विचार-विमर्श किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संत गाड़गे जी की जयंती पर दी श्रद्धांजलि

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समाज सुधारक संत गाड़गे जी महाराज की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया %एक्स% में लिखा है कि संत गाड़गे जी महाराज का समाज सुधार, शिक्षा, स्वच्छता और सेवा के प्रति अद्वितीय योगदान लोक कल्याण की प्रेरणा देता रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संत गाड़गे जी द्वारा तत्कालीन समाज में फैले अंधविश्वास, आडंबर, रूढ़ियों, कुरीतियों और दुर्व्यसनों के खिलाफ जागरूकता लाने के सद्प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि संत गाड़गे जी के विचार और आदर्श अनंतकाल तक समाज का मार्गदर्शन करते रहेंगे। उल्लेखनीय है कि संत गाड़गे जी महाराज ने अपने जीवन में समाज सुधार, विशेष रूप से स्वच्छता व शिक्षा के प्रचार-प्रसार पर बल दिया। उनके विचार और योगदान आज भी प्रासंगिक होकर समाज के लिए प्रेरणा स्रोत बने हुए हैं।

विश्वामित्र का भारत होगा विश्व मित्र की भूमिका में : पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री

छतरपुर, देशबन्धु। बागेश्वर धाम में कैंसर अस्पताल का शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में भव्य समारोह में किया गया। यहां प्रधानमंत्री से पहले समारोह को सम्बोधित करते हुये पं. धीरेन्द्रकृष्ण शास्त्री ने कैंसर अस्पताल के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर पं. धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि विश्वामित्र का भारत अब विश्व मित्र की भूमिका में है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश की दशा और दिशा बदलने के साथ ही भारत ने चाँद पर तिरंगा फहराया है। कैंसर हॉस्पिटल की सौगात बुंदेलखंड के लिए सबसे बड़ा उपहार है। धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा की प्रधानमंत्री के आगमन से अद्भुत और अकल्पनीय पल आया है। वीरों, हीरों, संत और महंत की भूमि बुंदेलखंड को निश्चित ही हॉस्पिटल की सौगात से लाभ मिलेगा।

पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश चहुंमुखी विकास की ओर अग्रसर है। बुंदेलखंड में स्वास्थ्य सुविधाओं के विकास से बड़ी संख्या में अंचल के लोगों को आसानी से स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सकेगा। पहली बार मंदिर में अस्पताल की अवधारणा को साकार करने के साथ ही कैंसर हॉस्पिटल को भविष्य में मेडिकल कॉलेज के रूप में विकसित किया जाएगा। बागेश्वर धाम में दवा, ज्ञान और विज्ञान का

समन्वय होगा। पं. धीरेन्द्र शास्त्री ने कहा कि रिसर्च इंस्टिट्यूट में एक वार्ड का नाम प्रधानमंत्री श्री मोदी जी की माताजी के नाम पर किया जाएगा। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री मोदी को स्वस्थ्य रहने का आशीर्वाद दिया।

3 वर्ष में इंस्टिट्यूट का निर्माण कार्य होगा पूरा

श्री बागेश्वर धाम मेडिकल साइंस एण्ड रिसर्च इंस्टिट्यूट 25 एक? क्षेत्रफल में बनेगा। बुंदेलखंड क्षेत्र के ?रीब असहाय और निर्धन कैंसर रोगियों के लिए, एक ब?ा सहारा बनेगा। अस्पताल के पहले चरण में 100 बिस्तरों की सुविधा होगी जिसमें अत्याधुनिक मशीनों और विशेषज्ञ चिकित्सकों के माध्यम से ?रीब कैंसर रोगियों को नि शुल्क इलाज किया जाएगा। अस्पताल का निर्माण तीन वर्षों में पूर्ण होगा। अस्पताल में फूड कोर्ट, प्रदर्शनी परिसर, दुकानें, सोलर पार्किंग और धर्मशाला जैसी सुविधाएं भी होंगी। पैथोलॉजी, सीटी स्कैन, रेडियोथेरेपी और कीमोथेरेपी जैसी आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी।

कार्यक्रम में पूज्य श्री बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर श्री धीरेंद्र शास्त्री ने प्रधानमंत्री श्री मोदी को हनुमत यंत्र, श्री बालाजी का विग्रह, सनातन धर्म की पुस्तक और बागेश्वर धाम परिचय पुस्तिका भेंट स्वरूप प्रदान की गई। स्वामी रामभद्राचार्य द्वारा स्वयं रचित साहित्य और अंगवस्त्रम् भी आशीर्वाद स्वरूप भेंट किया गया।

MPIDC
MP INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.

इन्वेस्ट मध्यप्रदेश
अनंत संभावनाएं

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी
के दूरदर्शी नेतृत्व में

देश का हृदय प्रदेश लिख रहा
विकास की नई गाथा

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट
उद्घाटन

प्रधानमंत्री
नरेन्द्र मोदी
द्वारा

गरिमामयी उपस्थिति

मंगुभाई पटेल
राज्यपाल, मध्यप्रदेश

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

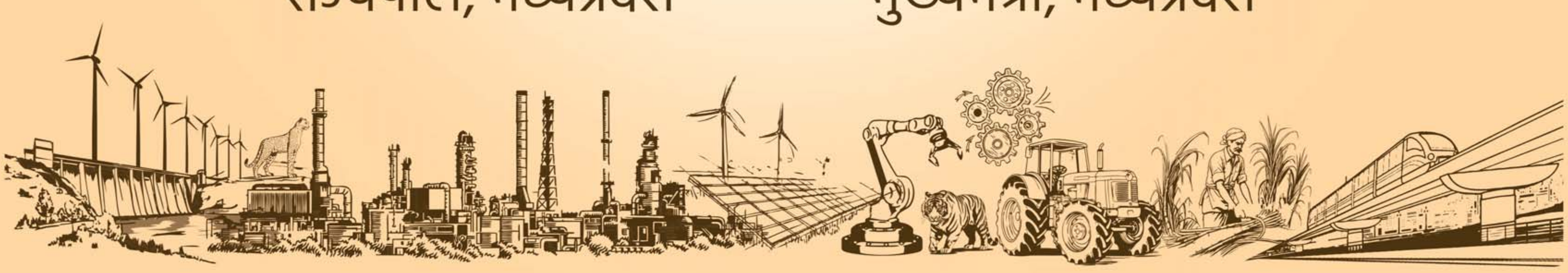

CII
Confederation of Indian Industry

24 फरवरी, 2025 | प्रात: 10:00
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल

EY
Shape the future with confidence

सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents DD News @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP www.investmp.in

D-11195/24

MP INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.
CII Confederation of Indian Industry
EY Shape the future with confidence

अनंत संभावनाओं की भूमि मध्यप्रदेश में आपका स्वागत है

औद्योगिक विकास के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की दृढ़ प्रतिबद्धता से मध्यप्रदेश में निवेश का मजबूत ईको सिस्टम विकसित हुआ है। अपनी निवेशक अनुकूल नीतियों एवं 'स्टार्ट योर बिज़नेस इन 30 डेज़', एकल खिड़की व्यवस्था, ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस में अग्रणी एवं अपार संसाधनों के साथ प्रदेश निवेश के एक प्रमुख गंतव्य के रूप में उभर रहा है।

इन्वेस्ट मध्यप्रदेश

अनंत संभावनाएं

उद्योग एवं रोज़गार वर्ष - 2025

कार्यक्रम

24 फरवरी 2025

प्रातः 7:30	पंजीयन
	सेक्टर आधारित सत्र
प्रातः 11:45–सायं 6:30	टेक इन्वेस्ट – समिट हॉल 1
प्रातः 11:45–दोपहर 2:00	नवीनीकृत मध्यप्रदेश – समिट हॉल 2
दोपहर 3:15 - सायं 7:00	फीडर सोलराइजेशन समिट : 2000 मेगावॉट कुसुम सी की प्रीबिड – समिट हॉल 2
	पार्टनर कन्ट्री सेशन
प्रातः 11:45 –दोपहर 12:45	ग्लोबल साउथ पर सेशन – कॉन्फ्रेंस हॉल
दोपहर 12:45–1:45	जर्मनी और मध्यप्रदेश के लिए निवेश रणनीतियों पर सत्र – कन्ट्री सेशन हॉल
दोपहर 3:30–सायं 4:30	जापान और मध्यप्रदेश के बीच आर्थिक सहयोग पर सत्र - कन्ट्री सेशन हॉल
	थीमेटिक सेशन
प्रातः 11:45–दोपहर 12:45	मॉलिक्यूल टू मशीन (फार्मा एवं मेडिकल डिवाइसेस)- सेशन हॉल 1
दोपहर 1:15–2:15	इन्वेस्टिंग इन ह्यूमन कैपिटल (स्किल डेवलपमेंट) - सेशन हॉल 1
सायं 4:30–5:30	सड़क निर्माण के बुनियादी ढांचे में गति लाना : निवेश, नवाचार और संभावनाएं - सेशन हॉल 3
	सीआईआई मीटिंग
दोपहर 2:00-3:00	महिला उद्यमियों एवं स्टार्ट-अप्स के लिए नेटवर्किंग के अवसरों पर सीआईआई आईडब्ल्यूएन सत्र - कॉन्फ्रेंस हॉल
दोपहर 3:00–सायं 4:00	सीआईआई राष्ट्रीय वस्त्र एवं परिधान समिति- कॉन्फ्रेंस हॉल
सायं 4:00–5:00	सीआईआई राष्ट्रीय एमएसएमई काउंसिल मीटिंग - कॉन्फ्रेंस हॉल
सायं 5:00-7:00	द विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग- कॉन्फ्रेंस हॉल
दोपहर 3:30–सायं 4:00	एमओयू सेशन – सेशन हॉल 3

25 फरवरी 2025

	सेक्टर आधारित सत्र
प्रातः 9:30–11:15	मध्यप्रदेश प्रवासी समिट- समिट हॉल 2
प्रातः 10:30–दोपहर 12:30	पर्यटन समिट- समिट हॉल 1
प्रातः 11:30–दोपहर 1:30	माइनिंग समिट- समिट हॉल 2
दोपहर 2:00–सायं 4:00	एमएसएमई एवं स्टार्ट-अप समिट – मुख्य हॉल
दोपहर 2:00–सायं 4:00	शहरी विकास समिट- समिट हॉल 1
	प्री-बिड सेशन
प्रातः 10:00–11:30	मुरैना सोलर- बीईएसएस प्रोजेक्ट– सेशन हॉल 1
प्रातः 11:30–दोपहर 12:00	मुरैना यूपी-एमपी कॉम्प्लिमेन्टैरिटी प्रोजेक्ट- सेशन हॉल 1
दोपहर 12:00–2:00	रूफटॉप सोलर (RESCO)- सेशन हॉल 1
	पार्टनर कन्ट्री सेशन
प्रातः 10:30–11:30	कनाडा राउन्ड टेबल- कॉन्फ्रेंस हॉल
दोपहर 12:00–1:00	बहुराष्ट्रीय निवेश सत्र- कन्ट्री सेशन हॉल
दोपहर 2:30–3:30	पोलैंड कन्ट्री सेशन- कन्ट्री सेशन हॉल
	थीमेटिक सेशन
प्रातः 10:30–11:30	नए युग का आरंभ (वस्त्र एवं परिधान)- सेशन हॉल 2
प्रातः 11:00–दोपहर 12:30	फ्यूचर फ्रंटियर्स- एमपी स्टार्टअप पिचिंग सेशन- सेशन हॉल 3
दोपहर 12:00–1:00	सीड टू शेल्फ (खाद्य प्रसंस्करण एवं बागवानी)- सेशन हॉल 2
दोपहर 12:30–1:30	थीमेटिक सेशन (को-ऑपरेटिव)- सेशन हॉल 3
दोपहर 2:30–3:30	ग्रीन हाइड्रोजन- सेशन हॉल 1
दोपहर 2:00–3:00	लॉजिस्टिक्स: दुनिया से जुड़ता मध्यप्रदेश- सेशन हॉल 2
	इन्वेस्ट मध्यप्रदेश समापन सत्र
सायं 4:30–6:00	ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट - मुख्य हॉल

फोकस सेक्टर

- कृषि, खाद्य और डेयरी प्रसंस्करण
- ऑटोमोबाइल एवं ऑटो कंपोनेंट्स
- टेक्सटाइल एवं गारमेंट्स
- फार्मा, मेडिकल डिवाइस और हेल्थ केयर
- आईटी/आईटीईएस/ईएसडीएम
- नवीकरणीय ऊर्जा
- लॉजिस्टिक्स एवं भंडारण
- प्राकृतिक गैस एवं पेट्रो रसायन
- एयरोस्पेस एवं डिफेंस
- पर्यटन
- माइनिंग
- कौशल निर्माण
- शहरी विकास

अधिक जानकारी के लिये
invest.mp.gov.in

मुख्य आकर्षण

- एमपी मोबिलिटी एक्सपो
- सेंट्रल इंडिया फैब्रिक एंड फैशन एक्सपो
- ओडीओपी विलेज
- कन्ट्री सेशन
- एमपी पवेलियन
- एग्जीबिशन एवं एक्सपो
- एमपी बिजनेस एग्जीक्यूटिव मीट (बी2बी मीटिंग)
- मध्यप्रदेश सरकार एवं बिजनेस मीट (बी2जी मीटिंग)

D-11195/24

भारत में केवल प्रयागराज को ही प्राप्त है इतने श्रद्धालु पहुंचने का सौभाग्य

महाकुंभ नगर ताकि सनद रहे.....

रतिभान त्रिपाठी

महाकुंभ नगर (देशबन्धु)। पूरे भारत के किसी भी महानगर को यह सौभाग्य नहीं प्राप्त है कि वहां भारत ही नहीं, पूरी दुनिया से इतने श्रद्धालुओं की भीड़ पहुंचे। यह गौरव सिर्फ प्रयागराज को ही है। यह पहला महाकुंभ पर्व है जब संगम स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं का तांता सवा महीने से लगा हुआ है। प्रयागराज की सड़कों, चौराहों समेत अनेक स्थलों के चौड़ीकरण और लोगों की समाने की क्षमता का विस्तार होने के बावजूद प्रयागराज महानगर में जगह कम पड़ती दिखी। महाकुंभ मेला क्षेत्र का विस्तार पिछले कुंभों के मुकाबले सवा गुना किया गया है। मेला क्षेत्र में भव्य दिव्य द्वार बनाकर सुंदरीकरण भी किया गया है। भीड़ की अधिकता के कारण पूरा प्रयागराज महानगर संकरा-संकरा और जाम में फंसा हुआ देखा जा रहा है।

जाम को छुड़ाने के लिए पुलिस बल कोशिश तो करता दिखता है। पुलिस वाले सड़कों चौराहों पर धूल फांकते पहले ठंड में और अब दिन की गर्मी में घंटों ड्यूटी कर रहे हैं लेकिन अनेक प्रवेश मार्गों पर प्लानिंग देखकर आमतौर पर लोग यह महसूस करते हैं, जैसे पुलिस ही जाम बढ़ाने का कारण बन गई है। अब यह पुलिस वाले ही बता सकते हैं कि उनका अपना कौन सा ट्रैफिक प्लान है, जिसकी वजह से लोग जाम बढ़ता हुआ महसूस करते हैं। लखनऊ और अयोध्या की ओर से आने वाले श्रद्धालु फाफामऊ के पास भारी परेशानी उठाते हैं तो शहर में घुस जाने पर स्टैनली रोड के कुंभ चौराहे पर उन्हें वैसे ही समस्या दिखती है। भरद्वाज आश्रम चौराहा तो स्थाई रूप से जाम चौराहे में तब्दील हुआ दिखता है। यही दृश्य शहर की चारों दिशाओं के मार्गों वाराणसी, चित्रकूट, रीवा, कानपुर आदि की तरफ देखने को मिलता है। लेकिन भारी भीड़ की दुहाई देकर पुलिस अपना और अपने प्लान का बचाव कर ले जाती है।

भीड़ के आंकड़े सरकारी सिस्टम गिना ही रहा है। उस पर कैसी टीका टिप्पणी। मेला प्रशासन ने दावा किया है कि शुरुआत से लेकर अब तक 59 करोड़ लोग संगम क्षेत्र में आ चुके हैं। यह सुअवसर तो है लेकिन प्रयागराज के लोग पिछले सवा महीने से जाम देख देखकर ऊब रहे हैं। बहुत लोग यह टिप्पणी करने से नहीं चूकते हैं कि आखिर यह कुंभ कब खत्म होगा। जवाब सबको पता है कि 26 फरवरी को महाशिवरात्रि का स्नान अंतिम स्नान है। शासन के शीर्ष अधिकारियों ने महाकुंभ क्षेत्र पहुंच कर अंतिम स्नान पर्व के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी स्थानीय अधिकारियों को दिए हैं।

महाकुंभ ने अब तक में प्रयागराज में हजारों लोगों को जहां मालामाल कर दिया है, वहीं सैकड़ों लोगों की रोजी रोटी भी ठप कर रखी है। अनेक लोगों के पेट्रोल पंप कई गुना फायदे में हैं तो कुछ ट्रैफिक प्लान में ऐसे फंसे हैं कि उनके यहां गाड़ियां ही नहीं पहुंच पा रही हैं। चौबीसों घंटे यातायात ने बहुत लोगों का नियमित धंधा पानी फंसा रखा है।

बहरहाल, सवा महीने से गुलजार शहर लोगों को आनंद भी दे रहा है। भारत का ऐसा कोई राज्य या भूभाग नहीं बचा होगा जहां की गाड़ियां इस शहर में न आई हों। बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं का अपना दुख भी है। लोग कई कई किलोमीटर पैदल चलकर संगम पहुंचते हैं। उन्हें इस बात का कष्ट नहीं होता कि उन्हें इतना पैदल चलने को मजबूर किया जा रहा है। उन्हें तकलीफ तब होती है जब हूटर साइरन बजाते वीआईपी काफिले निकलते हैं। मानव स्वभाव है। लोगों को पीड़ा होती ही है और वे उसे व्यक्त करने से भी नहीं चूकते हैं। वैसे अब सिर्फ एक सप्ताह का ही समय बचा है महाकुंभ की पूर्णाहुति में। सब मनाते हैं कि यह समय सकुशल बीत जाए।

अविरल-निर्मल गंगा के संकल्प के साथ केंद्रीय जलशक्ति मंत्री ने संगम में लगाई डुबकी

सीआर पाटिल ने गंगा संरक्षण और स्वच्छता अभियान को अधिक सशक्त बनाने का लिया संकल्प

महाकुंभ नगर (देशबन्धु)। केंद्रीय जल शक्तिमंत्री सीआर पाटिल ने शुक्रवार को महाकुंभ में श्रद्धा और आस्था की डुबकी लगाई। गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम में स्नान कर उन्होंने गंगा संरक्षण और स्वच्छता अभियान को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लिया। स्नान के बाद जल शक्ति मंत्री ने कहा कि गंगा केवल एक नदी नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक आस्था का प्रतीक हैं। उन्होंने महाकुंभ में योगी सरकार द्वारा की गई व्यवस्थाओं की तारीफ करते हुए कहा कि साफ-सफाई, पेयजल व्यवस्था और यातायात प्रबंधन को लेकर योगी सरकार ने बेहतरीन कार्य किया है।

केंद्रीय जलशक्ति मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार गंगा को निर्मल और अविरल बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने 'नमामि गंगे' मिशन की सफलता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि अब तक 59 करोड़ से अधिक श्रद्धालु महाकुंभ में आस्था और श्रद्धा की डुबकी लगा चुके हैं, जिनमें बड़ी संख्या में विदेशी भक्त भी शामिल हैं। हर किसी ने गंगा की निर्मल धारा और उसकी पवित्रता को महसूस किया और उसकी स्वच्छता की प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि 'नमामि गंगे' अभियान के तहत सैकड़ों घाटों का सौंदर्यीकरण, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स की स्थापना और औद्योगिक कचरे के शोधन जैसी कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं चलाई जा रही हैं। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार गंगा और उसकी सहायक नदियों को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए स्थानीय

समुदायों और स्वयंसेवी संस्थाओं को भी सक्रिय रूप से शामिल कर रही है।

महाकुंभ में श्रद्धालुओं से अपील करते हुए केंद्रीय मंत्री ने गंगा को स्वच्छ बनाए रखने की सामूहिक जिम्मेदारी पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि गंगा जल को प्रदूषित होने से बचाने के लिए हमें मिलकर प्रयास करने होंगे। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह और औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' भी उपस्थित रहे।

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा ने किया संगम स्नान

महाकुंभ नगर (देशबन्धु)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने आज परिवार सहित तीर्थराज प्रयागराज में त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाई और महाकुंभ 2025 को भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा की महानतम अभिव्यक्ति बताया। उन्होंने इस आध्यात्मिक अनुभव को अविस्मरणीय बताते हुए कहा कि कुंभ में स्नान करना बहुत बड़ा सौभाग्य है। परमात्मा को कोटि-कोटि आभार कि उन्होंने मुझे यह पावन अवसर दिया। महाकुंभ में अपने प्रवास के दौरान उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा करते हुए कहा कि कुशलता के साथ मेला प्रबंधन किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और पूरे प्रशासन को मैं धन्यवाद देता हूं। उनके नेतृत्व में महाकुंभ 2025 ऐतिहासिक और दिव्य बन गया है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में भारत की सभ्यता और संस्कृति पुन: अपने विराट स्वरूप में उभर रही है। महाकुंभ में अपनी आध्यात्मिक अनुभूति को साझा करते हुए हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि त्रिवेणी संगम केवल नदियों का संगम नहीं, बल्कि करोड़ों सनातनियों की आस्था, अध्यात्म और विरासत का महासंगम है। जब तक सूरज-चांद रहेगा, तब तक सनातन धर्म रहेगा। उन्होंने महाकुंभ को मानव और महादेव के बीच एक दिव्य सेतु बताते हुए कहा कि यह केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की अमरता का प्रतीक है। यह आयोजन सिद्ध करता है कि सनातन केवल अतीत ही नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य भी है।

महाशिवरात्रि के स्नान की तैयारी में जुटी सरकार

प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह और डीजीपी प्रशांत कुमार ने महाकुंभ नगर पहुंचकर परखी व्यवस्था, दिए निर्देश

महाकुंभ नगर। आगामी 26 फरवरी को होने जा रहे महाशिवरात्रि के अंतिम महत्वपूर्ण स्नान की तैयारियों में सरकार जुट गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश के मुख्य

> **हमारा प्रयास कि महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं को न हो किसी प्रकार की असुविधा : डीजीपी**

सचिव मनोज कुमार सिंह और डीजीपी प्रशांत कुमार ने महाकुंभ नगर पहुंचकर व्यवस्थाओं की समीक्षा की और अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। मीडिया से बातचीत में उन्होंने बताया कि हम बेहतर यातायात नियंत्रण, भीड़ प्रबंधन अंतिम स्नान के साथ ही सप्ताहांत यानी शनिवार रविवार के लिए व्यवस्था कर रहे हैं। हम लगातार प्रयास कर रहे हैं कि श्रद्धालुओं को किसी तरह की असुविधा न हो।

सोशल मीडिया पर महाकुंभ को लेकर माहौल बिगाड़ने के कुत्सित प्रयास में लगे तत्वों पर भी योगी सरकार कड़ी नजर रख रही है। डीजीपी प्रशांत कुमार ने बताया कि हम लगातार इस पर नजर रख रहे हैं और हमने एफआईआर भी दर्ज की हैं। उन्होंने ऐसे तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन देते हुए कहा कि अबतक पचास से ज्यादा एफआईआर दर्ज की गई हैं। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह और डीजीपी प्रशांत कुमार ने नाव से संगम घाटों का निरीक्षण किया और साफ-सफाई की व्यवस्था को परखने के साथ ही अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

गौरतलब है कि 13 जनवरी से शुरू हुआ महाकुंभ अब अपने अंतिम चरण में है। 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के अवसर पर आखिरी महत्वपूर्ण स्नान का आयोजन होना है, जिसे लेकर प्रदेश की योगी सरकार ने कमर कस ली है।

'गंगा नदी का जल पूरी तरह से शुद्ध और नहाने योग्य'

सीपीसीबी की रिपोर्ट को 'आईआईटी बाबा' ने नकारा

महाकुंभ नगर (देशबन्धु)। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) को सौंपी गई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि महाकुंभ के दौरान प्रयागराज में गंगा के पानी में फीकल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया की मात्रा बढ़ी है, जिससे नदी का प्रदूषण स्तर बढ़ गया है। 'आईआईटी बाबा' आचार्य जयशंकर ने इस रिपोर्ट को खारिज कर दिया है।

आचार्य जयशंकर ने कहा कि हम अभी वहां से नहाकर आए हैं। हम यहां आस्था की डुबकी लगाने आए हैं और हमें ऐसा कुछ भी नहीं दिखा जो रिपोर्ट में बताया गया है। पानी बह रहा है और जहां तक बैक्टीरिया का सवाल है, वह कैसे रह सकता है?

उन्होंने कहा कि गंगा नदी का जल 'पूरी तरह से शुद्ध और नहाने योग्य' है। मैं बनारस में पढ़ाई के दौरान गंगा के पानी को देखता आ रहा हूं, और अब यह पहले से बेहतर है। हमें कोई समस्या नहीं दिखी। लोग यहां व्यवस्था देखने नहीं, आस्था के लिए आते हैं, इसलिए पानी की रिपोर्ट से उन्हें फर्क नहीं पड़ता। हमने जहां स्नान किया, वहां पानी ठीक था। लैब रिपोर्ट के लिए कहां से सैंपल लिया गया, यह हमें नहीं पता।

यह पूछे जाने पर कि यह वाकई 144 साल बाद वाला 'महाकुंभ' है या फिर भ्रामक प्रचार किया गया, 'आईआईटी बाबा' ने कहा कि यह भ्रामक नहीं है, यह एक अनूठा संयोग है। 144 साल बाद ऐसा योग है, इसमें संदेह नहीं। कई साल पहले इस शहर का नाम 'तीर्थराज' था, और प्रयाग संगम एक भव्य स्थल है।

ममता कुलकर्णी के किन्नर अखाड़े में महामंडलेश्वर बनने को आचार्य जयशंकर ने गलत करार दिया। उन्होंने कहा कि बिना शास्त्रों के ज्ञान के कोई महामंडलेश्वर नहीं बन सकता। ऐसी कोशिश बेकार है। धर्म का मजाक बनाने वाले लोग इस प्रक्रिया का हिस्सा नहीं हो सकते।

महाकुंभ की अवधि बढ़ाने के सवाल पर आचार्य जयशंकर ने कहा कि कुंभ मकर संक्रांति से शिवरात्रि तक होता है। मुझे नहीं लगता कि इसे और बढ़ाना चाहिए। महाकुंभ में प्रशासन की ओर से की गई व्यवस्था पर खड़े हो रहे सवाल को लेकर आचार्य जयशंकर ने कहा कि व्यवस्था ठीक रही, तभी इतने लोग पहुंचे। फिर भी दुर्घटना दुखद है। जो लोग हताहत हुए, उनके लिए प्रार्थना करता हूं। कुछ घटनाएं हुई हैं, लेकिन हमें हर चीज में प्रशासन को दोष नहीं देना चाहिए। इतनी बड़ी संख्या में लोग आए हैं, इसलिए घटना की जांच की जा रही है। महाकुंभ में मौतों को लेकर अफवाहों के बारे में आचार्य जयशंकर ने कहा कि यह बिल्कुल संभव नहीं है कि मौतें छिपाई गई हों। आज के दौर में सोशल मीडिया के चलते किसी भी घटना को छिपाना नामुमकिन है। अगर पुलिस ने ऐसा किया भी होता, तो अब तक किसी न किसी के पास असलियत जरूर आई होती।

महाकुंभ में 14 हजार मीट्रिक टन सॉलिड वेस्ट हुआ निस्तारित

> **इस बार 25 हजार से ज्यादा डस्टबिन, 120 से ज्यादा टिप्पर्स व कॉम्पैक्टर्स के जरिए सॉलिड वेस्ट को प्रतिदिन के आधार पर प्रबंधित करने की प्रक्रिया की जा रही पूरी**

महाकुंभ नगर। महाकुंभ में स्वच्छता के नए प्रतिमान स्थापित कर रही योगी सरकार के कुशल प्रबंधन में अब तक 14 हजार मीट्रिक टन सॉलिड वेस्ट को सकुशल निस्तारित किया जा चुका है। सीएम योगी के स्वच्छ महाकुंभ के विजन को धरातल पर उतारते हुए मेला प्रशासन स्वच्छता प्रबंधन में कोई कसर नहीं छोड़ रहा। महाकुंभ मेला क्षेत्र की स्वच्छता प्रमुख ने जानकारी देते हुए बताया कि जब से मेला प्रारंभ हुआ है तबसे लाखों की संख्या में श्रद्धालुगण निवासरत हैं, जबकि प्रतिदिन करोड़ों की संख्या में देश-दुनिया से आने वाले श्रद्धालु त्रिवेणी संगम में डुबकी लगा रहे हैं। ऐसे में, स्वच्छता के उच्च प्रतिमानों को स्थापित करते हुए प्रतिदिन के आधार पर इसे पूरा करने पर मेला प्रशासन का फोकस है।

स्वच्छता प्रमुख (विशेष कार्याधिकारी) अकांक्षा राणा के अनुसार, यहां जितने भी लोग स्नान करते हैं उनकी धारणा है कि स्नान करने के बाद कपड़ों को घाट पर ही छोड़कर नए वस्त्र धारण करके जाते हैं। इसके साथ ही साथ यहां पर बड़े स्तर पर भंडारे चलते हैं, फूड जोन हैं और लोग पैदल चलते हैं तो कचरा काफी रहता है। ऐसे में, इस कचरे का निस्तारण रोजमर्रा की एक बड़ी चुनौती है। उल्लेखनीय है कि इस कार्य को पूरा करने के लिए मेला जब प्रारंभ हुआ था उसी समय एक सैनिटेशन प्लान बनाया था उसमें सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के परिदृश्य को देखते हुए कुछ बिंदू रखे थे। सबसे पहले 120 टिप्पर्स व कॉम्पैक्टर्स क्रय किए गए थे। 25 हजार डस्टबिन भी क्रय किए गए थे जिसके जरिए प्रत्येक 50 मीटर पर डस्टबिन को रखा गया। इसमें लाइनर बैग लगाए जाते हैं जिसे प्रत्येक दिन 3 बार बदला जाता है। टिप्पर्स तथा ट्रॉली के माध्यम से कूड़े को ट्रांसफर स्टेशन में भेजा जाता है। ट्रांसफर स्टेशन में यह सारा कूड़ा कॉम्पैक्टर में भर कर नगर निगम द्वारा संचालित वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट में प्रोसेसिंग होती है। आंकड़ों के अनुसार, अभी तक 14 हजार मीट्रिक टन से ज्यादा वेस्ट को इकट्ठा कर बसवार ट्रीटमेंट प्लांट में भेजा जा चुका है। 2019 से इसकी तुलना करें, तो यह 9 मीट्रिक टन था। जबकि, इस बार महाकुंभ में कुल मिलाकर 20 हजार मीट्रिक टन से ज्यादा सॉलिड वेस्ट जेनरेशन का अनुमान है। उल्लेखनीय है कि अत्याधुनिक आईसीटी-आधारित निगरानी प्रणाली को रीयल टाइम ट्रैकिंग के आधार पर मोबाइल बेस्ड एप द्वारा संचालित किया जा रहा है। इसमें सभी सार्वजनिक शौचालयों को क्यूआर कोड को स्कैन कर रखरखाव को सुनिश्चित किया जा रहा है। वहीं, स्वच्छाग्रहियों (स्वच्छता स्वयंसेवकों) ने इस ऐप के जरिए क्यूआर कोड स्कैन कर फीडबैक अपलोड किए जिसे कंट्रोलरूम द्वारा मॉनिटर कर समाधान उपलब्ध कराया जा रहा है।

प्लॉस्टिक मुक्त महाकुंभ को सफल बनाने के लिए प्रयागराज मेला प्राधिकरण ने 5 करोड़ रुपए मूल्य की पर्यावरण अनुकूल वस्तुएं (दोना पत्तल, कुल्हड़, जूट के थैले, कागज के गिलास) अखाड़ों, संस्थाओं और भंडारों में वितरित की हैं। वहीं, बैनर और होर्डिंग्स के लिए प्लॉस्टिक मुक्त ब्रांडिंग शुरू की गई तथा बायोडिग्रेडेबल विकल्पों को प्रोत्साहित करने के लिए सख्त कदम उठाए गए। मेला क्षेत्र में हाइजीन को मेंटेन करने और साफ-सफाई को सुनिश्चित करने के लिए मॉडिफाइड एडवांस ऑक्सिडेशन तकनीक का प्रयोग किया जा रहा है जो गंधरहित प्रबंधन प्रक्रिया का हिस्सा है। इसके अतिरिक्त, क्लीनिंग एजेंट्स का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। इस क्रम में, 39 हजार किग्रा मैलेथियन डस्ट, 70 हजार लीटर फिनायल कॉन्सन्ट्रेट, 1600 किग्रा से अधिक नेप्थलीन बॉल्स, 3.5 लाख किग्रा ब्लीचिंग पाउडर, 70.8 हजार लीटर से ज्यादा एसिड, हार्पिक तथा गंध नियंत्रण के लिए 95.85 लीटर सॉल्यूशन का इस्तेमाल किया जा रहा है।

शहद और घी एक साथ खाना जहर समान

नई दिल्ली। बड़े बुजुर्गों से सुनते आए हैं- शहद और घी एक साथ खाना है जहर समान। हमारी प्राचीन चिकित्सा पद्धति भी यही कहती है। ऐसा इसलिए क्योंकि ये दोनों मिलकर शरीर में टॉक्सिन्स पैदा करते हैं, जो सेहत पर नेगेटिव असर डालते हैं।

शहद और घी के गुण जब सही मात्रा और सही परिस्थितियों में इस्तेमाल किए जाएं, तो ये शरीर के लिए अमृत समान होते हैं। लेकिन अगर इन्हें समान मात्रा में एक साथ सेवन किया जाए, तो विष समान हो सकते हैं। चरक संहिता और सुश्रुत संहिता में इसका वर्णन है। प्राचीन ग्रंथों के अनुसार, समान मात्रा में या अनुचित समय पर इन्हें लिया जाए, तो शरीर में 'आमा' यानी अपचित तत्वों का निर्माण करते हैं, जो बहुत सी बीमारियों का कारण बनते हैं।

चरक संहिता के मुताबिक, शहद और घी दोनों ही अत्यधिक पोषक तत्वों से भरपूर हैं, किन्तु जब इन्हें समान मात्रा में मिलाया जाता है, तो वे एक-दूसरे के गुणों को संतुलित करने के बजाय विपरीत प्रभाव पैदा कर सकते हैं। इस मिश्रण का सेवन खाली पेट या अत्यधिक मात्रा में करने से पाचन तंत्र में गड़बड़ी, सुस्ती, वजन बढ़ना और अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं होने लगती हैं। चरक संहिता में इन दोनों को किसी

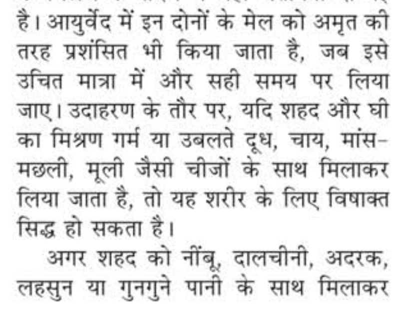

कुछ उपाय से बन सकता है काम

तीसरे पदार्थ से मिलाकर प्रयोग करने की सलाह दी गई है। सुश्रुत संहिता में भी शहद और घी के मिश्रण के संदर्भ में यही चेतावनी दी गई है। आयुर्वेद में इन दोनों के मेल को अमृत की तरह प्रशंसित भी किया जाता है, जब इसे उचित मात्रा में और सही समय पर लिया जाए। उदाहरण के तौर पर, यदि शहद और घी का मिश्रण गर्म या उबलते दूध, चाय, मांस-मछली, मूली जैसी चीजों के साथ मिलाकर लिया जाता है, तो यह शरीर के लिए विषाक्त सिद्ध हो सकता है।

अगर शहद को नींबू, दालचीनी, अदरक, लहसुन या गुनगुने पानी के साथ मिलाकर सेवन किया जाए, तो यह शरीर के लिए कई रोगों से सुरक्षा प्रदान करने वाला, पाचन को सुधारने वाला और शरीर की डिटॉक्सिफिकेशन में सहायक बन सकता है।

अगर घी को हल्दी, तुलसी, कपूर या दालचीनी जैसे औषधीय गुणों से भरपूर जड़ी-बूटियों के साथ किया जाए, तो गुण कई गुणा बढ़ जाते हैं। आयुर्वेद में यह भी कहा गया है कि हल्दी के साथ घी का संयोजन वजन कम करने, नई रक्त वाहिकाओं के निर्माण, हृदय स्वास्थ्य में सुधार तथा गुर्दों की कार्यप्रणाली को बेहतर बनाने में मददगार होता है।

तुलसी के साथ घी का सेवन शरीर को आवश्यक विटामिन और खनिज प्रदान करता है, जिससे मानसिक तनाव कम होता है और पाचन क्रिया में भी सुधार होता है। कपूर और दालचीनी के साथ घी मिलाने से भी शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत होती है और पाचन संबंधी बीमारियों से बचाव संभव हो पाता है। आयुर्वेद के शास्त्रों में इन संयोजनों का विशेष महत्व है, क्योंकि इन्हें 'अमृत' माना गया है, जो शरीर में संतुलन बनाए रखने के साथ-साथ विभिन्न रोगों से सुरक्षा प्रदान करते हैं।